Ranchi ● Friday, 09 May 2025 ● Year : 03 ● Issue : 113 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : ₹3 ● www.thephotonnews.com
E-Paper : epaper.thephotonnews.com

भारतीय सेना ने लाहौर में पाकिस्तान के एयर डिफेंस सिस्टम को किया ध्वस्त

पाक ने बुधवार की रात में भारत के 15 सैन्य ठिकानों पर हमले का किया था प्रयास

पाकिस्तान के 18 शहरों पर जवाबी हमला

पाक की कोशिश नाकाम, निशाने पर थे जम्मू-राजस्थान-पंजाब के शहर

देर रात भारत ने फिर दिया जवाब पाक के 9 शहरों पर दागी मिसाइलें

भारत ने पाकिस्तान के दो जे-17 व एक एफ-16 जेट को मार गिराया

NEW DELHI @ PTI :

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर हुए आतंकवादी हमले के खिलाफ भारत सरकार की कार्रवाई से बौखलाए पाकिस्तान में अपने हाथों अपने विनाश की पटकथा लिख दी है। भारतीय सेना की ओर से शुरू किए गए 'ऑपरेशन सिंदूर' में मारे गए आतंकवादियों के समर्थन में उतरते हुए पाकिस्तान ने बुधवार की रात को भारत के जम्मू, पंजाब और राजस्थान के कुल 15 शहरों में सेना के ठिकानों और रिहायसी इलाकों को निशाना बनाने की नाकाम कोशिश की। पाकिस्तान ने इन शहरों पर ड्रोन और मिसाइल से हमले किया। भारत के एयर डिफेंस सिस्टम एस 400 ने इन सभी हमलों को नाकाम कर दिया। पाकिस्तान की इस नापाक हरकत का भारत ने करारा जवाब देते हुए गुरुवार सुबह पाकिस्तान के लाहौर स्थित एयर डिफेंस सिस्टम तबाह कर दिया। भारत ने पहले पाकिस्तान के 9 शहरों पर ड्रोन हमला किया। देर रात पाकिस्तान के 9 और शहरों पर मिसाइल से जवाबी हमले किए गए। भारत सरकार के रक्षा मंत्रालय ने दोपहर 2:30 बजे प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया, '7 मई की रात पाकिस्तान ने उत्तरी और पश्चिमी भारत के शहरों को निशाना बनाने की कोशिश की थी। इसमें अवंतिपोरा, श्रीनगर, जम्मू, पठानकोट, अमृतसर, कपूरथला, जालंधर, लुधियाना, आदमपुर, बठिंडा, चंडीगढ़, नाल, फलोदी, उत्तरलाई और भुज में ड्रोन्स और मिसाइलें दागी थीं। इन सभी हमलों को नाकाम कर दिया गया। इसके बाद जवाबी हमले किए गए'। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार इन हमलों में पाकिस्तान के कई शहरों में भारी तबाही हुई है। पाकिस्तान ने गुरुवार की रात फिर से जम्मू-कश्मीर, पंजाब, राजस्थान और गुजरात के शहरों को निशाना बनाया। यहां ड्रोन और मिसाइल से हमले किए गए। भारतीय सेना ने जवाबी कार्रवाई करते हुए सभी हमलों को नाकाम कर दिया। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, देर रात तक जारी भारतीय सेना की जवाबी कार्रवाई में पाकिस्तान का एफ-16 और दो जेएफ-17 को मार गिरा दिया। अब तक की जानकारी के अनुसार एक पाकिस्तानी पायलट भी पकड़ा गया है। भारत और पाकिस्तान के बीच सीमा पर भी भारी गोलाबारी हो रही है।

कई स्थानों पर एयर डिफेंस रडार और प्रणालियों को बनाया निशाना

भारतीय सेना ने पहले ही सीमाओं पर एस-400 एयर डिफेंस मिसाइल सिस्टम को तैनात कर रखा है, जैसे ही मिसाइलों से हमला किया गया। इस सिस्टम को एक्टिव कर दिया गया। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि गुरुवार सुबह भारतीय सशस्त्र बलों ने पाकिस्तान में कई स्थानों पर एयर डिफेंस रडार और प्रणालियों को निशाना बनाया। भारत की कार्रवाई उसी क्षेत्र में, तेजी के साथ दी गई है जैसी पाकिस्तान ने की थी। सूत्रों ने बताया कि लाहौर, सियालकोट, कराची में एयर डिफेंस सिस्टम को तबाह कर दिया। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने गुरुवार को ईरान के साथ बातचीत के दौरान ऑपरेशन सिंदूर की जानकारी दी।

भारत के अटैक से लाहौर में 4 जवान घायल मियानों में एक शख्स की भी चली गई जान

थर्राया पाक, लगातार हो रहे हमले को देखकर बंकरों में शरण ले रहे लोग

लाहौर में चीन निर्मित एयर डिफेंस ध्वस्त, कराची पोर्ट तबाह : रिपोर्ट

भारतीय सेना ने 'एक्स' पर लिखा- पाक के अटैक से नहीं पहुंचा कोई नुकसान

तस्वीर से समझें भारत ने पाक के किन किन ठिकानों पर ड्रोन से किया हमला

पंजाब में बीएसएफ ने घुसपैठिए को मार गिराया : पंजाब के फिरोजपुर में बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स ने एक घुसपैठिये को मार गिराया है। रात अंधेरे का फायदा उठाकर एक व्यक्ति ने इंटरनेशनल बॉर्डर को पार किया। बॉर्डर सिक्योरिटी फेंस की तरफ बढ़ते वक्त बीएसएफ फायरिंग में उसकी मौत हो गई। उसका शव गुरुवार सुबह पुलिस को सौंप दिया गया। भारतीय सेना की 16 राष्ट्रीय राइफल्स और 6 पैरा बटालियन गुरुवार को पुंछ के सुरनकोट में जॉइंट तलाशी अभियान चला रही है। वहीं, विदेश मंत्रालय ने बताया कि एलओसी पर पाकिस्तान के सीजफायर उल्लंघन से पुंछ में 13 लोगों की जान चली गई। जिले में 44 नागरिकों समेत केंद्र शासित प्रदेश में कुल 59 घायल हैं।

मोदी ने अफसरों के साथ की मीटिंग, कहा- रहें अलर्ट

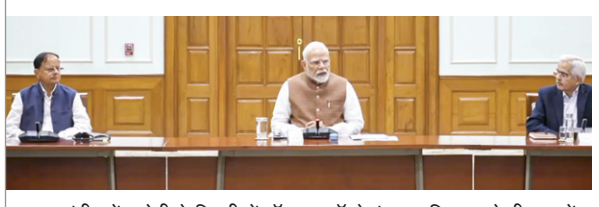

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिल्ली में टॉप अफसरों के साथ मीटिंग की। पीएम ने विभिन्न मंत्रालयों के सचिवों से कहा कि अपनी मिनिस्ट्री के ऑपरेशंस का विस्तार से रीव्यू करें। साथ ही जरूरी सिस्टम, हर समय तैयार रहने, इमरजेंसी रिस्पॉन्स और इंटरनल कम्युनिकेशन प्रोटोकॉल के लिए कहा है। प्रधानमंत्री के साथ मीटिंग में कैबिनेट सचिव, प्रधानमंत्री ऑफिस के सीनियर अफसर, रक्षा, गृह, विदेश, सूचना-प्रसारण, ऊर्जा, स्वास्थ्य और टेलीकम्युनिकेशन विभाग के सचिव शामिल हुए। प्रधानमंत्री ने सभी अफसरों से हमेशा अलर्ट और साफ कम्युनिकेशन रखने को कहा है। मोदी ने फिर से कहा कि सरकार देश और लोगों की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है।

पाक पर भारत का समुद्री अटैक

भारतीय नौसेना ने पाकिस्तान के कराची पोर्ट को तबाह कर दिया है। नौसेना ने समुद्री हमले में कराची पोर्ट पर ताबड़तोड़ मिसाइलें दागी हैं। इन हमलों में कराची पोर्ट बताया जा रहा है की पूरी तरह से तबाह कर दिया गया है। पहलगाम आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान से बढ़े तनाव के बीच भारतीय नौसेना ने पहले ही आईएनएस विक्रांत को अरब सागर में तैनात कर रखा है। नौसेना का ये अटैक शिप करवर तट के पास तैनात किया गया था। इस युद्धपोत के स्ट्राइक ग्रुप में एक विमानवाहक पोत, विध्वंसक, फ्रिगेट, पनडुब्बी रोधी युद्धपोत और अन्य सहायक जहाज शामिल हैं। हमले के बीच पाकिस्तान की ओर लगातार हो रहे ड्रोन और मिसाइल हमले को देखते हुए बॉर्डर के पास रह रहे लोगों को बंकर में शिफ्ट किया जा रहा है। साथ ही सरकार की एसओपी फॉलो करने के लिए कहा जा रहा है।

8 राज्यों के 28 एयरपोर्ट्स 9 मई तक बंद, 430 फ्लाइट्स कैंसिल, हरियाणा-पंजाब-राजस्थान में अलर्ट, स्कूल बंद

पाकिस्तान पर एयरस्ट्राइक के बाद बने तनाव के बीच केंद्र ने 8 राज्यों के 28 एयरपोर्ट्स 9 मई तक बंद कर दिए हैं। ये राज्य- जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, गुजरात, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश हैं। बडे एयरपोर्ट्स में श्रीनगर, जम्मू, लेह, चंडीगढ़, जोधपुर, राजकोट, धर्मशाला, अमृतसर, भुज और जामनगर शामिल हैं। ये पाकिस्तान बॉर्डर से लगे हुए हैं। एअर इंडिया, इंडिगो, एयर इंडिया एक्सप्रेस, स्पाइसजेट, अकासा एयर और कुछ विदेशी एयरलाइंस ने आज करीब 430 फ्लाइट्स को कैंसिल किया है। जम्मू-कश्मीर, हरियाणा, पंजाब और राजस्थान में हाई अलर्ट है। दोनों राज्यों के बॉर्डर इलाकों में स्कूल बंद कर दिए गए हैं।

पाकिस्तान की फिल्में और गाने बैन

सूचना और प्रसारण मंत्रालय ने सभी ओटीटी प्लेटफॉर्म्स, मीडिया स्ट्रीमिंग सेवाओं और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स को निर्देश दिया है कि वे पाकिस्तानी वेब सीरीज, फिल्में, गाने, पॉडकास्ट और अन्य कंटेंट को तुरंत बंद करें। यह निर्देश सब्सक्रिप्शन वाले और फ्री दोनों तरह के कंटेंट पर लागू होगा। इस बीच ऑपरेशन सिंदूर के बाद इंडिया-नेपाल बॉर्डर पर हाई अलर्ट है। सुरक्षा बल कड़ी निगरानी कर रहे हैं। बिहार के पूर्वी चंपारण जिले में रक्सौल बॉर्डर पर चीन के 4 नागरिकों को गिरफ्तार किया गया है। ये अवैध तरीके भारत में घुसने की कोशिश कर रहे थे। इनके पास वीजा नहीं थे।

सर्वदलीय बैठक में राजनाथ बोले- 'ऑपरेशन सिंदूर' में 100 आतंकी किए गए ढेर

गुरुवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सर्वदलीय बैठक में कहा कि पाकिस्तान और उसके कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में आतंकी ठिकानों पर 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत किए गए मिसाइल हमलों में कम से कम 100 आतंकवादी मारे गए। सूत्रों ने यह जानकारी दी है। सूत्रों का कहना है कि रक्षा मंत्री ने बैठक में शामिल नेताओं को यह भी बताया कि यह एक जारी अभियान है और अगर भारत के लक्षित हमले के मद्देनजर पाकिस्तान कोई सैन्य कदम उठाता है तो भारत मुंहतोड़ जवाब देगा। उन्होंने कहा कि राजनाथ सिंह ने यह सूचित किया कि 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत की गई कार्रवाई में कम से कम 100 आतंकवादी मारे गए हैं। बैठक में शामिल सभी दलों के नेताओं ने आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई को लेकर सरकार का समर्थन किया और सशस्त्र बलों के प्रति एकजुटता प्रकट की। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने यह मांग उठाई कि संसद का विशेष सत्र बुलाया जाए, जिससे अच्छा संदेश जाएगा।

नेताओं ने दिखाई परिपक्वता, किसी तरह की नहीं हुई बहस

सरकार व सशस्त्र बलों को पूरा सहयोग देने का किया गया वादा

हम सरकार के साथ : खड़गे

बैठक के बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने संवाददाताओं से कहा, हम चाहते थे कि इस बैठक में प्रधानमंत्री आएं और आतंकवादियों के खिलाफ की गई कार्रवाई को लेकर अपनी बात रखें, लेकिन वह नहीं आए। (प्रधानमंत्री) पिछली बैठक में भी नहीं आए थे। यह बहुत दुख की बात है। उन्होंने कहा कि 'इंडिया' गठबंधन के सभी दलों के लोग और दूसरे दलों के लोगों ने एक स्वर में कहा था कि वे हर कदम पर सरकार और सेना के साथ हैं।

संसद का विशेष सत्र जरूरी

खड़गे ने कहा कि सभी ने यह मुद्दा उठाया कि सीमा के निकट लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित की जानी चाहिए और जम्मू कश्मीर में जो लोग मारे गए हैं, उनके परिवारों का ख्याल रखा जाए। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि पाकिस्तान में सिर्फ आतंकवादियों के खिलाफ कार्रवाई की गई। उन्होंने कहा,हमने पूरा समर्थन दिया है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने कहा कि संसद का विशेष सत्र बुलाया जाए, जिसका अच्छ संदेश जाएगा।

पाक को दिया गया मुंहतोड़ जवाब : सोफिया

विदेश मंत्रालय ने गुरुवार शाम 5.30 बजे लगातार दूसरे दिन प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इसमें बुधवार की तरह विदेश सचिव विक्रम मिसरी के साथ कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह मौजूद रहीं। कर्नल सोफिया ने कहा कि पाकिस्तान ने 15 भारतीय सैन्य ठिकानों पर हमला किया था। इन्हें नाकाम करने के बाद पाकिस्तान को मुंहतोड़ जबाव दिया गया। भारत ने लाहौर में एयर डिफेंस सिस्टम को तबाह कर दिया। विक्रम मिसरी ने कहा कि भारत तनाव बढ़ाने का काम नहीं कर रहा है। हमारा मकसद सिर्फ 22 अप्रैल के हमले का जवाब देना है। हमारा जवाब सिर्फ आतंकी ठिकानों को निशाना बनाना था। मिलिट्री हमारा टारगेट नहीं थी।

विदेश सचिव ने तस्वीर दिखाकर पूछा- आतंकियों के जनाजे में सेना का क्या काम

आतंकियों को पाकिस्तानी झंडे में लपेटा गया

विदेश सचिव मिसरी ने आतंकवादियों का अंतिम संस्कार की फोटो दिखाई। कहा, अगर सिर्फ सिविलियन मारा गया है तो अफसरों की फोटोज हाफिज सईद के साथ क्यों आई, आतंकवादियों को पाकिस्तानी झंडे में लपेटा गया था। सरकार की तरफ से 2 दिन में यह दूसरी प्रेस कॉन्फ्रेंस है। 7 मई को ऑपरेशन सिंदूर के बारे में जानकारी दी गई थी। इसमें बताया गया था कि मंगलवार रात 1:04 बजे से 1:28 बजे के बीच 24 मिनट में 9 टारगेट तबाह किए गए।

BRIEF NEWS

कांके विधायक ने खालिद सैफुल्लाह को बनाया अपना खेल प्रतिनिधि

RANCHI : कांके विधानसभा के विधायक सुरेश कुमार बैठा ने कांके प्रखंड पिरुटोला निवासी मो. खालिद सैफुल्लाह को खेल-कूद युवा कल्याण (कला) विभाग का विधायक प्रतिनिधि नियुक्त किया है। इस मौके पर कांके विधानसभा युवा कांग्रेस के अध्यक्ष मो. खालिद सैफुल्लाह ने विधायक का आभार व्यक्त किया और कहा विधायक सबको सम्मान दे रहे हैं। किसी को नजरअंदाज नहीं करते हैं। यखालिद सैफुल्लाह के कांके विधायक प्रतिनिधि बनाए जाने पर युवा कांग्रेस के कार्यकताओं मे खुशी है। खालिद सैफुल्लाह के विधायक प्रतिनिधि बनने पर कांग्रेस के वरीय नेता ऐनुल हक अंसारी, राजन सिंह राजा, शमीम बरेहार, गोपाल तिवारी, वसीम अकरम, मोनू रजक, मुश्ताक आलम, शिव टहल नायक, अभिषेक राज हेरेंज, सूरज सिंह मिश्रा और अनेक गणमान्य लोगों ने बधाई दी।

दीन दयाल स्पर्श योजना के तहत दो विद्यार्थी सम्मानित

RANCHI : दीन दयाल स्पर्श योजना के तहत एसआर डीएवी, पब्लिक स्कूल, पुंदाग के कक्षा छह के दो विद्यार्थी हसनैन अली और कक्षा सातवीं की कशिश को चयनित किया गया है। यह योजना संचार मंत्रालय, भारत सरकार के डाक विभाग की ओर से शुरू की गई है। इसका उद्देश्य स्कूली छात्रों के बीच डाक टिकटों के अध्ययन और संग्रह के रूप में प्रोत्साहित करना है। प्रत्येक छात्र को छह हजार की छात्रवृत्ति दी गई है और उनके सराहनीय कार्य के लिए प्रोत्साहन रूप में उन्हें चेक स्कूल के प्राचार्य ने सौंपा।

निजी स्कूलों की मान्यता को लेकर शिक्षा मंत्री से मिला पासवा का प्रतिनिधिमंडल

RANCHI : झारखंड में संचालित निजी विद्यालयों की मान्यता को लेकर प्राइवेट स्कूल्स एंड चिल्ड्रेन वेलफेयर एसोसिएशन (पासवा) के प्रतिनिधिमंडल ने गुरुवार को शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन से उनके आवास पर मुलाकात की। एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष शमायल अहमद के मार्गदर्शन में यह प्रतिनिधिमंडल राज्यभर के निजी विद्यालयों की प्रमुख समस्याओं को लेकर एकजुट हुआ। प्रतिनिधिमंडल ने भूमि बाध्यता को सबसे बड़ी अड़चन बताया और शिक्षा मंत्री को एक ज्ञापन सौंपा। जिसमें आरटीई 2019 संशोधन को निरस्त कर आरटीई 2009 और 2011 के आधार पर मान्यता देने की मांग की गई। उन्होंने आग्रह किया कि यू-डाइस प्राप्त विद्यालयों को त्वरित मान्यता दी जाए और विद्यालयों को जमीन की शर्तों से छूट दी जाए।

बंद पड़ा है हॉस्पिटल, फिर भी भेज दिया 3.60 लाख का डिमांड नोट

PHOTON NEWS RANCHI : रांची नगर निगम ने पिछले दिनों जनता दरबार की शुरूआत की है। इसके तहत हर दिन निगम के अधिकारी सुबह से दोपहर तक राजधानी के लोगों की शिकायत सुन रहे है। लोग अपनी शिकायतें लेकर अधिकारियों के पास पहुंच रहे है। गुरुवार को एक अनोखा मामला सामने आया है, जहां एक डॉक्टर ने अपनी शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने बताया है कि एक तो निगम के कलेक्टरों ने गलत तरीके से डिमांड नोट जारी कर दिया। इतना ही नहीं उन्होंने वेस्ट यूजर चार्ज भी 10 हजार रुपये महीने के हिसाब से 3.60 लाख रुपये जमा करने का डिमांड नोट दिया है। साथ ही शिकायत में यह भी कहा गया है कि पिछले कई महीनों से हॉस्पिटल बंद पड़ा है। उस अवधि का भी यूजर चार्ज मांगा जा रहा है। डिमांड नोट में यह भी कहा गया है कि वहां पर 20-50 बेड का अस्पताल चल रहा है। लेकिन उस जगह पर आजतक केवल मरीजों का इलाज किया जा रहा था। वहां कभी हॉस्पिटल शुरू ही नहीं हुआ है। ट्रेड लाइसेंस में भी इसका जिक्र कहीं नहीं है। ऐसे में डॉक्टर ने सुधार करते हुए पूर्व निर्धारित रेट के हिसाब से डिमांड नोट देने की गुहार लगाई है।

शिकायत दर्ज कराते डॉ. ओम प्रकाश रवानी व अन्य ● फोटोन न्यूज

क्या है पूरा मामला

रांची नगर निगम द्वारा एक बंद अस्पताल के नाम पर भारी-भरकम टैक्स डिमांड जारी किए जाने पर संचालक डॉ ओम प्रकाश रवानी ने कड़ी आपत्ति जताई है। उन्होंने बताया कि एम देवी हॉस्पिटल जो सितम्बर 2021 से संचालित था, विगत दस माह से पूर्ण रूप से बंद है। बावजूद इसके नगर निगम द्वारा 4 मार्च 2025 को 3.60 लाख रुपये की टैक्स डिमांड भेजी गई है। उन्होंने स्पष्ट किया कि अस्पताल के संचालन के दौरान वह सितंबर 2021 से मार्च 2022 तक का यूजर टैक्स नियमित रूप से देते रहे हैं। उन्होंने कहा कि पूर्व निर्धारित 400 रुपये प्रतिमाह की दर को बिना किसी आधिकारिक सूचना के अचानक 10,000 रुपये प्रति माह कर देना अनुचित है, जबकि उनके अस्पताल में 20-50 बेड की कोई व्यवस्था ही नहीं थी। उन्होंने निगम से मांग की है कि डिमांड को वास्तविक स्थिति के अनुरूप संशोधित कर 400 रुपये प्रतिमाह किया जाए और भविष्य में उनके नाम से कोई डिमांड न निकाला जाए, क्योंकि अस्पताल अब संचालित नहीं है।

मुख्य सचिव अलका तिवारी ने अधिकारियों के साथ की उच्च स्तरीय मीटिंग

स्टेट लेवल से कन्वर्जेंस और गांव स्तर से गैप की पहचान पर सीएस ने दिया जोर

- धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत 49.76 जनजातीय परिवारों के समग्र विकास को कार्रवाई में लाई जाएगी तेजी
- प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाअभियान के तहत कुल 24,104 करोड़ रुपये से आदिम जनजातीय परिवारों के सामाजिक और आर्थिक स्थिति में लाया जाएगा सुधार

PHOTON NEWS RANCHI : गुरुवार को मुख्य सचिव अलका तिवारी की अध्यक्षता में धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान और प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाअभियान की स्टेट लेवल एपेक्स कमेटी की बैठक प्रोजेक्ट भवन स्थित मुख्य सचिव सभागार में हुई। इसमें बताया गया कि जनजाति परिवारों और जनजातीय बहुल गांवों को बुनियादी सुविधाओं से पूर्ण कर उनके सामाजिक-आर्थिक स्थिति में सुधार लाने के उद्देश्य से धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान की शुरूआत की गई है। इसके तहत झारखंड के 7139 गांवों के लगभग 49.76 जनजातीय परिवारों के समग्र विकास हेतु कार्ययोजना बनाकर कार्रवाई की जा रही है। मुख्य सचिव द्वारा बैठक में केंद्र और राज्य स्तर पर कन्वर्जेंस एवं परिवार या गांव स्तर पर गैप की पहचान तथा संबंधित मंत्रालय से बजटीय आवंटन की प्राप्ति में तेजी लाने पर बल दिया गया। जिससे कि लक्ष्य की प्राप्ति निर्धारित समय-सीमा के अंदर सुनिश्चित की जा सके।

विभागवार योजना की गहन समीक्षा : प्रशासी विभाग द्वारा सभी विभागों के लिए एक गाइडलाइन बनाने के परिप्रेक्ष्य में भी कार्रवाई किया जाना अपेक्षित होगा। विभागीय पदाधिकारी को छत्तीसगढ़, ओडिशा आदि राज्यों से संपर्क कर तत्संबंधी कार्रवाई करने का निदेश दिया गया। बैठक में विभागवार योजना की गहन समीक्षा की गई। जिसमें संबंधित विभाग द्वारा योजना की स्वीकृति/भौतिक उपलब्धि के परिप्रेक्ष्य में की गई कार्रवाई से अवगत कराया गया। मुख्य सचिव द्वारा प्रशासी विभाग को निर्देश दिया गया कि वे अपने स्तर से भारत सरकार से प्राप्त निदेशों के आलोक में सभी विभागों

स्टेट लेवल एपेक्स कमेटी की बैठक में मुख्य सचिव अलका तिवारी व अन्य ● फोटोन न्यूज

योजना के लिए बजट का प्रावधान

प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाअभियान के लिए वित्तीय वर्ष 2023-24 से आगामी 3 वर्षों के लिए कुल 24,104 करोड़ रुपये का बजटीय प्रावधान किया गया है, जिसमें केन्द्रांश 15,336 करोड़ रुपये एवं राज्यांश 8,768 करोड़ रुपये है। मुख्य सचिव द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण), प्रधानमंत्री ग्राम्य सड़क योजना, जल जीवन मिशन, मेडिकल मोबाईल यूनिट, विद्युत ग्रिड, आंगनबाड़ी केन्द्रों, वन धन विकास केन्द्र इत्यादि की प्रगति की समीक्षा करते हुए निर्देश दिया गया कि तत्संबंधी प्रगति प्रतिवेदन व आवंटन आदि के संबंध में सभी विभाग भारत सरकार से पत्राचार कर योजना के कार्यान्वयन में तेजी लाना सुनिश्चित करें।

इनकी रही मौजूदगी

बैठक में मस्तराम मीणा, प्रधान सचिव, पेयजल एवं स्वच्छता विभागीय कृपानंद झा, सचिव, अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति, अल्पसंख्यक एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग के मनोज कुमार, ए सिद्दिकी, उमाशंकर सिंह, सचिव, जितेन्द्र सिंह, अबू इमरान समेत अन्य अधिकारी मौजूद थे।

रांची के बुढ़मू में जमीन विवाद के बाद बुजुर्ग की हुई मौत, सड़क जाम

PHOTON NEWS RANCHI : गुरुवार को बुढ़मू थाना क्षेत्र में जमीन विवाद के चलते एक बुजुर्ग की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतक की पहचान 70 वर्षीय अफजल अंसारी के रूप में हुई है। घटना के बाद ग्रामीणों में आक्रोश फूट पड़ा। आक्रोशित ग्रामीणों ने तीन घंटे तक मुख्य सड़क को जाम कर प्रदर्शन किया।

जानकारी के अनुसार, अफजल अंसारी का पड़ोसी संजय के साथ जमीन को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा था। गुरुवार को इसी विवाद को लेकर दोनों पक्षों में कहासुनी हुई, जो देखते ही देखते झड़प में बदल गई। आरोप है कि इसी दौरान संजय ने अफजल को मुक्का मार दिया, जिससे वह जमीन पर गिर पड़े और मौके पर ही उनकी मौत हो गई। हालांकि, कुछ ग्रामीणों का कहना है कि अफजल हार्ट पेसेंट है। गिरने के बाद हार्ट अटैक से अफजल की मौत हुई है। फिलहाल मौत के कारणों का खुलासा नहीं हो पाया है।

पोस्टमार्टम के बाद होगा पूरे मामले का खुलासा

घटना के बाद स्थानीय लोगों ने तत्काल पुलिस को सूचना इसकी दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने संजय को हिरासत में ले लिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही यह स्पष्ट हो पाएगा कि मौत की वजह दिल का दौरा था या मारपीट के कारण हुई। इस घटना से क्षेत्र में गहरा आक्रोश है। परिजनों और ग्रामीणों ने मृतक को न्याय दिलाने की मांग की है। पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

हाथियों ने बेड़ो के कटरमाली गांव में मचाया उत्पात, लोगों में दहशत

PHOTON NEWS RANCHI : बेड़ो की जरिया पंचायत के अंतर्गत कटरमाली गांव में बुधवार की रात जंगली हाथियों ने ऐसा उत्पात मचाया कि पूरे गांव में दहशत का माहौल फैल गया। रात करीब 11 बजे जतरू उरांव के घर में दो जंगली हाथी अचानक घुस आए। सबसे पहले उन्होंने घर का मुख्य गेट तोड़ा, फिर सीधे आंगन से होते हुए रसोई घर तक पहुंच गए, जहां रखे हुए धान के 8 बोरे उठा ले गए। हाथियों ने किचन रूम को पूरी तरह तहस-नहस कर दिया और घर के चारों ओर बनी बाउंड्री वॉल को भी तोड़ डाला। यह पूरी घटना कुछ ही मिनटों में घटित हुई, लेकिन, इसके बाद जतरू उरांव का जीवन जैसे थम गया हो। इस हमले में उन्हें न केवल आर्थिक रूप से बड़ा नुकसान हुआ है, बल्कि मानसिक रूप से भी गहरा आघात पहुंचा है।

परिवार अब इतना डरा हुआ है कि रात में सोने तक से घबरा रहा है। घटना की जानकारी मिलते ही मुखिया कुंवारी खलखो तुरंत घटनास्थल पर पहुंचीं और पीड़ित परिवार से मुलाकात कर उन्हें सांत्वना दी। उन्होंने कहा,यह घटना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। जतरू उरांव और उनका परिवार अकेला नहीं है। हम पंचायत और प्रशासनिक स्तर पर हर संभव प्रयास करेंगे कि उन्हें शीघ्र मुआवजा मिले। मैं स्वयं बीडीओ और वन विभाग के अधिकारियों से मिलकर पीड़ित को राहत दिलाने की पहल करूंगी।

रंगदारी और फायरिंग मामले में गिरफ्तार बिट्टू मिश्रा को नहीं मिली जमानत

RANCHI : न्यायिक दंडाधिकारी मयंक मलियाज की अदालत ने रंगदारी और फायरिंग मामले में गिरफ्तार अपराधी राजीव कुमार मिश्रा उर्फ बिट्टू मिश्रा को जमानत देने से इनकार कर दिया है। उसकी ओर से दाखिल जमानत याचिका पर सुनवाई के बाद अदालत ने गुरुवार को खारिज कर दी है। आरोपित को पुंदाग पुलिस ने 28 अप्रैल को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। तब से वह जेल में है। उस पर पुंदाग ओपी क्षेत्र के शालीमार बाग निवासी व्यवसायी सुभाष गुप्ता से संगठन के नाम पर 25 लाख रंगदारी मांगने और रंगदारी नहीं देने पर घर पर फायरिंग करने का आरोप है। इस घटना को लेकर सुभाष गुप्ता ने जगरन्नाथपुर (पुंदाग) थाना में कांड संख्या 173/2025 के तहत प्राथमिकी दर्ज कराई है।

बिना इजाजत धरना-प्रदर्शन पर रोक, छह इलाकों में 60 दिन तक धारा 163 लागू

PHOTON NEWS RANCHI : रांची में अब बिना इजाजत धरना, प्रदर्शन या रैली नहीं की जा सकेगी। प्रशासन ने 60 दिनों के लिए शहर के कुछ महत्वपूर्ण इलाकों में निषेधाज्ञा (धारा 163) लागू कर दी है। इन जगहों पर 4 जुलाई या अगले आदेश तक बिना अनुमति कोई भी जमा नहीं हो सकता और ना ही कोई जुलूस या सभा कर सकता है। हालांकि, सरकारी कर्मचारी, न्यायालय से जुड़े काम और धार्मिक एवं अंतिम संस्कार जैसे कार्यक्रम इससे बाहर रखे गये हैं। इस संबंध में गुरुवार को एसडीओ ने आदेश जारी किया है। प्रशासन ने कहा कि हाल के दिनों में ऐसी खबरें मिली कि कई संगठन जुलूस और धरना के लिए तय जगह जाकिर हुसैन पार्क की बजाय राजभवन, मुख्यमंत्री आवास और अन्य संवेदनशील जगहों पर जुट रहे हैं। इससे सरकारी काम में रुकावट, यातायात की परेशानी और कानून व्यवस्था बिगड़ने का खतरा बढ़ गया था। ऐसे में प्रशासन ने कुछ इलाकों में धारा 163 लागू कर दी है।

इन गतिविधियों की मनाही

- बिना प्रशासन की इजाजत धरना, प्रदर्शन, जुलूस और आमसभा नहीं कर सकते।
- कोई भी हथियार जैसे- बंदूक, लाठी, तीर-धनुष लेकर नहीं चल सकते।
- बिना अनुमति लाउडस्पीकर या ध्वनि यंत्रों के इस्तेमाल की मनाही।

इन जगहों पर लागू होगा नियम

- मुख्यमंत्री आवास के 100 मीटर के दायरे में
- राजभवन के 100 मीटर के अंदर (जाकिर हुसैन पार्क को छोड़कर)
- झारखंड हाईकोर्ट के 100 मीटर के दायरे में
- नई विधानसभा के 500 मीटर के अंदर
- प्रोजेक्ट भवन और नेपाल हाउस के 100 मीटर के भीतर
- एचईसी, धुर्वा स्थित प्रोजेक्ट भवन के 200 मीटर के दायरे में

झामुमो का राज्यव्यापी विरोध प्रदर्शन स्थगित

RANCHI : झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) ने सरना आदिवासी धर्मकोड को जनगणना कॉलम में शामिल कराने की मांग को लेकर नौ मई को प्रस्तावित राज्यव्यापी विरोध प्रदर्शन को स्थगित कर दिया है। झामुमो के महासचिव सह प्रवक्ता विनोद कुमार पांडेय ने गुरुवार को कैंप कार्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता में यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि देश की सीमाओं पर उत्पन्न स्थिति को देखते हुए पार्टी ने यह निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि वीर भूमि झारखंड अपनी पूरी ताकत के साथ देश के बहादुर जवानों के साथ खड़ा है। सीमा पार से संचालित आतंकवाद को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। उल्लेखनीय है कि झामुमो ने ऐलान किया था कि जब तक सरना आदिवासी धर्मकोड को लागू नहीं किया जाएगा, तब तक झारखंड में जनगणना की इजाजत नहीं दी जाएगी।

मदद के रूप में हेमंत सरकार चला रही योजना, हर माह 2500 रुपये भी मिलेंगे

युवाओं को फ्री में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी का मिलेगा मौका

PHOTON NEWS RANCHI : राज्य सरकार युवाओं को शिक्षित करने और रोजगार के प्रति प्रेरित करने के लिए कई लाभकारी योजनाएं चलाती है। सरकार की इन्हीं योजनाओं में शामिल है, 'एकलव्य प्रशिक्षण योजना'। इस योजना के तहत सरकार ऐसे छात्रों को फ्री कोचिंग की सुविधा देगी, जो यूपीएससी, जेपीएससी, एसएससी, रेलवे भर्ती और बैंकिंग की परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं। इसके साथ ही स्टूडेंट्स को प्रति माह 2500 रुपए का स्टाइपेंड भी मिलेगा। 'एकलव्य प्रशिक्षण योजना', झारखंड सरकार के उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग के उच्च शिक्षा निदेशालय द्वारा शुरू की गई है। इसका उद्देश्य बच्चों को मुफ्त कोचिंग और पढ़ाई के लिये वित्तीय सहायता देना है।

कौन रखते हैं योग्यता

'एकलव्य प्रशिक्षण योजना' के लिए आवेदन करने वाले स्टूडेंट्स झारखंड के रहने वाले होने चाहिये। आवेदकों के पास स्थानीय निवास प्रमाण पत्र होना आवश्यक है या फिर वह किसी मान्यता प्राप्त विद्यालय से 10वीं और 12वीं पास होना चाहिये। आवेदक को स्थानीय रीति-रिवाजों, भाषा और संस्कृति का ज्ञान होना चाहिए। योजना का लाभ लेने वाले आवेदकों के परिवार की सालाना आया 8 लाख रुपए से कम होनी चाहिये। इसके अलावा आवेदकों को उस परीक्षा की पात्रता मापदंड को पूरा करना होगा, जिसके लिये वे योजना का लाभ लेना चाहते हैं। कोई भी आवेदक केवल एक बार योजना का लाभ ले सकता है। ऐसे लोग जो पहले से सरकार की किसी दूसरी योजना का लाभ ले रहे हैं, वो इस योजना के लिये पात्र नहीं होंगे।

इस प्रकार करें अप्लाई

एकलव्य प्रशिक्षण योजना के लिये आवेदन करने के लिये कुछ महत्वपूर्ण दस्तावेजों की जरूरत होगी। इन दस्तावेजों में आवेदक की रंगीन तस्वीर, हस्ताक्षर, आधार कार्ड, 10वीं का सर्टिफिकेट और मार्कशीट, 12वीं का प्रमाण पत्र, राशन कार्ड, जाति प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र और निवास प्रमाण पत्र शामिल हैं।

कैसे करें आवेदन

पहला चरण: सबसे पहले आवेदक एकलव्य प्रशिक्षण योजना की आधिकारिक वेबसाइट पर जाएं और 'पंजीकरण' पर क्लिक करें।
दूसरा चरण: अपने आवश्यक विवरण जैसे नाम, मोबाइल नंबर, ईमेल आईडी भरकर प्रक्रिया को पूरी करें।
तीसरा चरण: इसके बाद आवेदक के पंजीकृत मोबाइल नंबर पर एक वेरिफिकेशन मैसेज और ईमेल आईडी आयेगा।
चौथा चरण: आवेदन पत्र भरने के बाद आवश्यक दस्तावेज अपलोड करें।
पांचवां चरण: फिर आवेदन आईडी लेने के लिये सबमिट पर क्लिक करें।

बंद घर से 30 लाख के गहने उड़ा ले गए चोर

RANCHI : रांची के गोंदा थाना क्षेत्र के सीएमपीडीआई कॉलोनी में चोरी का मामला गुरुवार को प्रकाश में आया है। एक बंद घर का ताला तोड़कर चोर 30 लाख रुपये से ज्यादा के गहने और नकदी लेकर फरार हो गये। शिकायत मिलने के बाद पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। जानकारी के अनुसार सीएमपीडीआई कॉलोनी स्थित सीएमपीडीआई के एचआरडी डिपार्टमेंट में कार्यरत रानी कुमारी के घर में चोरी की यह वारदात हुई है। चोरों ने घर से 30 लाख के गहने और 75 हजार रुपये नगद चोरी कर ली है। चोरी की घटना को उस समय अंजाम दिया गया, जब पूरा परिवार शादी समारोह में शामिल होने के लिए गिरिडीह गया हुआ था।

श्री श्याम मंदिर में मनाया गया मोहिनी एकादशी उत्सव, झूमे श्रद्धालु

PHOTON NEWS RANCHI : अग्रसेन पथ स्थित श्री श्याम मंदिर में गुरुवार को मोहिनी एकादशी उत्सव बड़े ही श्रद्धा एवं उल्लास के साथ मनाया गया। पूरे मंदिर परिसर को भव्य रूप से सजाया गया था। इस दौरान मंदिर भक्तिमय भजनों से गूंज उठा। सुबह श्री श्याम प्रभु को नवीन वस्त्र पहनाकर स्वर्ण आभूषणों से अलंकृत किया गया। रजनीगंधा, गुलाब, बेला, गेंदा और तुलसी दल की मालाओं से प्रभु का विशेष श्रृंगार किया गया। मंदिर में विराजमान शिव परिवार एवं बजरंगबली का भी आकर्षक श्रृंगार हुआ। रात में श्याम प्रभु के जयकारों के साथ पावन ज्योत प्रज्वलित की गई। भजन संध्या में मधुर भजनों पर भक्तगण झूमते रहे। इसके बाद प्रभु को मिष्ठान,

फल, मेवा व केसरिया दूध का भोग अर्पित किया गया। महाआरती के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। जिसके बाद सभी भक्तों में प्रसाद वितरित किया गया। इस आयोजन में गोपी किशन ढांढनियां, ओम जोशी, रमेश सारस्वत सहित कई भक्तों का विशेष सहयोग रहा। ये जानकारी मीडिया प्रभारी सुमित पोद्दार ने दी।

Daily
THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
द फोटोन न्यूज Published from Ranchi

Ranchi ● Friday, 09 May 2025 ● Year : 03 ● Issue : 113 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : ₹3 ● www.thephotonnews.com

E-Paper : epaper.thephotonnews.com

सुविचार

निर्लज्ज हारकर भी नहीं
हारता, मरकर भी नहीं मरता।
-जयशंकर प्रसाद

Wamiqa Gabbi
Channels Her...

SHARE

सेंसेक्स	:	80,334.81
निफ्टी	:	24,273.80

SARAFA

सोना	:	9,305
चांदी	:	110.0

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

झारखंड के नौ जिलों में कल से लू चलने की चेतावनी

RANCHI : झारखंड के नौ जिलों में 10 मई से लू चलने की चेतावनी जारी की गई है। मौसम विभाग ने इसे लेकर गुरुवार को येलो अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग ने जिन जिलों के लिए अलर्ट जारी किया गया है उनमें 10 मई को डंक, पाकुड़, गोड्डा और 11 मई से राज्य के देवघर,जामताड़ा, पाकुड़, दुमका, गोड्डा और साहिबगंज में लू चलने को लेकर अलर्ट जारी किया गया है। उल्लेखनीय है कि पूर्व में मौसम विभाग ने आठ मई के बाद भीष्म गर्मी पड़ने की जानकारी दी गयी थी। वहीं गुरुवार को रांची और आसपास के इलाकों में मौसम साफ रहा। दोपहर में भारी गर्मी का एहसास हुआ।

धर्मशाला की बजाय अब 11 मई को अहमदाबाद में होगा आईपीएल मैच

NEW DELHI : पाकिस्तान में आतंकवादी ठिकानों पर सैन्य कार्रवाई के कारण धर्मशाला हवाई अड्डा बंद होने की वजह से पंजाब किंग्स और मुंबई इंडियंस के बीच 11 मई को वहां होने वाला आईपीएल मैच अब अहमदाबाद में कराया जाएगा। गुजरात क्रिकेट संघ के सचिव अनिल पटेल ने इसकी पुष्टि की।मैच दोपहर में होगा। पटेल ने कहा, बीसीसीआई ने हमने अनुरोध किया था जो हमने स्वीकार कर लिया। मुंबई की टीम आज शाम यहां पहुंच रही है और पंजाब की यात्रा के कार्यक्रम के बारे में बाद में पता चलेगा। पंजाब किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स का मैच धर्मशाला में बृहस्पतिवार को होना है।

मॉस्को में विजय दिवस परेड आज, 29 देशों के राष्ट्राध्यक्ष होंगे शामिल

MOSCOW : द्वितीय विश्वयुद्ध में जर्मनी पर सोवियत संघ की जीत का जश्न मनाने के लिए समूचा रूस तैयार है। इस विजय दिवस की 80वीं वर्षगांठ पर नौ मई को मॉस्को के रेड स्क्वायर में होने वाली विक्ट्री परेड में 29 देशों के राष्ट्राध्यक्ष हिस्सा लेंगे। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग परेड के मुख्य अतिथि होंगे। राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के आमंत्रण पर शी क्रेमलिन पहुंच चुके हैं। रूस की समाचार एजेंसी तास के अनुसार रूस और चीन के राष्ट्राध्यक्षों की आमने-सामने की मुलाकात होगी। इसके बाद दोनों देशों के प्रतिनिधिमंडलों के बीच विस्तृत बातचीत होने की उम्मीद है। क्रेमलिन प्रेस सेवा के अनुसार राष्ट्राध्यक्ष यूक्रेन संघर्ष और रूस-अमेरिका संबंधों सहित अन्य महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा करेंगे।

सरकारी कर्मियों के महंगाई भत्ते में हुई दो प्रतिशत की बढ़ोतरी, अब मिलेगा 55% डीए

- झारखंड कैबिनेट की बैठक में 34 प्रस्तावों को मिली मंजूरी
- डीएसपीएमयू का नाम बदलकर वीर बुधु भगत के नाम पर रखने की मंजूरी

PHOTON NEWS RANCHI : गुरुवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में झारखंड मंत्रालय में कैबिनेट की अहम बैठक हुई। इसमें कुल 34 प्रस्तावों पर मुहर लगी। कैबिनेट के महत्वपूर्ण निर्णयों में महंगाई भत्ता की दरों में दो प्रतिशत की बढ़ोतरी को मंजूरी दी गई है, जिससे अब सरकारी कर्मियों को 55% महंगाई भत्ता मिलेगा।

7 नए वन स्टॉप सेंटर : महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा को लेकर भी एक बड़ा कदम उठाया गया है। राज्य में 7 नए वन स्टॉप सेंटर खोले जाएंगे, जिनमें से दो रांची में स्थापित किए जाएंगे। ये सेंटर हिंसा की शिकार महिलाओं को तत्काल सहायता प्रदान करेंगे। इसके अलावा प्रधानमंत्री जनमन योजना के तहत राज्य में 275 नए आंगनबाड़ी केंद्रों के भवन निर्माण की स्वीकृति दी गई है, जिससे दूरदराज के जनजातीय क्षेत्रों में पोषण और शिक्षा को बढ़ावा मिलेगा।

ग्रामीण क्षेत्रों में हर घर पहुंचेगा जल : ग्रामीण पेयजल योजना 2025 को मंजूरी दी गई है, जिसके अंतर्गत हर घर जल योजना को और सुदृढ़ किया जाएगा। इसके माध्यम से झारखंड के ग्रामीण क्षेत्रों में शुद्ध पेयजल की आपूर्ति सुनिश्चित की जाएगी। झारखंड फार्मासिस्ट संवर्ग नियमावली 2025 के गठन को मंजूरी दी गई, जो राज्य में फार्मासिस्टों की सेवा और नियुक्ति को सुव्यवस्थित करेगी। साथ ही, राज्य के सरकारी विद्यालयों के शिक्षकों और प्रधानाध्यापकों की स्थानांतरण नीति में संशोधन की स्वीकृति भी दी गई है, जिससे शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ेगी।

168 नए शैक्षणिक पद होंगे सृजित

डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय का नाम बदलकर अब वीर बुधु भगत विश्वविद्यालय कर दिया गया है। यह नाम परिवर्तन राज्य की जनजातीय पहचान को सम्मान देने के उद्देश्य से किया गया है। राज्य के छह मेडिकल कॉलेजों झ धनबाद, जमशेदपुर, हजारीबाग, दुमका, पलामू और एमजीएम जमशेदपुर में सुपर स्पेशियलिटी सेवाएं शुरू करने की स्वीकृति दी गई है। इसके तहत 168 नए शैक्षणिक पद सृजित किए जाएंगे, जिससे इन कॉलेजों की चिकित्सा सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार होगा।

कुख्यात की गिरफ्तारी पर 30 लाख तक पुरस्कार

राज्य में कुख्यात अपराधियों और उग्रवादियों की गिरफ्तारी के लिए 2 लाख से 30 लाख तक का पुरस्कार देने का प्रावधान भी इस बैठक में स्वीकृत किया गया है।

बालू बंदोबस्ती प्रक्रिया में बदलाव

बालू बंदोबस्ती की प्रक्रिया में भी बड़ा बदलाव किया गया है। अब यह कार्य जिला प्रशासन के माध्यम से किया जाएगा, जबकि पहले यह कार्य जेएसएमडीसीएल द्वारा किया जाता था। झारखंड पुलिस सेवा नियमावली 2012 में संशोधन को घटनोत्तर स्वीकृति दी गई है। साथ ही पुलिस विभाग में जलवाहक, मैकेनिक, बढ़ई जैसे पदों पर कार्यरत कर्मियों को हवलदार पद पर पदोन्नति दिए जाने का निर्णय लिया गया है।

राजधानी रांची और बंगाल की 9 जगहों पर कार्रवाई, कोलकाता में दर्ज हुआ था मामला

जीएसटी घोटाला में ईडी की टीम ने मारी ताबड़तोड़ रेड

- रांची से कारोबारी विवेक नरसरिया को जीएसटी फ्रॉड केस में किया गया गिरफ्तार
- रेड के दौरान करोड़ों रुपये के फर्जी दस्तावेज बरामद, जांच कर रही जांच एजेंसी
- कई कंपनियों के फर्जी रजिस्ट्रेशन, जाली बिल और जीएसटी से संबंधित बड़ी संख्या में मिले सबूत
- रांची में तीन, जमशेदपुर में एक व कोलकाता में पांच ठिकानों पर की गई छापेमारी
- जमशेदपुर में कारोबारी सगे भाई अमित और सुमित गुप्ता से जुड़े विक्की भालोटिया के घर पर मारा गया छापा
- शिवकुमार देवरा, सुमित गुप्ता और अमित गुप्ता भी छापेमारी के दायरे में शामिल
- जीएसटी विभाग ने पहले भी अमित, सुमित और शिव को किया था अरेस्ट
- जीएसटी घोटाले में शिव कुमार दिवरा, सुमित गुप्ता और अमित गुप्ता प्रमुख आरोपी
- तीनों पर 14,325 करोड़ रुपये के फर्जी जीएसटी बिल बनाकर करीब 800 करोड़ रुपये की टैक्स चोरी का आरोप

PHOTON NEWS RANCHI : गुरुवार की सुबह झारखंड और पश्चिम बंगाल में में प्रवर्तन निदेशालय की टीम ने एक बार फिर दबिश दी है। टीम रांची के कांके रोड, बोकारो के अलावा बंगाल के कुल 9 जगहों पर छापा मारा। छापामारी के दायरे में शामिल तीन ठिकानें रांची में, एक जमशेदपुर में और पांच कोलकाता में रही। राजधानी रांची के ईशान अपार्टमेंट के दूसरे तल्ले में टीम दो गाड़ियों में पहुंची। यहां रहने वाले विवेक नारसरिया नाम के व्यक्ति के यहां टीम जांच की गई। ईडी ने शिवकुमार देवरा, सुमित गुप्ता और अमित गुप्ता को भी छापेमारी के दायरे शामिल किया है। बताया जा रहा है कि विवेक कई तरह के व्यवसाय से जुड़े हुए हैं।

छापेमारी के दौरान ईडी ने कई दस्तापेज जब्त किए हैं। ईडी अधिकारियों की टीमें अभी भी इन दस्तावेजों की जांच में जुटी हैं। वहीं ईडी ने कार्रवाई करते हुए रांची से कारोबारी विवेक नरसरिया को जीएसटी फ्रॉड केस में गिरफ्तार किया है। इस दौरान ईडी की दूसरी टीम कोलकाता पहुंची और वहां के कारोबारी शिव देवड़ा और जमशेदपुर में एक टीम ने कारोबारी सगे भाई अमित और सुमित गुप्ता से जुड़े विक्की भालोटिया के घर पर छापा मारा है। जीएसटी विभाग ने पहले भी अमित, सुमित और शिव को गिरफ्तार किया था।

800 करोड़ रुपये के टैक्स की चोरी : जानकारी के अनुसार, ईडी को रेड के दौरान करोड़ों रुपए के फर्जी दस्तावेज बरामद हुए हैं। इस जीएसटी घोटाले में शिव कुमार दिवरा, सुमित गुप्ता और अमित गुप्ता प्रमुख आरोपी हैं। इन तीनों पर 14,325 करोड़ रुपए के फर्जी जीएसटी बिल बनाकर करीब 800 करोड़ रुपये की टैक्स चोरी का आरोप है। ईडी को शक है कि इस घोटाले के तार हवाला और शेल कंपनियों के जरिए मनी लॉन्ड्रिंग से भी जुड़े हुए हैं। छापेमारी के दौरान ईडी को कई कंपनियों के फर्जी रजिस्ट्रेशन, जाली बिल और जीएसटी से संबंधित बड़ी संख्या में दस्तावेज मिले हैं। सूत्रों के अनुसार, जिन फर्मों के नाम पर टैक्स रिटर्न फाइल किए गए हैं, उनमें से कई कागजों पर ही चल रही थीं और उनका कोई वास्तविक कारोबार नहीं था।

कोलकाता में दर्ज था ईसीआर

जीएसटी घोटाले से जुड़े जिस मामले को लेकर ईडी जांच कर रही है, उसका कोलकाता में दर्ज कराया गया था। पूर्व की जांच में जमशेदपुर के बबलू जायसवाल और विक्की भालोटिया का नाम भी पहले सामने आ चुका है, जिन पर इस घोटाले में शामिल होने का आरोप है। कुछ दिन पहले अमित गुप्ता, सुमित गुप्ता और शिवकुमार देवड़ा को जमशेदपुर की अदालत में भी पेश किया गया था। यह कार्रवाई गुरुवार को शुरू हुई और जांच अभी जारी रही।

झारखंड और पश्चिम बंगाल के हैं मास्टरमाइंड

बताया जा रहा है कि जीएसटी घोटाले का मास्टर माइंड झारखंड और पश्चिम बंगाल का है। घोटाले में शामिल व्यापारियों ने फर्जी दस्तावेज के आधार पर व्यापारिक प्रतिष्ठान बनाया। इसके बाद आईटीसी का अनुचित लाभ लिया और अपने-अपने फर्जी प्रतिष्ठानों को बंद कर दिया। झारखंड ईडी की ओर से जीएसटी घोटाले को पीएमएलए के दायरे में लाकर छापा मारने की यह पहली घटना है।

उत्तराखंड के उत्तरकाशी में हेलीकॉप्टर के दुर्घटनाग्रस्त होने से छह लोगों की मौत

यमुनोत्री दर्शन के बाद श्रद्धालुओं को गंगोत्री धाम लेकर जा रहा था हेलीकॉप्टर

UTTAR KASHI @ PTI : गुरुवार को उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले में गंगनानी के समीप एक निजी कंपनी के हेलीकॉप्टर के दुर्घटनाग्रस्त होने से पांच श्रद्धालुओं समेत छह लोगों की मौत हो गई और एक अन्य श्रद्धालु गंभीर रूप से घायल है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने हादसे पर शोक व्यक्त किया है। इस हादसे की जांच विमान दुर्घटना अन्वेषण ब्यूरो (एएआईबी) करेगा। अधिकारियों ने बताया कि हादसा सुबह आठ बजकर 11 मिनट पर ऋषिकेश-गंगोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग के पास हुआ। उन्होंने बताया कि हेलीकॉप्टर में पायलट समेत सात लोग सवार थे। राज्य आपदा प्रतिवादन बल (एसडीआरएफ) के अनुसार एयरोट्रांस सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड का हेलीकॉप्टर यमुनोत्री दर्शन के बाद श्रद्धालुओं को गंगोत्री धाम लेकर जा रहा था जहां उसे हर्षिल हेलीपैड पर उतरना था। एसडीआरएफ के अनुसार हेलीकॉप्टर 200-250 मीटर गहरी खाई में गिरकर दुर्घटनाग्रस्त हो गया जिससे पांच श्रद्धालुओं समेत छह लोगों की मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही जिला प्रशासन, पुलिस तथा एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंचीं और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। अधिकारियों ने बताया कि मृतकों की पहचान गुजरात के वडोदरा निवासी पायलट रॉबिन सिंह (60), मुंबई की पवई की निवासी विजयलक्ष्मी रेड्डी (57), रुचि अग्रवाल (56), कला चंद्रकांत सोनी (61), उत्तर प्रदेश के बरेली की निवासी राधा अग्रवाल (79) और आंध्र प्रदेश के अनंतपुर की निवासी वेदांती देवी (48) के रूप में हुई है।

सोनिया गांधी व राहुल गांधी के खिलाफ नेशनल हेराल्ड मामले में सुनवाई स्थगित

AGENCY NEW DELHI : दिल्ली की एक अदालत ने बृहस्पतिवार को नेशनल हेराल्ड धनशोधन मामले की सुनवाई स्थगित करते हुए इसके लिए 21 और 22 मई की नयी तारीख निर्धारित की है। अदालत ने दो मई को इस मामले में कांग्रेस नेताओं सोनिया गांधी और राहुल गांधी को नोटिस जारी किया था। विशेष न्यायाधीश विशाल गोगने ने प्रवर्तन निदेशालय की दलीलें सुनने के बाद कहा कि चूंकि सह-आरोपी सैम पित्रोदा को बृहस्पतिवार को ईमेल के जरिए

नोटिस भेजा गया, इसलिए अगली तारीख पर आरोपपत्र के संज्ञान पर दलीलें सुनना उचित होगा।

जब मामले के शिकायतकर्ता और भाजपा नेता सुब्रमण्यम स्वामी ने ईडी के आरोपपत्र की प्रति मांगी तो अदालत ने पहले ईडी का पक्ष सुनने का भी फैसला किया

अदालत ने गत शुक्रवार को इस मामले में सोनिया गांधी और राहुल गांधी को नोटिस जारी किया था। इसने कांग्रेस नेता पित्रोदा और सुमन दुबे, तथा यंग इंडियन डोटेक्स मर्चेंडाइज प्राइवेट लिमिटेड और सुनील भंडारी को भी नोटिस जारी किया था। न्यायाधीश ने कहा कि आरोपपत्र पर संज्ञान लेने के समय सोनिया गांधी और राहुल गांधी को अपना पक्ष रखने का अधिकार है।

केंद्र न्यायाधीशों की नियुक्ति के लिए नामों को शीघ्रता के साथ दे मंजूरी : सुप्रीम कोर्ट

AGENCY NEWS DELHI : गुरुवार को भारत के उच्च न्यायालयों में सात लाख आपराधिक अपीलों के लंबित होने का उल्लेख करते हुए उच्चतम न्यायालय ने केंद्र से न्यायाधीशों की नियुक्ति के लिए नामों को शीघ्रता से मंजूरी देने के लिए कहा। न्यायमूर्ति अभय एस ओका और न्यायमूर्ति उज्जवल भुइयां की पीठ ने कहा कि लंबित आपराधिक अपीलों की अधिकतम संख्या वाले इलाहाबाद उच्च न्यायालय में न्यायाधीशों की स्वीकृत संख्या 160 है, लेकिन वर्तमान में केवल 79 न्यायाधीश ही कार्यरत हैं। पीठ ने कहा, यह एक ऐसा पहलू है, जहां केंद्र सरकार को कार्रवाई करने और यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता है कि कॉलेजियम की सिफारिशों को शीघ्रता से मंजूरी दी जाए। हमें उम्मीद और भरोसा है कि लंबित प्रस्तावों को केंद्र सरकार जल्द से जल्द मंजूरी दे देगी। इसी तरह बंबई उच्च न्यायालय में न्यायाधीशों की स्वीकृत संख्या 94 है, जबकि वहां केवल 66 न्यायाधीश कार्यरत हैं। कलकत्ता उच्च न्यायालय में न्यायाधीशों के स्वीकृत पदों की संख्या 72 है जबकि केवल 44 न्यायाधीश फिलहाल कार्यरत हैं।

इलाहाबाद हाईकोर्ट में न्यायाधीशों की स्वीकृत संख्या 160 है, वर्तमान में केवल 79 कार्यरत

उच्च न्यायालय में न्यायाधीशों की स्वीकृत संख्या 160 है, लेकिन

साल 2023 की 4 और 2024 की 13 सिफारिशें लंबित : पीठ ने कहा कि दिल्ली उच्च न्यायालय में वर्तमान में न्यायाधीशों की स्वीकृत संख्या 60 के मुकाबले 41 न्यायाधीश हैं। पीठ ने कहा, इनमें आपराधिक अपीलों का एक बड़ा हिस्सा लंबित है।

गंभीर चिंता अनपेक्षित मानव गतिविधियों ने पारिस्थितिकी तंत्र को किया डिस्टर्ब

कार्बन चक्र में असंतुलन की वजह से आगे और बेचैन करेगी गर्मी

PHOTON NEWS @ RESEARCH DESK : पूरी दुनिया में जलवायु परिवर्तन की वजह से पारिस्थितिकी तंत्र में असंतुलन का आना स्वाभाविक है। मौसम में समय पर बदलाव और उसकी गति से पूरा सिस्टम सुचारू रूप से चलता है। सामान्य से अधिक तापमान बढ़ने से गर्मी परेशान करने लगती है। हाल में हुए रिसर्च से यह महत्वपूर्ण जानकारी सामने आई है कि विगत कुछ वर्षों में मानवीय गतिविधियों के कारण कार्बन चक्र में असंतुलन की वजह से गर्मी में और अधिक इजाफा होगा। पहले की अपेक्षा गर्मी और अधिक बेचैन करेगी। विशेषज्ञों के अध्ययन में यह तथ्य सामने आया है कि पृथ्वी पर तापमान में बढ़ोतरी के पहले किए गए अनुमान वास्तविकता में कम पड़ सकते हैं, क्योंकि कार्बन चक्र की जटिल प्रक्रियाएं जैसे कि मीथेन उत्सर्जन से जलवायु परिवर्तन की गति और तेज हो सकती है। मतलब स्पष्ट है कि कार्बन चक्र में असंतुलन की वजह से वैश्विक गर्मी में भारी इजाफा हो सकता है। पॉट्सडैम इंस्टीट्यूट फॉर क्लाइमेट इंपैक्ट रिसर्च टीम की ओर से किए गए एक अध्ययन में यह खुलासा हुआ है।

पृथ्वी पर तापमान वृद्धि के पूर्व के सारे अनुमान और आकलन साबित हो रहे गलत

- मीथेन उत्सर्जन से भविष्य में जलवायु परिवर्तन की गति और हो सकती है तेज
- धरती की प्राकृतिक प्रणालियों को संतुलित बनाने में कार्बन चक्र की भूमिका अहम
- समुद्र, जमीन, विभिन्न प्रकार के पेड़-पौधों और जीवों के बीच घूमता है कार्बन
- पॉट्सडैम इंस्टीट्यूट फॉर क्लाइमेट इंपैक्ट रिसर्च टीम की खास स्टडी में हुआ खुलासा

औद्योगिक क्रांति के बाद कठिन हुई स्थिति

विशेषज्ञों ने बताया है कि पृथ्वी पर कई प्राकृतिक प्रणालियां मौजूद हैं, जो जीवन के संतुलन को बनाए रखती हैं। उनमें से एक सबसे महत्वपूर्ण प्रणाली है कार्बन चक्र। यानी यह प्रक्रिया उस मार्ग को दर्शाती है, जिससे कार्बन वातावरण, समुद्र, जमीन और जीवों के बीच घूमता है। इसमें वे स्रोत शामिल हैं, जो वातावरण में कार्बन छोड़ते हैं और वे स्थान (सिंक) भी, जो वातावरण से कार्बन को खींचते हैं। दुर्भाग्य से औद्योगिक क्रांति के बाद मानवीय गतिविधियों ने इस संतुलन को बिगाड़ दिया है। कार्बन चक्र अब अपनी प्राकृतिक गति से तालमेल नहीं बैठा पा रहा है।

छोटे-छोटे उत्सर्जन भी डाल रहे प्रभाव

शोधकर्ताओं ने अगले हजार वर्षों तक के पृथ्वी के जलवायु मॉडल को परखा और पाया कि इंसानी गतिविधियों से हुए छोटे-छोटे उत्सर्जन भी कार्बन चक्र की प्रतिक्रियाओं के तहत बड़ी गर्मी पैदा कर सकते हैं। इसका मतलब यह है कि भविष्य में जलवायु और भी अस्थिर हो सकती है, जिससे तापमान वृद्धि की संभावनाएं बढ़ जाती हैं।

शीघ्र कारगर कदम उठाने की है जरूरत

विशेष अध्ययन में में यह भी बताया गया है कि जैसे-जैसे पृथ्वी प्रणाली लचीलापन खोती जा रही है, जलवायु परिवर्तन के अनुमान और भी कठिन होते जा रहे हैं। अगर जल्द कदम नहीं उठाए गए, तो तापमान अनियंत्रित रूप से बढ़ सकता है, जिससे पेरिस समझौते का लक्ष्य केवल एक राजनीतिक आकांक्षा बनकर रह जाएगा, न कि एक व्यावहारिक सीमा। शोधकर्ताओं का कहना है कि भविष्य में एक रहने योग्य ग्रह सुनिश्चित करने के लिए उत्सर्जन में तेज और निर्णायक कटौती की जरूरत है।

ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद हाई अलर्ट पर रांची एयरपोर्ट

PHOTON NEWS RANCHI : ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद भारत-पाक के बीच तनाव की स्थिति के बीच देशभर में अलर्ट की स्थिति है। तमाम एयरपोर्ट पर सुरक्षा व्यवस्था दुरुस्त कर दी गई है। इसी कड़ी में झारखंड की राजधानी रांची स्थिति बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पर भी सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। एयरपोर्ट में सीआईएसएफ के जवान लगातार मॉनिटरिंग कर रहे हैं। सुरक्षा में किसी तरह की चूक न हो इसे देखते हुए लगातार मॉक ड्रिल से खुद को अलर्ट कर रहे हैं। वहीं डॉग स्क्वाड की मदद से लगातार जांच की जा रही है।

किसी भी तरह की आकस्मिक स्थिति पैदा न हो, इसे देखते हुए सीआईएसएफ के जवान लगातार

गश्त भी कर रहे हैं। एयरपोर्ट के पार्किंग और एंट्री-एग्जिट एरिया में विशेष ध्यान रखा जा रहा है। हर पैसेंजर और उनके सामान की सतर्कता से जांच की जा रही है। एयरपोर्ट मैनेजमेंट की ओर से मिली जानकारी के अनुसार पूरा एयरपोर्ट हाई अलर्ट मोड में है। एयरपोर्ट की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। एयरपोर्ट के चप्पे-चप्पे पर सीआईएसएफ के जवानों की तैनाती की गई है।

एलन मस्क की स्टारलिंक को दूरसंचार विभाग से मिल गया आशय पत्र

NEW DELHI : अमेरिका के अरबपति उद्योगपति एलन मस्क की कंपनी स्टारलिंक ने दूरसंचार विभाग से मंजूरी मिलने के बाद भारत में उपग्रह संचार सेवाएं मुहैया कराने की ओर एक और कदम बढ़ाया है। उच्च पदस्थ सूत्रों ने बताया कि स्टारलिंक को उपग्रह संचार सेवाओं के लिए आशय पत्र जारी कर दिया गया है। हालांकि, परिचालन शुरू करने से पहले उसे अभी लाइसेंस हासिल करना होगा। स्टारलिंक एक उपग्रह इंटरनेट सेवा प्रदाता है। एयरोस्पेस विनिमार्ता एवं अंतरिक्ष परिवहन कंपनी स्पेसएक्स द्वारा 2002 में इसकी स्थापना की गई थी। यह उपग्रह प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल कर दुनिया भर में उच्च-गति, कम-बाधा वाली ब्रॉडबैंड इंटरनेट सेवा प्रदान करती है।

समाचार सार

एनएचएआई के केंद्रीय पर्यवेक्षक ने किया निरीक्षण

GHATSILA : फूलडुंगरी स्थित राष्ट्रीय उच्च पथ संख्या-18 का निरीक्षण एनएचएआई के केंद्रीय पर्यवेक्षक कर्नल आरएस बरनाला, झारखंड के प्रोजेक्ट मैनेजर एकता कुमारी ने उच्च पथ के कार्यों की समीक्षा की गई। केंद्रीय पर्यवेक्षक ने बताया कि आम जनता को सुविधा को देखते हुए अंडरपास निर्माण किया जाएगा। इसकी समीक्षा की जा रही है, इसके बाद ही कुछ बताया जा सकता है। उन्होंने कहा कि अंडरपास सड़क का कार्य कहां से और कब शुरू होगा, अभी यह नहीं बताया जा सकता है। स्थानीय लोगों की सुविधा और एवं जानमाल की रक्षा के लिए नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया द्वारा अंडरपास की स्वीकृति हो गई है।

छह विकेट से हारा मधुसूदन पब्लिक स्कूल

CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिला क्रिकेट संघ के तत्वावधान में चल रही 14वीं ज्ञानचंद जैन अंतर स्कूल क्रिकेट प्रतियोगिता के अंतर्गत गुरुवार को खेले गए ग्रुप-ए के लीग मैच में संत विवेका इंगलिश स्कूल, चाईबासा ने मधुसूदन पब्लिक स्कूल, आसनतलिया को 6 विकेट से हरा दिया। इस प्रतियोगिता में संत विवेका स्कूल की ये दूसरी जीत है। चाईबासा के बिरसा मुंडा क्रिकेट स्टेडियम में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए मधुसूदन पब्लिक स्कूल की टीम 13.4 ओवर में 77 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। जीत के लिए निर्धारित लक्ष्य का पीछा करने उतरी संत विवेका स्कूल की टीम ने 16.1 ओवर में 4 विकेट के नुकसान पर 81 रन बनाकर मैच अपने नाम कर लिया। संत विवेका स्कूल के अर्पण मुकुट बलमुचू को उसकी शानदार गेंदबाजी के लिए मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया गया।

नोवामुंडी टीएमएच में मेडिकल बस का उद्घाटन

CHAIBASA : टाटा स्टील के नोवामुंडी आयरन माइंस के सौ साल पूरे होने पर नोवामुंडी टीएमएच में पूर्ण वातानुकूलित एवं सभी प्रकार की चिकित्सीय सुविधाओं से लैस अत्याधुनिक मोबाइल मेडिकल यूनिट (बस) तथा सीटी स्कैन मशीन का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर नोवामुंडी ओएमक्यू के जीएम अतुल कुमार भटनागर, नोवामुंडी मजदूर यूनियन के महासचिव संजय कुमार दास, अध्यक्ष अनुज कुमार सुंडी तथा अस्पताल के सीएमओ डॉ. धीरेंद्र कुमार भी उपस्थित थे।

रेडक्रॉस दिवस पर 741 ने किया रक्तदान

JAMSHEDPUR : विश्व रेड क्रॉस दिवस पर गुरुवार को साकची स्थित रेडक्रॉस भवन में भारतीय रेडक्रॉस सोसाईटी, पूर्वी सिंहभूम द्वारा रक्तदान महायज्ञ का आयोजन किया गया, जिसमें 741 रक्तदाताओं ने रक्तदान किया। शिविर का उद्घाटन टाटा स्टील एवं निप्पन स्टील की संयुक्त उपक्रम जेसीएपीसीपीएल के प्रबंध निदेशक अभिजीत अविनाश नानोती, जिला के डीडीसी अनिकेत सचान, रेडक्रॉस की उपाध्यक्ष व एसडीएम शताब्दी मजूमदार, जमशेदपुर ब्लड बैंक की सचिव नलिनी राममूर्ति, शिविर के संयोजक कृष्ण मुरारी गुप्ता, रेडक्रॉस के उपाध्यक्ष विकास सिंह, यूसीआईएल के जीतेश कुमार, समाजसेवी पूरबी घोष, सारिका सिंह व रेडक्रॉस के पैट्रन शंकरलाल गुप्ता ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्जवलित कर किया।

शांभवी ने सबको किया गौरवान्वित : डॉ. संतोष गुप्ता

JAMSHEDPUR : कदमा निवासी व लोयोला स्कूल से दसवीं कक्षा की शांभवी जायसवाल ने आईसीएसई-2025 परीक्षा में राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम स्थान पाकर देश, समाज व परिवार के सदस्यों को परीक्षा फल से गौरवान्वित किया है। ये बातें वैश्य एकता मंच सह जयसवाल समाज की ओर से डॉ. संतोष गुप्ता ने कहीं। इस मौके पर मंच के प्रदेश महासचिव श्रीकांत देव, जिलाध्यक्ष गोपाल प्रसाद जायसवाल, महामंत्री राजकुमार साह, कोषाध्यक्ष भोला शर्मा, सुनील जायसवाल, सुनीता जायसवाल, दिनेश जायसवाल, एकता जायसवाल ने शांभवी के घर जाकर पुष्पगुच्छ व शॉल भेंट किया। इस मौके पर शांभवी के पिता डॉ. अभिषेक जायसवाल व माता डॉ. ओजस्वी शंकर भी मौजूद थीं।

जेम्को में हुआ शिव मंदिर का भूमिपूजन

JAMSHEDPUR : जेम्को बस्ती के मिश्रा बागान में गुरुवार को श्रीश्री महादेव स्थानम निर्माण समिति द्वारा शिव मंदिर का भूमिपूजन किया गया। निर्माण समिति के अध्यक्ष रतन किशोर मिश्रा ने कहा कि यह मंदिर न केवल एक पूजा स्थल होगा, बल्कि यह क्षेत्र की सामाजिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों का भी केंद्र बनेगा।

खड़े वाहन को टक्कर मार कर दुकान में घुसी तेज रफ्तार कार, दो लोग घायल

सब्जी की दुकान व चाय की गुमटी क्षतिग्रस्त, पुलिस ने शुरू की जांच

PHOTON NEWS JSR : मानगो थाना क्षेत्र के जवाहर नगर रोड नंबर-10 में बुधवार देर रात करीब 3 बजे एक बड़ा सड़क हादसा हो गया। एक तेज रफ्तार कार ने सड़क किनारे खड़ी कार में जोरदार टक्कर मार दी, जिसके बाद कार एक दुकान में जा घुसी। इस हादसे में टक्कर मारने वाली कार का चालक अनस और उसका एक साथी गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। टक्कर मारने वाली कार का आगे का हिस्सा और खड़ी कार के पीछे का हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया है। दुकानदारों ने द फोटान न्यूज को बताया कि टक्कर मारने वाली कार पारडीह से मानगो चौक की तरफ जा रही थी। तब यह हादसा हुआ। हादसा इतना भीषण था कि टक्कर के बाद कार मुमताज अहमद की सब्जी दुकान में जा घुसी, जिससे दुकान पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। मुमताज अहमद के अनुसार, उन्हें इस दुर्घटना में करीब तीन लाख रुपये का नुकसान हुआ है। प्रत्यक्षदर्शियों ने द फोटान न्यूज को बताया कि दुकान के साथ-साथ बगल की चाय दुकान भी टूट गई। घटना की जानकारी लोगों को गुरुवार सुबह मिली, जिसके बाद घटनास्थल पर भारी भीड़ जुट गई। लोग एक-दूसरे से घटना के बारे में जानकारी लेते नजर आए। कार का एयरबैग खुल जाने से चालक और उसका साथी किसी बड़ी अनहोनी से तो बच गए, लेकिन दोनों को गंभीर चोट आई है। सड़क पर खून बिखरा हुआ था। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

दुकान में घुसी कार को देखने के लिए जुटी भीड़ व खड़ी कार का क्षतिग्रस्त पिछला हिस्सा ● फोटोन न्यूज

चक्रधरपुर के पास रेलवे लाइन पर मिला अज्ञात व्यक्ति का शव

CHAKRADHARPUR : हावड़ा-मुंबई मुख्य मार्ग स्थित चक्रधरपुर बड़ाबांबो के बीच किलोमीटर 309/23-25 के पास एक अज्ञात व्यक्ति का शव मिला है। सूचना मिलते ही आरपीएफ और जीआरपी पुलिस घटनास्थल पहुंच कर मामले की जांच पड़ताल में जुट गई। शव के पास ही एक लेडीज साइकिल भी नाली के पास पड़ा हुआ है। समाचार लिखे जाने तक व्यक्ति का पहचान नहीं हो पाया है, लेकिन जिस तरह शव मिला है, यह हत्या व आत्महत्या के बीच का मामला हो सकता है। शव को जब्त कर जीआरपी ने पोस्टमार्टम के लिए चक्रधरपुर अनुमंडल अस्पताल भेज दिया है।

मंदिर में चोरी की कोशिश करता पकड़ा गया युवक लोगों ने की धुनाई

JAMSHEDPUR : कदमा थाना क्षेत्र में एक बार फिर मंदिर को गुरुवार को निशाना बनाने की कोशिश की गई। रामनगर रोड नंबर-7 स्थित हरि मंदिर में चोरी की कोशिश करते हुए एक युवक को लोगों ने रंगेहाथ पकड़ लिया। युवक की पहचान विवेक बरुवा के रूप में हुई है। मंदिर परिसर में संदिग्ध हालत में घूमते देख स्थानीय लोगों को उस पर शक हुआ। जब उन्होंने युवक से पूछताछ की तो वह घबरा गया, जिसके बाद लोगों ने उसे जमकर पीटा। जानकारी मिलने पर कदमा थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और युवक को हिरासत में लेकर थाना ले गई। फिलहाल युवक से पूछताछ की जा रही है। कदमा थाना प्रभारी के अनुसार, पूरे मामले की जांच की जा रही है। मंदिर के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे हैं, ताकि यह साफ हो सके कि युवक मंदिर में चोरी के इरादे से आया था या कोई और वजह थी।

चक्रधरपुर में एक सप्ताह पहले हुई युवक की हत्या का हुआ खुलासा

बाईपी गांव से ही हत्या का आरोपी गिरफ्तार, आपसी विवाद में हुई थी वारदात

PHOTON NEWS CKP : पश्चिमी सिंहभूम जिला अंतर्गत चक्रधरपुर थाना क्षेत्र के बाईपी पंचायत के बोड़दिरी टोला में हुई युवक की हत्या के मामले का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। पुलिस ने खुलासा किया है कि यह हत्या आपसी विवाद के कारण हुई थी। पुलिस ने इस मामले में हत्या के आरोपी को भी गिरफ्तार कर लिया है। इसके साथ ही हत्या में इस्तेमाल किए गए फरसा को भी जब्त कर लिया है। चक्रधरपुर के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सह एएसपी शिवम प्रकाश ने वत्रकारों को बताया कि बीते 2 मई को बाईपी गांव के नवप्राथमिक विद्यालय के पास झाड़ियों में एक अज्ञात युवक का शव बरामद हुआ था। शव की गर्दन पर धारदार हथियार से वार के गहरे निशान थे। शव की पहचान बाद में 35 वर्षीय सत्य प्रकाश पूर्ति बाईपी निवासी के रूप में की गई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए चक्रधरपुर थाना में बीएनएस की धाराओं 103 और 238 के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई थी और एक विशेष जांच टीम गठित कर मामले का अनुसंधान शुरू किया गया था। जांच के क्रम में पुलिस ने बाईपी निवासी 36 वर्षीय मोरन सिंह पुरती को गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपी ने स्वीकार किया कि दोनों के बीच किसी बात का विवाद चल रहा था, जिसे लेकर बहस हुई, जो देखते ही देखते हिंसक हो गई और इसी दौरान फरसे से हमला कर उसने सत्य प्रकाश की हत्या कर दी।

पत्रकारों को मामले की जानकारी देते एएसपी शिवम प्रकाश ● फोटोन न्यूज

चक्रधरपुर में धड़ल्ले से चल रहा लॉटरी का अवैध कारोबार

CHAKRADHARPUR : चक्रधरपुर शहर में लॉटरी का काला कारोबार दिन-ब-दिन बढ़ता जा रहा है। जानकार बताते हैं कि चक्रधरपुर शहर के पवन चौक, राजबाड़ी रोड, दंदासाई, टोकलो रोड, मछली पट्टी, भगत सिंह चौक, चेक नाका, प्रखंड कार्यालय सहित कई इलाके हैं, जहां लॉटरी विक्रेता सरेआम घूम-घूम कर लॉटरी बेच रहे हैं। लेकिन, बड़ी बात यह है कि प्रशासन को इसकी भनक तक नहीं लग पा रही है। वैसे तो अब कई मोहल्ले में कई महाजन हो गए जो खुद जाली टिकटों को छपाई कराते हैं। इस पर सौ प्रतिशत का मुनाफा कर टिकट बेचते हैं। कुछ कारोबारी को पहले भी पुलिस ने अवैध लॉटरी के साथ पकड़ा था। उन्हें जेल की सजा भी हुई, लेकिन जमानत पर जेल से निकलने के बाद फिर से अवैध लॉटरी का धंधा शुरू कर दिया। एएसपी सह पोड़ाहाट डीएसपी शिवम प्रकाश ने कहा कि शहर में अवैध लॉटरी का कारोबार होने की सूचना मिली है। इस पर जल्द ही कार्रवाई होगी। लॉटरी विक्रेता और उसके मालिकों के खिलाफ जल्द कार्रवाई की जाएगी।

ईडी ने जुगसलाई में मारा छापा, कारोबारी गिरफ्तार

जुगसलाई के नयाबाजार स्थित विक्की भालोटिया का आवास ● फोटोन न्यूज

JAMSHEDPUR : झारखंड में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने डीजीसीआई के साथ मिलकर एक बार फिर बड़ी कार्रवाई की है। गुरुवार को ईडी ने जुगसलाई के नया बाजार स्थित कारोबारी विक्की भालोटिया के आवास और कार्यालय में दबिश दी है। कई ठिकानों पर छापेमारी की गई है। उनके साथ डीजीसीआई की टीम भी कार्रवाई में शामिल रही। बताया जाता है कि पूछताछ के बाद शाम को ईडी ने लोहा कारोबारी विक्की भालोटिया को गिरफ्तार कर लिया। सूत्रों के मुताबिक, यह छापेमारी बोकारो में फॉरेस्ट लैंड की अवैध खरीद-बिक्री से जुड़ी जांच के तहत की जा रही है। ईडी ने इसके पहले भी जुगसलाई में कई बार छापेमारी की थी। जानकारी के अनुसार, सबसे पहले ईडी की टीम रांची के कांके रोड स्थित श्रीराम गार्डेन अपार्टमेंट पहुंची, जहां एक फ्लैट में तलाशी अभियान चलाया गया। यहां रांची के बिल्डर विवेक नरसरिया के ठिकानों पर छापेमारी की गई। इस बीच, पश्चिम बंगाल और बोकारो में भी ईडी की अलग-अलग टीमें एक साथ कई ठिकानों पर छानबीन कर रही हैं।

घाटशिला पहुंचे डीसी, सीओ को शोकॉज करने का दिया निर्देश

घाटशिला के अनुमंडल कार्यालय में बैठक करते डीसी अनन्य मित्तल

GHATSILA : उपायुक्त अनन्य मित्तल ने गुरुवार को घाटशिला अनुमंडल कार्यालय में एसडीओ एवं डीसीएलआर कार्यालय का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने एसडीओ कार्यालय में लंबित न्यायिक वादों, आगत-निर्गत पंजी, रोकड़ पंजी, संचिकाएं, सीएनसी रजिस्टर, स्टॉक रजिस्टर एवं इंडेक्स रजिस्टर जैसे महत्वपूर्ण अभिलेखों का अवलोकन किया। वहीं डीसीएलआर के आदेश के बाद सीओ द्वारा आदेशानुसार कार्रवाई नहीं करने पर सीओ को शोकॉज करने का निर्देश दिया। डीसीएलआर कार्यालय में पंजी एवं कैशबुक का उचित संधारण नहीं पाया गया। इस पर उपायुक्त ने अप्रसन्नता जताते हुए गाइडलाइन के अनुरूप संधारण करने का निर्देश दिया। उन्होंने पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी दस्तावेजों का संधारण सरकारी मानकों एवं नियमावली के अनुरूप किया जाए। उन्होंने ऑनलाइन उपस्थिति को लेकर सख्त निर्देश दिया कि सभी कर्मचारी निर्धारित समय पर कार्यालय में उपस्थित हों एवं ऑनलाइन उपस्थिति अनिवार्य रूप से दर्ज करें। अनुपालन नहीं करने की स्थिति में कर्मचारी अनुपस्थित माने जाएंगे।

पोस्टमार्टम को लेकर ग्रामीणों ने किया हंगामा

GHATSILA : अनुमंडल अस्पताल परिसर में गुरुवार की शाम लगभग 4 बजे पोस्टमार्टम नहीं करने पर ग्रामीणों तथा चिकित्सक के बीच जमकर बहस हो गई। मामला गंभीर होता देख बीच-बचाव कर झामुमो के पूर्व जिला सचिव लाल्टू महतो, विकास मजूमदार व अशोक महतो पहुंचे और माहौल को शांत कराया। चिकित्सक का कहना था कि एक शव में वज्रपात से मौत होने के निशान हैं, परंतु दूसरा शव संदिग्ध होने के कारण यहां पोस्टमार्टम नहीं होगा। उसे एमजीएम अस्पताल भेजना होगा। इस पर परिवार के लोग और ग्रामीण यह कहते हुए हंगामा करने लगे कि सुबह में ही बता देते तो हमलोग शव को एमजीएम ले जाते। हालांकि प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. आरएन सोरेन ने चिकित्सकों से बात कर दोनों शव का पोस्टमार्टम घाटशिला में ही करने की बात कही। ज्ञात हो कि बुधवार की शाम को खड़ियाडीह गांव में बकरी चराने के दौरान वज्रपात से दादा-पोती की मौत हो गई थी। यह बवाल इसी को लेकर हुआ था।

मानगो में घटिया निर्माण पर बवाल के बाद जिला प्रशासन ने लिया संज्ञान

डीसी ने उखड़वा दी सड़क, प्राक्कलन के अनुसार बनाने का दिया आदेश

PHOTON NEWS JSR : मानगो के बालीगुमा में बन रही सड़क की गुणवत्ता को लेकर स्थानीय लोगों ने गुरुवार को जोरदार विरोध किया। इसकी शिकायत मिलने के बाद डीसी अनन्य मित्तल ने इस मामले की जांच कराई और आरोप सही पाए जाने पर निमार्णाधीन सड़क उखाड़ने का आदेश दिया। इसके बाद सड़क उखाड़ दी गई। डीसी ने आदेश दिया है कि प्राक्कलन के अनुसार सड़क निर्माण हो।

सड़क का निर्माण रोड कंस्ट्रक्शन डिपार्टमेंट (आरसीडी) द्वारा किया जा रहा था, लेकिन संवेदक ने आठ इंच की जगह दो से चार इंच तक ही ढलाई की। इसे लेकर लोगों ने विरोध शुरू किया और संवेदक पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाया।

बनी सड़क को उखाड़ती पोकलेन

संवेदक ने विरोध करने वाले स्थानीय लोगों को धमकी दी कि जिन लोगों ने शिकायत की है, उनके खिलाफ थाने में मुकदमा दर्ज किया जाएगा। यह सुनकर मामला और बढ़ गया और लोग पूर्व भाजपा नेता विकास सिंह को बुलाकर संवेदक द्वारा धमकाए जाने की शिकायत करने लगे। विकास सिंह ने मामले को हल करने के लिए तुरंत आरसीडी के कार्यपालक अभियंता दीपक सहाय से संपर्क करने का प्रयास किया, लेकिन जब उन्होंने फोन नहीं उठाया, तो विकास सिंह ने पूर्वी सिंहभूम जिले के उपायुक्त अनन्य मित्तल को इसकी जानकारी दी। इस पर डीसी अनन्य मित्तल ने मामले की जांच के आदेश दिए। दोषी पाए जाने पर ठेकेदार पर कार्रवाई की जाएगी। उपायुक्त ने मामले में त्वरित कार्रवाई की और पूरी सड़क को पोकलेन द्वारा उखड़वाया दिया। विकास सिंह ने कहा कि इस घटिया निर्माण से केवल जनता को नुकसान होगा क्योंकि अगर सड़क की मोटाई कम रखी गई, तो वह जल्दी ही टूट जाएगी।

साल के अंत तक पूरा हो जाएगा मरम्मत का काम, देर से ही सही, जिला प्रशासन ने लिया संज्ञान

साढ़े चार करोड़ से चमकाए जाएंगे राज्य खाद्य निगम के 24 गोदाम

MUJTABA RIZVI @ JSR : पूर्वी सिंहभूम जिले में राज्य खाद्य निगम के अनाज के 24 जर्जर गोदामों के जीर्णोद्धार की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इन गोदामों का जीर्णोद्धार चार करोड़ 45 लाख 73 हजार रुपये से होगा। भवन निर्माण विभाग में इसके लिए टेंडर की प्रक्रिया चल रही है। इन गोदामों का निर्माण कार्य तीन से छह महीने के बीच पूरा होने की उम्मीद है। ठेका लेने के इच्छुक ठेकेदारों को बता दिया गया है कि उन्हें यह काम तय समय-सीमा के अंदर हर हाल में पूरा करना है। कोई गोदाम तीन महीने के अंदर बन कर तैयार हो जाएगा, तो कोई चार और छह महीने के अंदर।

माना जा रहा है कि अधिकतर गोदामों का निर्माण कार्य छह महीने में पूरा होना है। इस तरह, यह गोदाम इस साल के अंत तक बन कर तैयार होंगे। कहा जा रहा है कि इन गोदामों का जीर्णोद्धार बरसात से पहले कराना चाहिए था। अब बरसात एक महीने में आने ही वाली है। वैसे अभी से पानी बरसना शुरू हो गया है। यह सभी जर्जर गोदामों की छतें टपकती हैं। इसकी वजह से दीवारों और फर्श पर भी सीलन रहती है। छत के टपकने और सीलन की वजह से अनाज के भंडार खराब हो रहे हैं। ऐसे में अगर अधिकारियों की आंख पहले खुल जाती और जनवरी में ही इसका टेंडर कर दिया जाता तो इस साल बरसात में अनाज खराब होने से बचाया जा सकता था।

1000 मीट्रिक टन क्षमता तक के हैं अनाज गोदाम : जिले में राज्य खाद्य निगम ने 250 मीट्रिक टन क्षमता से 1000 तक की क्षमता के अनाज गोदामों का निर्माण कराया है। इनमें से अधिकतर अनाज गोदाम पुराने हैं। यह पुराने मॉडल के बने हुए हैं। पुराने मॉडल के ये अनाज गोदाम अत्यधिक जर्जर हैं। इन गोदामों की मरम्मत बेहद जरूरी बताई जा रही है। इन गोदामों के प्रभारी पिछले साल से ही इनकी मरम्मत पर जोर दे रहे हैं। जिला आपूर्ति विभाग ने इन भवनों की मरम्मत के लिए कागजी प्रक्रिया शुरू की है। मगर, अब तक इनकी मरम्मत का काम शुरू नहीं हो पाया है।

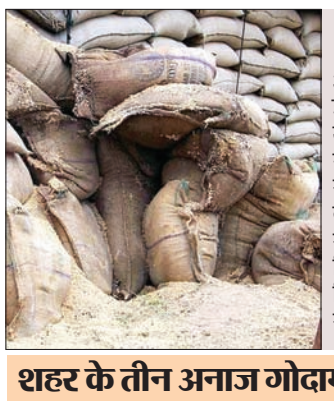

कई साल से हैं जर्जर

अनाज के ये गोदाम कई साल से जर्जर हैं। इन गोदामों में बाहर से आने वाला अनाज रखा जाता है। इसके अलावा, जिस अनाज की खरीद होती है उसे भी यहां रखा जाता है। इन गोदामों से ही लोगों को सरकारी योजना के तहत राशन का वितरण भी होता है। इन गोदामों से राशन दुकानदारों को अनाज वितरित किया जाता है। ऐसे में माना जा रहा है कि अगर इन गोदामों की मरम्मत नहीं कराई गई तो योजनाओं पर भी खतरा बढ़ जाएगा।

शहर के तीन अनाज गोदामों की नहीं हो सकी मरम्मत

जमशेदपुर शहर के तीन अनाज गोदाम भी जर्जर हैं। इनकी छतें टपक रही हैं। इनमें बमार्माइंस के दो गोदाम हैं। इनमें से एक गोदाम 2000 मीट्रिक टन का है। दूसरा गोदाम 500 मीट्रिक टन क्षमता का है। इसके अलावा, साकची में भी एक अनाज गोदाम की हालत बदतर हो गई है। यह गोदाम भी 2000 मीट्रिक टन क्षमता का है। माना जा रहा है कि ग्रामीण एरिया के गोदाम दूर होने की वजह से जिले के अधिकारियों की नजर में नहीं आ पाए। मगर, शहर के इन गोदामों पर भी अधिकारियों की निगाह देर से पड़ी।

कितनी लागत से होगी किस गोदाम की मरम्मत

● साकची में	2000 मीट्रिक टन क्षमता का अनाज गोदाम	–	38 लाख 39 हजार 300 रुपये
● बमार्माइंस में	2000 मीट्रिक टन क्षमता का अनाज गोदाम	–	17 लाख 12 हजार 300 रुपये
● बमार्माइंस में	500 मीट्रिक टन क्षमता का अनाज गोदाम	–	14 लाख 51 हजार 500 रुपये
● बहरागोड़ा में	1000 मीट्रिक टन क्षमता का अनाज गोदाम	–	24 लाख 60 हजार 700 रुपये
● मुसाबनी में	1000 मीट्रिक टन क्षमता के अनाज गोदाम	–	24 लाख 91 हजार 500 रुपये
● धालभुमगढ़ में	1000 मीट्रिक टन क्षमता का अनाज गोदाम	–	24 लाख 77 हजार 300 रुपये
● चाकुलिया में	1000 मीट्रिक टन क्षमता का अनाज गोदाम	–	24 लाख 75 हजार 400 रुपये
● मुसाबनी में	1000 मीट्रिक टन क्षमता के अनाज गोदाम	–	23 लाख 68 हजार 400 रुपये
● मुसाबनी में	1000 मीट्रिक टन क्षमता के अनाज गोदाम	–	23 लाख 99 हजार 200 रुपये
● घाटशिला में	1000 मीट्रिक टन क्षमता का अनाज गोदाम	–	24 लाख 29 हजार 900 रुपये
● पोटका में	1000 मीट्रिक टन क्षमता का अनाज गोदाम	–	24 लाख 60 हजार 700 रुपये
● डुमरिया में	1000 मीट्रिक टन क्षमता का अनाज गोदाम	–	24 लाख 97 हजार 600 रुपये
● पटमदा में	1000 मीट्रिक टन क्षमता का अनाज गोदाम	–	24 लाख 91 हजार 500 रुपये
● बहरागोड़ा में	500 मीट्रिक टन क्षमता का अनाज गोदाम	–	12 लाख 73 हजार 400 रुपये
● धालभुमगढ़ में	250 मीट्रिक टन क्षमता का अनाज गोदाम	–	12 लाख 52 हजार 600 रुपये
● चाकुलिया में	250 मीट्रिक टन क्षमता का अनाज गोदाम	–	12 लाख 64 हजार 800 रुपये
● पोटका में	500 मीट्रिक टन क्षमता का अनाज गोदाम	–	12 लाख 21 हजार रुपये
● डुमरिया में	500 मीट्रिक टन क्षमता का अनाज गोदाम	–	12 लाख 47 हजार 200 रुपये
● बोड़ाम में	500 मीट्रिक टन क्षमता का अनाज गोदाम	–	12 लाख 34 हजार 100 रुपये
● गुड़बांदा में	500 मीट्रिक टन क्षमता का अनाज गोदाम	–	12 लाख 60 हजार 300 रुपये
● मुसाबनी में	250 मीट्रिक टन क्षमता का अनाज गोदाम	–	10 लाख 80 हजार 800 रुपये
● पटमदा में	250 मीट्रिक टन क्षमता का अनाज गोदाम	–	10 लाख 71 हजार रुपये
● पोटका में	250 मीट्रिक टन क्षमता का अनाज गोदाम	–	10 लाख 68 हजार 500 रुपये
● घाटशिला में	250 मीट्रिक टन क्षमता का अनाज गोदाम	–	10 लाख 44 हजार रुपये

उपायुक्त ने सोनुवा प्रखंड में योजनाओं का किया निरीक्षण, दिए निर्देश

CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम के उपायुक्त कुलदीप चौधरी ने गुरुवार को उपविकास आयुक्त संदीप कुमार मीणा के साथ सोनुवा प्रखंड में चल रही योजनाओं का निरीक्षण किया। निरीक्षण की शुरूआत सोनुवा प्रखंड कार्यालय परिसर स्थित सभागार में समीक्षा बैठक से हुई। जिसमें प्रखंड विकास पदाधिकारी और 11 पंचायतों के कर्मी उपस्थित रहे। बैठक में मनरेगा और आवास योजना से जुड़ी योजनाओं की प्रगति की बिंदुवार समीक्षा की गई। उपायुक्त ने बिरसा हरित ग्राम योजना, बिरसा सिंचाई कूप संवर्धन मिशन अंतर्गत कूप निर्माण तथा प्रति ग्राम पांच योजनाओं के क्रियान्वयन की पंचायतवार स्थिति का जायजा लिया। इसके साथ ही अबुआ आवास योजना 2023-24 एवं 2024-25 के अंतर्गत प्रथम और द्वितीय किस्त के भुगतान के बाद आवास निर्माण की स्थिति, पूर्ण आवास और जिओ टैगिंग से संबंधित रिपोर्ट की समीक्षा कर दिशा-निर्देश दिए।

डकैती मामले में सात गिरफ्तार, हथियार बरामद

एक मई को गांडेय में अपराधियों ने घटना को दिया था अंजाम

AGENCY GIRIDIH : जिले में डकैती की घटनाओं को अंजाम देने वाले सात अपराधियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पकड़े गये सातों अपराधी आसपास के जिलों में डकैती की घटनाओं को अंजाम दे चुके है। गुरुवार को गिरफ्तारी की पुष्टि एसपी डा विमल कुमार ने बताया कि विगत एक मई की रात गांडेय थाना के भलुआ निवासी मुन्ना मंडल एवं उमेश मंडल के घर में बाइक पर सवार 10 अज्ञात अपराधियों ने डकैती की घटना को अंजाम दिया था। इस मामले में प्राथमिकी दर्ज करते हुए अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सदर जीतवाहन उरांव के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया। टीम ने सात अपराधियों को लूट की योजना बनाते हुए चोरी की मोटरसाईकिल एवं आग्नेयास्त्र के साथ गिरफ्तार किया गया है। पूछताछ के दौरान आरोपितों ने

गिरफ्त में आरोपी व मामले की जानकारी देते पुलिस पदाधिकारी ● फोटोन न्यूज

डकैती की घटना में अपनी संलिप्तता स्वीकार की है। इनके पास से एक देशी कट्टा और तीन जिन्दा गोली, मोबाइल, चोरी की बाइक एवं नगद राशि बरामद की गयी है। गिरफ्तार अपराधियों में गिरिडीह, जामताड़ा , देवघर , दुमका के रहने वाले हैं और वहां मामला दर्ज है। इनका लम्बा आपराधिक इतिहास रहा है। गिरफ्तार अपराधियों में राजू मंडल उर्फ हरिनन्दन , गोपाल यादव , मोतिउल रहमान, माजीद अंसारी, आसिफ अंसारी, नाजिर अंसारी और सलाउद्दीन अंसारी शामिल हैं।

पति-पत्नी के झगड़े में बीच-बचाव करने गए भाई की हत्या

DUMKA : पति-पत्नी के विवाद सुलझाने गए बड़े भाई की चाकू की वार से मौत हो गई। घटना जिला के शिकारीपाड़ा थाना क्षेत्र के देवदाहा गांव में बुधवार को देर रात को घटी। जानकारी के अनुसार थाना क्षेत्र के देवदाहा गांव निवासी समामुउद्दीन मियां और उसकी पत्नी बुधवार की रात करीब 8 बजे आपस में लड़ रहे थे। तभी समामुउद्दीन का बड़ा भाई सामा मियां बीच बचाव करने के लिए पहुंचे। लेकिन उसका छोटा भाई नहीं माना और उल्टे सामा पर चाकू से वार कर दिया। जब वह पीछे पलटा तो उसके पीठ में भी चाकू मार दिया। हमला करने के बाद वह घर छोड़कर भागने में सफल रहा। परिजन घायल सामा मियां को इलाज के लिए अस्पताल भर्ती कराया। जहां इलाज के दौरान गुरूवार को सामा मिंया दम तोड़ दिया। मृतक की पत्नी आफरीन बीवी के बयान पर शिकारीपाड़ा पुलिस हत्या का मामला दर्ज कर समामुद्दिन की तलाश में जुट गई है।

चालक की मौत के मामले में तीन पुलिसकर्मी हुए निलंबित

GIRIDIH : बोरिंग वाहन चालक की ताराटाड़ थाना इलाके में हुई संदिग्ध मौत के मामले में गिरिडीह एसपी डा विमल कुमार ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक एएसआई सहित तीन पुलिस कर्मियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। हालांकि बुधवार को हुई बोरिंग वाहन चालक संजय दास की मौत के मामले का फिलहाल खुलासा नहीं हुआ है। लेकिन यह पूरा मामला तारातांड थाना क्षेत्र का है। मामले की जानकारी देते हुए मृतक बोरवेल चालक संजय दास के रिश्तेदार बालेश्वर रविदास ने तारातांड थाना के पेट्रोलिंग गाड़ी में ड्यूटी में तैनात पदाधिकारी और कांस्टेबल पर पैसे मांगने का आरोप लगाया। हालांकि यह आरोप अबतक साबित नहीं हो पाया है। पैसे मांगे जाने और ड्राइवर संजय दास की ओर से पैसे नहीं देने पर पुलिस कर्मियों ने उसके साथ कथित मारपीट की थी। पुलिस सूत्रों के अनुसार, ग्रामीणों के रोड जाम के बीच सदर एसडीपीओ जितवाहन ने बोरवेल गाड़ी के असिस्टेंट और मृतक के साथी टुडू से पूछताछ भी की थी जिसमें टुडू ने पुलिस की ओर से पैसे मांगे जाने के आरोपों से इंकार किया। पूछताछ के बाद ग्रामीणों ने सड़क जाम किया और उसके बाद हटाया भी लेकिन कुछ लोगों में रोष कायम था। देर रात एसपी ने कार्रवाई करते हुए तारातांड थाना के एक एएसआई मूसा खान और दो कांस्टेबल विनोद तिवारी एवं बागेश्वर सोरेन को सस्पेंड कर दिया। घटना के बाद पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए हॉस्पिटल भेजा है जहां रिपोर्ट आने के बाद ही चालक संजय दास के मौत के कारणों का पता चल सकेगा। इसके बाद पुलिस उसी आधार पर कार्रवाई करेगी। फिलहाल पुलिस इस पूरे मामले में जांच पड़ताल कर ही रही है ।

बस के धक्के से स्कूटी सवार युवक की मौत

PALAMU : डालटनगंज-पांकी मुख्य पथ पर पांकी थाना क्षेत्र के कोनवाई में गुरूवार रात एक यात्री बस की चपेट में आने से एक स्कूटी सवार युवक की मौत हो गयी। युवक तरहसी से पांकी अपने रिश्तेदार के घर जा रहा था। सूचना मिलने पर पांकी पुलिस मौके पर पहुंची और स्कूटी एवं बस को जब्त कर थाना में लगा दिया है। शव को भी थाना ले जाया गया है। युवक की पहचान तरहसी के बेदानी निवासी टुनटुन गुप्ता का पुत्र अमित कुमार गुप्ता (23) के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार अमित के परिजन शादी समारोह में रांची चले गए थे। वह घर पर अकेला था। ऐसे में शाम को वह पांकी अपने रिश्तेदार के घर जा रहा था। इसी क्रम में कोनवाई में विपरीत दिशा आ रही बस ने स्कूटी को चपेट में ले लिया, जिससे मौके पर ही अमित कुमार गुप्ता की मौत हो गयी। अमित रांची मॉल में रहकर काम करता था। अमित कुमार गुप्ता की शादी दो महीने पहले हुई थी। घटना की सूचना मिलने पर रांची से परिजन निजी वाहन से पांकी के लिए निकल गए हैं।। धक्का मारने वाली बस शिव शंकर बतायी गयी है। वह पांकी क्षेत्र से यात्रियों को लेकर डालटनगंज आ रही थी। पांकी के थाना प्रभारी राजेश रंजन ने बताया कि घटना की सूचना मिलने पर तत्काल घटनास्थल पर पहुंचे और बस एवं स्कूटी को जब्त कर लिया है। शव को भी थाना ले जाया गया है। आस पास के लोगों से युवक के शव की पहचान की गयी। परिजनों को सूचना दे दी गयी है। मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है।

BRIEF NEWS

सेवानिवृत्त शिक्षकों को भुगतान के साथ दी गई विदाई

LATEHAR : उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता की अध्यक्षता में गुरुवार को समाहरणालय सभागार में पेंशन दरबार-सह-सेवानिवृति विदाई सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जिला शिक्षा अधीक्षक कार्यालय के अधीन अप्रैल 2025 में सेवानिवृत होने वाले शिक्षकों को उपायुक्त ने सेवानिवृत हुए 7 शिक्षकों को मेमेंटो व शॉल भेंट किया गया। जिला शिक्षा अधीक्षक गौतम कुमार साहू ने बताया कि सेवानिवृत्त शिक्षकों को उनकी सेवानिवृत्ति के दिन ही सभी सेवानिवृत्ति पावना (सेवानिवृत्ति लाभ) का भुगतान किया गया।

खेलो इंडिया में पलामू की बेटी ने रचा इतिहास

PALAMU : बिहार के बौद्ध गया में 4 से 7 मई तक आयोजित खेलो इंडिया यूथ गेम में द कराटे एकेडमी की खिलाड़ी काजल कुमारी ने भाग लेकर इतिहास रच दिया। फरी सोती खेलते हुए फाइनल राउंड में काजल ने महाराष्ट्र से 38 प्वाइंट से हराते हुए झारखंड राज्य के लिए स्वर्ण पदक जीता। गुरूवार को काजल ने कहा कि ये जीत मेरे माता पिता और गुरु के आशीर्वाद का श्रेय है। मैं पढ़ाई के साथ-साथ खेल के क्षेत्र में अपना नाम बनाना चाहती थी। काजल के पिता ओम प्रकाश कुमार सीआरपीएफ के 183 बटालियन, पुलमावा में पोस्टेड है। अपनी बेटी की जीत की खुशी में उन्होंने कहा कि काजल की मेहनत रंग ला रही है, इसका सपना ओलंपिक में जानें का है। काजल की मां ममता देवी ने कहा कि काजल खेल, पढ़ाई और घर के जिम्मेवारियों को बहुत ही अच्छे से बैलेंस करके चलती है। पलामू गतका संघ के अध्यक्ष सोनू नामधारी ने काजल को फोन कर के शुभकामनाएं देते हुए कहा कि पलामू जिला आपकी मेहनत के बदौलत आज गौरवान्वित महसूस कर रहा है। सचिव सह द कराटे एकेडमी के निदेशक सुमित बर्मन ने कहा की खेलो इंडिया यूथ गेम भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के द्वारा बनाया गया प्रतियोगिता है, जिसमें चयन होने की प्रक्रिया ही बहुत ही टेढ़ी खीर है। ऐसे प्रतियोगिता में जाना और स्वर्ण पदक लाना यह काबिलियत तारीफ है। झारखंड सरकार की ओर से काजल को खेल प्रोत्साहन राशि भी दी जाएगी।

रेडक्रॉस दिवस पर कई लोगों ने कराई स्वास्थ्य जांच

PALAMU : निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर पूर्वाहन 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक आयोजित हुआ। शिविर में पारस हॉस्पिटल के प्रसिद्ध हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ कुमार अभिषेक आर्या, नस रोग विशेषज्ञ डॉ अरुण कुमार एवं फिजिसियान व डालटनगंज के प्रसिद्ध हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ सच्चिदानंद ने अपनी सेवा दी। शिविर में लगभग 100 लोगों ने नस एवं हृदय रोग की जांच करायी। 125 लोगों ने रक्त जांच करायी। फंड जुटाने और रक्त की उपलब्धता पर भारतीय रेडक्रॉस सोसाइटी पलामू से जुड़े पदाधिकारी और सदस्य ध्यान दें। अक्सर देखने एवं सुनने में मिलता है कि ब्लड बैंक में रक्त की कमी से थैलेसिमिया जैसे मरीज को भी रक्त नहीं मिल पाता। रक्तदान को लेकर जागरूकता फैलाएं। ज्यादा से ज्यादा संगठनों से संपर्क करें और ब्लड डोनेट करायें। ब्लड बैंक में रक्त की कमी न हो, इस पर ध्यान देने की जरूरत है। उक्त बातें जिले के उपायुक्त शशि रंजन ने कही।

पारा-मेडिकल छात्रों ने किया प्रदर्शन

JAMSHEDPUR : एमजीएम मेडिकल कॉलेज, जमशेदपुर के पारा मेडिकल छात्र एक बार फिर अपनी पुरानी और लंबित मांगों को लेकर गुरुवार को सड़कों पर उतरे। छात्रों ने जिला उपायुक्त को ज्ञापन सौंपते हुए शीघ्र कार्रवाई की मांग की। एमजीएम मेडिकल कॉलेज के पारा मेडिकल छात्रों ने कॉलेज में बुनियादी सुविधाओं की भारी कमी को लेकर जिला मुख्यालय पर प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के बाद छात्रों ने उपायुक्त को एक मांग पत्र सौंपा। इसमें अलग कॉलेज, छात्रावास और पुस्तकालय की मांग प्रमुख रही।

बीएड-एमएड की परीक्षा 11 को जमशेदपुर में होंगे सात सेंटर

JAMSHEDPUR : झारखंड संयुक्त प्रवेश प्रतियोगिता परीक्षा पर्षद बीएड, एमएड, बीपीएड और एमपीएड पाठ्यक्रमों में नामांकन के लिए 11 मई को राज्यभर में एक साथ परीक्षा लेगा। परीक्षा के लिए जमशेदपुर, रांची, धनबाद, बोकारो, दुमका, पलामू और हजारीबाग में केंद्र बनाए गए हैं। जमशेदपुर में कुल 7 परीक्षा केंद्र होंगे। यहां 5521 परीक्षार्थी शामिल होंगे। यह परीक्षा ओएमआर शीट पर आधारित होगी। इसमें 100 अंकों के बहुविकल्पीय प्रश्न पूछे जाएंगे। हर सही उत्तर पर 1 अंक मिलेगा। गलत उत्तर पर 0.25 अंक कटेगा। प्रश्न भाषा प्रवीणता, शिक्षण योग्यता और तर्क क्षमता से जुड़े होंगे। मेरिट लिस्ट प्राप्त अंकों के आधार पर बनेगी। इसी के आधार पर शैक्षणिक सत्र 2025-27 के लिए नामांकन होगा। परीक्षा को शांतिपूर्ण और कदाचारमुक्त कराने के लिए जिला प्रशासन ने तैयारी शुरू कर दी है। सभी केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरे की निगरानी में परीक्षा होगी। परीक्षा का एडमिट कार्ड पर्षद ने जारी कर दिया है। अभ्यर्थी इसे पर्षद की वेबसाइट से डाउनलोड कर सकते हैं।
इस बीच पर्षद ने एडमिट कार्ड में संशोधन को लेकर निर्देश जारी किया है। प्रवेश पत्र में अभ्यर्थी का नाम, माता-पिता का नाम, कोटि, जन्मतिथि जैसे विवरण शामिल हैं। यदि इनमें कोई त्रुटि है तो छात्र 14 मई 2025 तक स्वहस्तलिखित आवेदन पत्र सप्रमाण भेज सकते हैं। यह आवेदन निबंधित डाक, स्पीड पोस्ट, हाथों-हाथ या ईमेल के माध्यम से भेजा जा सकता है।

इमिग्रेशन कैटेगरी में प्रांशु को थॉट लीडरशिप अवार्ड

JAMSHEDPUR : दुनिया की मशहूर लॉ एंड लीगल रिसर्च कंपनी मोंडाक ने जमशेदपुर की प्रांशु सिंह को थॉट लीडरशिप अवार्ड से सम्मानित किया है। यह अवार्ड उन्हें इमिग्रेशन कैटेगरी में मिला है। मोंडाक यह पुरस्कार साल में दो बार स्प्रिंग और ऑटम में देता है। प्रांशु को यह अवार्ड स्प्रिंग सीजन में मिला है। जिस लेख के लिए उन्हें यह अवार्ड मिला, उसमें भारत और पुर्तगाल के बीच व्यापारिक संबंधों की चुनौतियों और अवसरों को नए नजरिए से प्रस्तुत किया गया है। यह अवार्ड 16 देशों के उन पेशेवरों को दिया गया है, जिनके लेख अक्टूबर 2024 से मार्च 2025 के बीच सबसे ज्यादा पढ़े गए। यह पुरस्कार 16 विषयों में दिया जाता है और इसे दुनिया का प्रतिष्ठित अवार्ड माना जाता है। प्रांशु फिलहाल दिल्ली में रहती हैं और हम्मुराबी एंड सोलोमन लॉ फर्म में कार्यरत हैं।

कृषि मंत्री ने एक करोड़ 17 लाख की योजनाओं का किया शिलान्यास

शिलान्यास करतीं मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS RANCHI : कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा शिक्षित समाज से ही विकसित समाज का सपना होगा पूरा होगा। उन्होंने कहा कि पढ़ेगा झारखंड तो बढ़ेगा झारखंड। इसी सोच को साकार करने की दिशा में मंत्री ने मांडर विधानसभा क्षेत्र के लापुंग प्रखंड में स्कूल भवन निर्माण का शिलान्यास किया। लापुंग प्रखंड के तीन सरकारी स्कूलों में एक करोड़ 17 लाख 82 हजार की लागत से भवन का निर्माण होगा। राजकीयकृत मध्य विद्यालय लापुंग में 55 लाख 94 हजार की लागत से आठ कमरे का भवन निर्माण होना है। जबकि राजकीयकृत उत्क्रमित उच्च विद्यालय डाड़ी में 30 लाख 94 हजार की लागत से चार कमरे का भवन और पीएम श्री अपग्रेडेड हाई स्कूल सरसा में 30 लाख 94 की लागत से चार कमरे का भवन निर्माण होगा। शिलान्यास कार्यक्रम के दौरान छात्रों के साथ-साथ अभिभावकों में उत्साह देखने को मिला। मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने इस मौके पर कहा कि भवन के अभाव में छात्रों के नामांकन की गति थम गई थी। मांडर विधानसभा क्षेत्र की जन प्रतिनिधि होने के नाते मेरा कर्तव्य है कि कोई भी बच्चा शिक्षा से अछूता ना रह जाए। आज जब स्कूल भवन निर्माण का शिलान्यास हुआ है तो निश्चित रूप से नामांकन प्रक्रिया को गति मिलेगी। मंत्री ने कहा कि हमेशा से ही सरकारी स्कूल शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन करते रहे है। राज्य के सरकारी स्कूल में शिक्षा ग्रहण करने वाले आज आईएएस, आईपीएस, डॉक्टर और इंजीनियर के पद पर कार्यरत है।

आपकी हर परेशानी को दूर करने का प्रयास करूंगा : मंत्री सुदिव्य कुमार

राज्यस्तरीय शहरी स्वयंसहायता समूहों के साथ परिचर्चा का हुआ आयोजन

PHOTON NEWS HAZARIBAG : डीएवाई-एनयूएलएम योजनांतर्गत गठित स्वयंसहायता समूहों के सदस्यों के साथ राज्यस्तरीय शहरी स्वयंसहायता समूहों के साथ गुरुवार को नगर भवन में परिचर्चा हुई। इसमें मुख्य अतिथि के रूप में नगर विकास एवं आवास विभाग के मंत्री सुदिव्य कुमार उपस्थित थे। अपने संबोधन में मंत्री ने कहा कि आपको अपने नेतृत्व का गुण दिखाते हुए बाकी महिलाओं को भी स्वयं सहायता समूह से जोड़ना है। आपमें 20 हजार के आंकड़े को बढ़ाकर 40 हजार करने की क्षमता है। हमें उम्मीद है कि आप इस लक्ष्य को जल्द ही हासिल कर लेंगी। उन्होंने कहा कि विभागीय

मंत्री सुदिव्य कुमार को स्मृतिचिह्न भेंट करतीं डीसी नैन्सी सहाय ● फोटोन न्यूज

मंत्री होने के नाते पूरी संजीदगी के साथ आपकी हर वह परेशानी को दूर करने का प्रयास करूंगा, जिससे आपको आपकी सफलता में बाधा उत्पन्न न हो। अब हमें एक नए ब्रांड के रूप में मार्केट में आना है, जिससे ई मार्केटिंग व खुले बाजार में अपने प्रोडक्ट को बेच सकें। प्रोडक्ट अगर मार्केट में सही तरीके से जाएगा, तो निश्चित रूप से आपको सफलता मिलेगी। हमें आधारभूत संरचनाओं का निर्माण करते हुए विकास करने पर ध्यान केंद्रित करना है। मंत्री ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि आधी आबादी पुरुषों के साथ कंधे से कंधे मिलाकर राज्य को प्रगति के मार्ग पर ले जाए, इसी उद्देश्य के साथ राज्य सरकार काम रही है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पुरुषों के साथ-साथ महिलाओं को भी स्वावलंबी बनाने की दिशा में कार्य कर रहे हैं। हमारी सरकार महिलाओं को उनके सपने को पूरा करने के साथ साथ उन्हें आर्थिक रूप से समृद्ध बनाने का पुरजोर प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि आज आपलोगों से परिचर्चा करने के बाद जाना कि शहरी क्षेत्र की महिलाएं आचार-पापड़ के अलावा भी बहुत सारे अन्य कार्य को करने में कुशल हैं। परिचर्चा में विभिन्न स्त्रोतों से आए सुझाव बहुत ही महत्वपूर्ण हैं।

स्वास्थ्य योजनाओं में लापरवाही न बरतें कर्मचारी: डीएसडब्ल्यूओ

तोरपा के आंगनबाड़ी केंद्र का निरीक्षण करतीं जिला समाज कल्याण पदाधिकारी

KHUNTI : जिला समाज कल्याण पदाधिकारी सुमन कुमारी ने आंगनबाड़ी संविकाओं और सेविकाओं को स्पष्ट निर्देश दिया कि स्वास्थ्य योजनाओं में किसी प्रकार की लापरवाही न बरतें। लापरवाही बरतने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। समाज कल्याण पदाधिकारी उपायुक्त के निर्देश पर गुरुवार को तोरपा प्रखंड के हुसिर आंगनबाड़ी केंद्र में आयोजित ग्राम स्वास्थ्य, पोषण एवं स्वच्छता दिवस (वीएचएसएनडी) का निरीक्षण कर रही थी। निरीक्षण के दौरान उन्होंने छोटे बच्चों, गर्भवती महिलाओं एवं धात्री महिलाओं को दी जा रही स्वास्थ्य सुविधाओं की समीक्षा की और कई आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जिला समाज कल्याण पदाधिकारी ने टीकाकरण, पोषण आहार वितरण, स्वास्थ्य जांच आदि व्यवस्थाओं का भी जायजा लिया और उपस्थित लाभुकों से बातचीत कर उनकी समस्याओं एवं आवश्यकताओं की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि सरकार की ओर से चलाई जा रही स्वास्थ्य योजनाओं का उद्देश्य हर लाभुक तक समुचित सुविधा पहुंचाना है।

पुलिस से उलझीं महिलाएं, 3 घंटे तक अस्पताल परिसर में मची रही अफरातफरी

मेडिकल कॉलेज की बाउंड्री को लेकर प्रशासन व ग्रामीणों में धक्का-मुक्की

- शाम को प्रशासन ने ग्रामीणों को वार्ता के लिए बुलाया, फिलहाल काम स्थगित

PHOTON NEWS DHANBAD : शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल परिसर में बाउंड्रीवाल बनाने को लेकर जबरदस्त हंगामा हुआ। पुलिस के साथ धक्का मुक्की भी हो गई। अस्पताल से सटे कोचकोचा कुली बस्ती की महिलाओं और पुरुषों ने बाउंड्रीवाल का विरोध किया। प्रशासन की निगरानी में भवन प्रमंडल विभाग की ओर से गुरुवार को बाउंड्रीवाल बनाने के लिए पोकलेन मंगाई गई थी, जिसके बाद स्थानीय लोगों के भारी विरोध के कारण काम बंद हो गया। सुबह 11 से दोपहर 1 बजे तक पूरे अस्पताल परिसर में अफरातफरी मची रही। भारी संख्या में पुलिस बल बुलाया गया। स्थानीय महिलाएं कार्यस्थल के पास ही लेट गईं और काम करने का विरोध करने लगीं। महिला पुलिस ने सभी को इधर-उधर हटाना शुरू किया। इस मौके पर एडीएम पीयूष, डीएसपी और स्थानीय थाना की पुलिस कैंप किए हुए है। लोगों की भीड़ हटाने के लिए अग्निशमन विभाग की ओर से दमकल मंगाया गया है। फिलहाल प्रशासन की ओर से काम रोक दिया गया है और शाम को ग्रामीणों को वार्ता के लिए बुलाया गया।

हंगामा करतीं महिलाएं व चारदीवारी बनाने के लिए गड्ढा खोदता बुलडोजर ● फोटोन न्यूज

महिलाओं ने कहा, हमारी जमीन पर अस्पताल बना, अब हम कहां जाएंगे

विरोध कर रही महिलाओं ने कहा कि जब मेडिकल कॉलेज जहां नहीं बना था, तब से यह रास्ता है। काफी दिनों से सबकी रोजी-रोटी चल रही है। हमलोगों की जमीन पर ही मेडिकल कॉलेज बनाया गया है। जमीन का मुआवजा भी हमलोगों को नहीं मिला। हम लोग बगल में दुकान चलाकर किसी तरीके से जीविका चला रहे हैं। लेकिन, यहां पर बाउंड्रीवाल और रिवाल्विंग गेट लगाने की बात कही जा रही है। जबकि, इसी रास्ते में काफी संख्या में दुकानें हैं, जिससे हमलोग अपना पेट भरते हैं। ऐसे में किसी भी सूरत में हमलोग गेट नहीं लगने देंगे। बाउंड्रीवाल भी नहीं बनने देंगे।

प्रशासन ने कहा, नहीं होगी परेशानी, जारी रहेगा काम

इस मौके पर मौजूद ड्यूटी मजिस्ट्रेट रामप्रवेश ने कहा कि ग्रामीणों को किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं होगी। यहां पर रिवाल्विंग गेट लगाया जा रहा है। पूर्णत बाउंड्रीवाल नहीं बनाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि यह सुरक्षा की दृष्टि से किया जा रहा है। अस्पताल परिसर में मरीजों के अलावा डॉक्टर और महिला कर्मचारियों की भी सुरक्षा जरूरी है। फिलहाल काफी संख्या में पुलिस बल मौके पर मौजूद हैं। वहीं ग्रामीण भी अड़े हुए हैं। ग्रामीणों ने इसकी सूचना कई जनप्रतिनिधियों को भी दी है, लेकिन अभी तक कोई नहीं आया है।

खेती-बाड़ी के लिए हर सुविधा मुहैया कराई जाएगी : सांसद

KHUNTI : खूंटी के सांसद कालीचरण मुंडा ने किसानों को आश्वस्त किया है कि खेती-बारी के लिए जिन सुविधाओं की आवश्यकता है, उसे पूरा किया जाएगा। उन्होंने किसानों को आह्वान कियसा कि वे उन्नत और वैज्ञानिक खेती के माध्यम से अधिक से अधिक खेतीकारी करें और आत्म निर्भर बनें। सांसद कांग्रेस कार्यकताओं के साथ गुरुवार को तोरपा प्रखंड की दियांकेल पंचायत के मनहातू गांव की ग्रामसभा में पहुंचे। 144 परिवार वाले गांव में ग्रामसभा की बैठक चबूतरे में चल रही थी। सांसद भी ग्रामीणों के साथ ग्रामसभा में बैठ गए और गांव के लोगों से उनकी समस्याओं की जानकारी ली। सांसद ने गांव में घूमकर वहां की सड़कों, जलस्रोतो और स्कूल की हालत को भी देखा। ग्रामसभा को संबोधित करते हुए सांसद ने कहा कि खेतों को हमेश हरा-भरा रखें। उन्होंने ग्रामसभा के लोगों को बताया कि रांची जिले के बेड़ो-मांडर के गांवों और तोरपा के गांवों की भौगोलिक स्थिति लगभग एक समान है। उन्होंने किसानों से बेड़ो-मांडर के किसानों की तरह ही मेहनत कर खेतों में फसल उगाने का आह्वान किया। सांसद ने कहा कि उनका गांव खूंटी-सिमडेगा रोड से कुछ ही दूरी पर अवस्थित है, इसके बावजूद आज तक गांव में पक्की सड़क नहीं बनी।

आतंक पर भारत का सटीक प्रहार

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को जो हुआ, उसे दुनिया ने देखा और हर देशभक्त की आंखें उस दिन नम थीं अपने भारतीय नागरिकों के लिए। देशभर से एक ही आवाज उठ रही थी कि पाकिस्तान के इस आतंकपरस्त कदम का भारत सटीक जवाब दे। इसके बाद जिस तरह से कूटनीतिक स्तर पर मोदी सरकार ने एक के बाद एक कदम आगे बढ़ाए और अंतिम कदम के रूप में यूनाइटेड नेशन सिक्योरिटी काउंसिल (यूएनएससी) की मीटिंग में पाकिस्तान से जैसे तीखे सवाल किए गए, जिनके जवाब देते उसे नहीं बना। उसके बाद सीधे भारत का पाकिस्तान में नौ जगहों पर मिसाइलों से हमला करना आज यह बताने के लिए प्रयाप्त है कि भारत अब अपने हितों के लिए किसी भी सीमा तक जा सकता है। यदि कोई उसे आंख दिखाएगा तो उन आंखों को फोड़ देने में उसे देर नहीं लगनेवाली है। वास्तव में 6 मई को मध्य रात्रि के बाद भारतीय सेनाओं की आतंकवाद के विरोध में की गई सयुक्त कार्रवाई प्रत्येक भारतवासी को आत्मगौरव से भर रही है। वैसे भी पराक्रम का स्वभाव ही है कि वह उत्साह से भर देता है। पहलगाम हमले के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा ही था कि आतंक को इस बार ऐसा जवाब दिया जाएगा, जो कल्पना से परे होगा और आर्तकियों को मिट्टी में मिलाने का काम किया जाएगा और वही हुआ। इस हमले में भारत ने 100 से ज्यादा आर्तकियों को मारा है। इसके साथ ही भारत ने एक संदेश यह भी दिया है कि यदि पाकिस्तान ने फिर से कोई कायराना हरकत की तो भारत पुनः इस तरह का कदम उठाएगा। इसके साथ ही भारत के 'ऑपरेशन सिंदूरह्न सर्जिकल स्ट्राइक पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ने जो प्रतिक्रिया दी है, इससे पहले रूस का भारत को समर्थन देना हो या यूरोपियन देशों समेत कई मुस्लिम देशों से प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष भारत को साथ मिलना हो, यह सभी कदम पूरी तरह से भारत के पक्ष में जाते हैं। दूसरी ओर पाकिस्तानी सेना के प्रवक्ता ने पुष्टि की है, भारत ने मुजफ्फराबाद, कोटली और बहावलपुर में हमले किए हैं। जब एक दिन पहले यूनाइटेड नेशन सिक्योरिटी काउंसिल (यूएनएससी) में पाकिस्तान से पूछा जा रहा था कि क्या पहलगाम अटैक में लश्कर-ए-तैयबा शामिल था तब इस प्रश्न का कोई जवाब पाकिस्तान नहीं दे पाया था। दूसरे ही दिन भारत ने इसका उत्तर आतंक पर मिसाइलें दाग कर दे दिया। वस्तुतः भारतीय सेना ने पाकिस्तान के बहावलपुर में जैश-ए-मोहम्मद के हेडक्वार्टर को निशाना बनाया है। मुरीदके में लश्कर-ए-तैयबा के हेडक्वार्टर पर हमला किया। मुरीदके में ही लश्कर का मरकज-ए-तैयबा परिसर है, जहां आर्तकियों को ट्रेनिंग दी जाती है। इसके अलावा भारत ने मुजफ्फराबाद में बिलाल मस्जिद और कोटली में अब्बत मस्जिद को निशाना बनाया है। फिर मुजफ्फराबाद में हिजबुल मुजाहिद्दीन के अड्डे को निशाना बनाया। इसी तरह से कोटली में टेरर कैंप, भिंबर में टेरर लॉन्च पैड, गुलपुर में टेरर लॉन्च पैड, चक अमरू में टेरर लॉन्च पैड और सियालकोट में आतंकी कैंप को निशाना बनाया है। इसे यदि और गहरी स्पष्टता के लिए समझें तो मरकज सुब्हान अल्लाह, बहावलपुर - जैश-ए-मोहम्मद का प्रमुख अड्डा। सरजल, तेहरा कलां - जैश-ए-मोहम्मद का दूसरा अड्डा। मरकज अब्बास, कोटली - जैश-ए-मोहम्मद का तीसरा आतंकी ट्रेनिंग स्थान। सैयदना बिलाल कैंप, मुजफ्फराबाद - जैश-ए-मोहम्मद के चौथे स्थल। मरकज तैयबा, मुरीदके - लश्कर-ए-तैय्यबा का प्रमुख स्थान। मरकज अहले हदीस, बरनाला - लश्कर-ए-तैय्यबा का दूसरा प्रमुख स्थल। शावई नाला कैंप, मुजफ्फराबाद - लश्कर-ए-तैय्यबा का तीसरा बड़ा प्रमुख आतंकी अड्डा। महमूना जोया, सियालकोट - हिजबुल मुजाहिद्दीन के आतंकी ट्रेनिंग स्थल और मस्कर राहील शाहिद, कोटली - हिजबुल मुजाहिद्दीन का दूसरा बड़ा आतंकी स्थल है, जहां पर यह भारत की एयर स्ट्राइक की गई है। कुल मिलाकर यहां जो स्पष्ट रूप से दिखाई दिया है, वह है कि भारतीय सेना ने जैश-ए-मोहम्मद, हिजबुल मुजाहिद्दीन और लश्कर-ए-तैयबा जैसे तीन प्रमुख आतंकवादी संगठनों के ठिकानों पर सटीक हमला किया है, जिसमें इन आतंकी संगठनों के ठिकाने बहुद हद तक तबाह हुए हैं। पूरी कार्रवाई भारतीय सशस्त्र बलों ने 'ऑपरेशन सिंदूर' नाम से की है। भारतीय सेनाओं के संयुक्त बयानों से यह स्पष्ट कर दिया गया है कि पाहलगाम आतंकवादी हमले का बदला लेते हुए, इन नौ ठिकानों को निशाना बनाया गया है। ये वही ठिकाने हैं, जहां से भारत पर आतंकी हमलों की साजिश रची जा रही थी और उन्हें अंजाम दिया जा रहा था। भारत अपने ऊपर होने वाले किसी भी वार को नहीं सहेगा, बल्कि उसका कठोरतम तरीके से जवाब देता रहेगा। यहां यह भी देखने में आया ही कि ऑपरेशनसिंदूर सर्जिकल स्ट्राइक से पूर्व भारतीय सेना ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक पोस्ट कर संकेत साफ दे दिया था कि अब वह कुछ बड़ा करने जा रही है। इसमें लिखा ही था, 'प्रहाराय सन्निहिताः, जयाय प्रशिक्षिताः'! मतलब साफ था कि पहलगाम हमले का बदला आज ही लिया जाएगा। और वह अब ले लिया गया है। वहीं, भारतीय सेना का यह कहना कि पाकिस्तानी सैन्य ठिकाने को निशाना नहीं बनाया गया, आतंकी ठिकाने को निशाना बनाया गया है। यह स्पष्ट कर देता है कि भारत की लड़ाई किसी देश से नहीं, सीधे आतंकवाद के विरोध में है। फिर भी यदि पाकिस्तान की तरफ से कुछ भी भारत के विरोध में कोई बड़ा कदम उठाया जाता है तो भारत की तरफ से संकेत साफ है कि इससे भी भयंकर अटैक भारत अपनी ओर से करने के लिए तैयार है। निःसंदेह जिनसे बचना पाकिस्तान के लिए कहीं से भी संभव नहीं होगा। इसके साथ ही आज की कार्रवाई पहलगाम में आतंकी हमले के वक्त आतंकवादियों की भारतीय प्रधानमंत्री के नाम संपूर्ण भारत की संप्रभुता को दी गई उस चुनौती को भी याद दिलाती है, जिसमें पुरुष पर्यटकों को धर्म देखकर गोली मारते वक्त इन आतंकियों ने कहा था कि मोदी को बता देना।

एक बीमारू राज्य को विकसित करने में जुटे हैं योगी

ANALYSIS

पंकज जगन्नाथ जयस्वाल

सीएम योगी जैसे संन्यासी के लिए यह कठिन काम, जिनकी कोई वंशवादी पृष्ठभूमि नहीं है, लेकिन एक मजबूत राष्ट्रवादी मानसिकता और कोई व्यक्तिगत मकसद नहीं है, उन्होंने पिछले आठ वर्षों के जन समर्थक, विकास समर्थक शासन में महत्वपूर्ण प्रभाव डाला है। यही बीमारू राज्य अब आर्थिक रूप से दूसरा सबसे विकसित राज्य है तथा कानून-व्यवस्था में बहुमूल्य सुधार हुआ है, जिसकी किसी ने इतने कम समय में कल्पना भी नहीं की थी। यदि कोई बेहतर प्रशासक के रूप में उनकी क्षमताओं का पता लगाना चाहता है तो बस प्रयागराज में हाल ही में संपन्न महाकुंभ का विश्लेषण कर ले। केवल 45 दिनों में 66 करोड़ व्यक्तियों ने दौरा किया, जो अमेरिका और कई यूरोपीय देशों की आबादी से अधिक था। यहां तक कि विकसित देश भी इस तरह के असामान्य, अप्रत्याशित आयोजन की सफलतापूर्वक कल्पना नहीं कर सकते। एक संन्यासी सामाजिक न्याय, आर्थिक विकास और धर्म के पालन के मामले में चमत्कार कर सकता है। विभिन्न विद्वानों, बुद्धिजीवियों और विश्वविद्यालयों को सीएम योगी की विशेषताओं, आंतरिक और बाहरी ताकत के बारे में जानने के लिए महाकुंभ पर गहन शोध करना चाहिए। उन्होंने किसानों, महिलाओं और व्यापारियों के शत्रु को उनकी राजनीतिक और अवैध रूप से अर्जित धन शक्ति की अनदेखी करके उन्हें मारकर या कैद करके पूरी तरह से अक्षम कर दिया है। जैसा कि उन्होंने दुनिया को सभी की सुरक्षा के लिए अपनी प्रतिबद्धता का प्रदर्शन किया और राज्य की कानून व्यवस्था की स्थिति में सुधार किया, निवेश में उल्लेखनीय वृद्धि हुई, जिससे यूपी दूसरे नंबर की आर्थिक स्थिति में पहुंच गया। उन्होंने वोट पाने के लिए प्रतिद्वंद्वी दलों के एकतरफा धर्मनिरपेक्षता के फर्जी एजेंडे को ध्वस्त कर दिया है। यदि वह अगले दस वर्षों के लिए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री बने रहते हैं, तो उत्तर प्रदेश 2030 तक भारत की 10 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान देगा। स्वच्छ भारत अभियान ने 2.62 करोड़ से अधिक शौचालय बनाए हैं, जिससे ग्रामीण घरों में स्वच्छता आई है। मुफ्त राशन वितरण : महामारी के दौरान, सरकार ने लगभग 14.7 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन वितरित किया, जिससे गरीबों की तकलीफें कम हुईं। उज्ज्वला योजना : 1.86 करोड़ से अधिक उज्ज्वला एलपीजी कनेक्शन वितरित किए गए हैं, जिससे घरों में स्वच्छ खाना पकाने के ईंधन को बढ़ावा मिला है। सभी के लिए आवास : पिछले आठ वर्षों में वंचितों के लिए 56 लाख से अधिक आवास बनाए गए हैं, जिससे जीवन स्तर में सुधार हुआ है। सात जिलों में पुलिस कमिश्नरेट की स्थापना, साथ ही विशेष सुरक्षा बल के गठन से कानून प्रवर्तन दक्षता में सुधार हुआ है। अपराध का मुकाबला : सरकार ने अपराधियों के खिलाफ सख्त रुख अपनाया है, जिसमें 222 से अधिक कुख्यात अपराधी मारे गए और मुठभेड़ों में 8000 से अधिक घायल हुए। महिला सुरक्षा : महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एंटी-रोमियो स्क्वॉड और तीन महिला पीएसी बटालियन की स्थापना की गई। इसके अलावा, महिलाएं अब रात के समय पीआरवी (पुलिस रिस्पांस व्हीकल) का इस्तेमाल कर सकती हैं। योगी सरकार ने शहरी विकास का नेतृत्व किया है, 125 नई नगर पालिकाओं की स्थापना की है और 17 शहरों को स्मार्ट सिटी में बदल दिया है। मेट्रो कनेक्टिविटी : नोएडा, ग्रेटर नोएडा, लखनऊ, कानपुर और आगरा जैसे प्रमुख शहरों ने मेट्रो सेवाओं को लागू किया है, जिससे सार्वजनिक परिवहन में काफी सुधार हुआ है। इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट : छह एक्सप्रेसवे के निर्माण और 11 और के लिए जारी परियोजनाओं के साथ, राज्य की कनेक्टिविटी में काफी सुधार हुआ है। गौतम बुद्ध नगर में आगामी जेवर हवाई अड्डा, साथ ही हवाई अड्डों के मामले में देश के शीर्ष के रूप में राज्य की स्थिति महत्वपूर्ण उपलब्धियां हैं। उत्तर प्रदेश में कृषि क्षेत्र 8.6% से बढ़कर 13.7% की दर से बढ़ा है। राज्य वर्तमान में भारत का सबसे बड़ा फल और सब्जी उत्पादक है, जो प्रति वर्ष 4 करोड़ टन से अधिक उत्पादन करता है। किसानों को पीएम कुसुम परियोजना के तहत 76,189 सौर पंप मिले हैं, जिससे खेती के संचालन को और अधिक टिकाऊ बनाया जा सकेगा। बाजार आधुनिकीकरण : 27 नई मंडियों (बाजारों) का आधुनिकीकरण किया गया है, जिससे किसानों को बेहतर मूल्य प्राप्ति हुई है। सरकार ग्रामीण क्षेत्रों के लिए 20 घंटे, तहसील क्षेत्रों के लिए 22 घंटे और जिला मुख्यालयों के लिए 24 घंटे बिजली प्रदान करती है। इसके अलावा, अयोध्या को सोलर सिटी और बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे को सोलर एक्सप्रेसवे में बदलने के लिए चल रहे प्रयास अक्षय ऊर्जा के प्रति प्रतिबद्धता को दशार्ते हैं। सब्सिडी और सुविधाएं : निजी ट्यूबवेल वाले किसानों को उनके बिजली बिलों पर 100% छूट मिलती है, और 24 घंटे के भीतर ट्रांसफार्मर बदलने की व्यवस्था लागू की गई है। राज्य एक महत्वपूर्ण पर्यटन स्थल बन गया है, कुंभ मेले के दौरान 66.3 करोड़ से अधिक भक्तों का स्वागत करता है और लगातार शीर्ष पर्यटन स्थल के रूप में रैंकिंग करता है। तीर्थ स्थल विकास : उल्लेखनीय उपलब्धियों में अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण, काशी की देव दीपावली का विस्तार और अयोध्या में विशाल दिवाली समारोह का समन्वय शामिल है। स्वास्थ्य क्षेत्र में सुधारों में सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज सुनिश्चित करना शामिल है। मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना ने लगभग 49 लाख परिवारों को मुफ्त स्वास्थ्य कवरेज की पेशकश की है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि स्वास्थ्य सेवा प्रणाली में कोई भी पीछे न रहे। चिकित्सा सुविधाओं का विस्तार : 5000 नए स्वास्थ्य उप-केंद्रों के विकास के साथ-साथ सभी 75 जिलों में मुफ्त डायलिसिस सुविधाओं के प्रावधान ने स्वास्थ्य सेवा की पहुंच बढ़ाई है।

एकीकृत और आध्यात्मिक रूप से प्रबुद्ध भारत की रखी नींव

शंकराचार्य छठी सदी के मध्य जन्मे थे। अतिविशिष्ट महानुभावों के जन्म स्थल और जन्मतिथि पर अक्सर विवाद रहता है। आरजी भंडारकर के अनुसार, शंकराचार्य का जन्म सन् 680 में हुआ था। प्रख्यात विद्वान मैक्समूलर के अनुसार, शंकर का जन्म साल 788 में हुआ था। यही तिथि मैकडनल को भी मान्य है। शंकराचार्य का जीवन अल्पकाल का था। इस अल्पकाल में उन्होंने दुनिया के सभी विद्वानों की तुलना में सभी विषयों पर बड़ा काम किया। ज्ञान और कर्म दोनों ही उनके जीवन में शीर्ष पर पहुंचे। डॉक्टर राधाकृष्णन ने भारतीय दर्शन (हिंदी अनुवाद पृष्ठ 384) में लिखा है कि बाल्यावस्था में ही 8 वर्ष की आयु में उन्होंने गहन अभिलाषा प्रसन्नता के साथ सब वेदों को कंठस्थ कर लिया था। वे प्रकट रूप में वैदिक ज्ञान तथा स्वतंत्र प्रज्ञा से युक्त तेजस्वी व्यक्ति थे। वे संन्यासी हो गए थे, किंतु वीतरागी परिव्राजक नहीं थे। आचार्य गृहस्थ जीवन त्याग राग-द्वेष से मुक्त होकर एकांतवास करने वाले सामान्य योगी नहीं थे। मजेदार बात है कि दर्शन में संसार को मिथ्या सिद्ध करने वाले आचार्य शंकर संसार और समाज को सत्य और आनंद से भरने के लिए सक्रिय थे, इसलिए उन्होंने पूरे भारत का भ्रमण किया था। उन्होंने जगह-जगह प्रवचन किए। तर्क हुए। सत्य का विशुद्ध प्रकाश था उनके अंतस्तल में। एक आचार्य के रूप में उन्होंने स्थान-स्थान पर भ्रमण किया। विभिन्न मतों के नेताओं के साथ संवाद और शास्त्रार्थ हुए। परंपरागत वर्णनों के अनुसार, वे अपनी विजय यात्राओं में कुमारिल और मंडन मिश्र के संपर्क में आए। आगे चलकर मंडन मिश्र उनके शिष्य बने। अमरूक के मृत शरीर में शंकर के प्रवेश करने की कहानी यह प्रकट करती है कि शंकर योग संबंधी क्रियाओं में निपुण थे। उन्होंने राष्ट्र की सांस्कृतिक एकता के लिए चार मठों की स्थापना की। इनमें मुख्य मैसूर प्रांत में श्रृंगेरी में है। अन्य तीन मठ क्रमशः पूर्व में पुरी में, पश्चिम में द्वारका में और हिमालय प्रदेश में बद्रीनाथ में है। समूचे विश्व में दो दिन पहले प्रख्यात दार्शनिक शंकराचार्य की जयंती के उत्सव आयोजित हुए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आदि शंकराचार्य की जयंती के अवसर पर लोगों को संबोधित करते हुए बताया कि तीन वर्ष पूर्व सितंबर में उन्हें आदि शंकराचार्य के पवित्र जन्मस्थान का दौरा करने का सौभाग्य मिला था। आदि शंकराचार्य की भव्य प्रतिमा उनके संसदीय क्षेत्र काशी में विश्वनाथ धाम परिसर में स्थापित की गई है। प्रतिमा आदि शंकराचार्य के विशाल आध्यात्मिक ज्ञान और शिक्षाओं के प्रति सम्मान है। प्रधानमंत्री ने उत्तराखंड के पवित्र केदारनाथ धाम में आदि शंकराचार्य की दिव्य प्रतिमा का अनावरण करने का भी उल्लेख किया। मोदी ने रेखांकित किया कि केरल से निकल कर आदि शंकराचार्य ने देश के विभिन्न भागों में मठों की स्थापना करके राष्ट्र की चेतना को जगाया। उन्होंने एकीकृत और आध्यात्मिक रूप से प्रबुद्ध भारत की नींव रखी। शंकराचार्य ने भारत के अद्वैत दर्शन को लेकर तमाम अभियान चलाए थे। उन्होंने देश की सांस्कृतिक एकता के लिए लगातार अभियान चलाए। उत्तर, दक्षिण, पूरब, पश्चिम एकात्म ब्रह्म-दर्शन की धूम थी। शंकराचार्य विरल थे। अविश्वसनीय शिखर ऊंचाई से भी ऊंचे। पाताल की गहराई से भी गहरे। ब्रह्म की तरह प्रज्ञानी। उन्होंने अद्वैत दर्शन के सूक्ष्म सूत्रों का भाष्य किया। उन्होंने ज्ञान के समकालीन मानदंडों, विश्वास व प्राचीन सूत्रों का प्राचीन परंपराओं के साथ समन्वय किया। शंकराचार्य के समय की परिस्थितियां विचारणीय हैं। दक्षिण भारत में बौद्ध धर्म का ह्रास हो रहा था। जैन मत शिखर पर था। वैदिक परंपरा का भी ह्रास हो रहा था। शैव मतावलंबी भक्त (उदियार) और वैष्णव मत वाले भक्त (आलवार) भक्ति मार्ग का प्रचार कर रहे थे। मंदिरों में पूजा, पाठ, पर्व, त्योहार प्रचलित थे। कुमारिल और मंडन मिश्र ने अपने बौद्धिक ज्ञान के बल पर ज्ञान और संन्यास के महत्व को कम किया था। दोनों ने गृहस्थ आश्रम की उपयोगिता पर अधिक बल दिया था। इसी वातावरण में शंकराचार्य की प्रतिभा का विस्फोट हुआ था। वे सनातन धर्म के रक्षक थे और रूढ़ियों के विरोध में अभियान चला रहे थे। पूरे देश में वैदिक दर्शन की जगह पुराण ले रहे थे। शंकराचार्य ने पुराणों के प्रकाशमान स्वर्ग आकांक्षी युग के स्थान पर उपनिषदों के सत्य को फिर से लौटा लाने का अभियान चलाया। उन्होंने संपूर्ण भारत में धर्मसत्य को प्रवर्तित करने का काम किया। धर्म की शक्ति को बड़ा बताया। डॉ. राधाकृष्णन ने लिखा है कि उन्होंने अपने युग को धार्मिक दिशा में मोड़ने के प्रयत्न करने में अपने को विवश पाया। इसकी सिद्धि उन्होंने एक ऐसे दर्शन व धर्म की व्यवस्था द्वारा संपन्न की, जो बौद्ध धर्म, मीमांसा तथा भक्ति धर्म की अपेक्षा जनता की आवश्यकताओं को कहीं अधिक संतोषप्रद सिद्ध हो सकती थी। आस्तिकवादी सत्य को भावावेश के कोहरे से आवृत्त किए हुए थे। रहस्यवादी अनुभव प्राप्त करनेवाली अपनी प्रतिभा से संपन्न वे लोग जीवन की क्रियात्मक समस्याओं के प्रति उदासीन थे। मीमांसकों द्वारा कर्म के ऊपर दिए गए बल से एक आत्मविहीन क्रिया-कलाप का विकास हुआ। वस्तुतः धर्म जीवन के अंधकारमय संकटों का सामना करके केवल उसी अवस्था में जीवित रह सकता है, जब यह उत्तम विचार का उत्तम परिणाम हो। शंकर की सम्मति में अद्वैत दर्शन ही एकमात्र परस्पर विरोधी संप्रदायों में निहित सत्य है। वही उसकी न्यायोचितता का प्रतिपादन कर सकता है। उन्होंने अपने सब ग्रन्थों का निर्माण एक ही उद्देश्य को लेकर किया अर्थात जीवात्मा को ब्रह्म के साथ अपने एकत्व को पहचानने में सहायक सिद्ध होने के लिए और यहीं इसी संसार में मोक्ष प्राप्ति का उपाय है।

Social Media Corner

सच के हक में...

हम चाहते थे कि इस सर्वदलीय बैठक में प्रधानमंत्री जी भी आएं और संक्षिप्त में अपनी बात रखें कि किस तरह भारत ने आतंकवाद के खिलाफ एक्शन लिया और हमारे जवानों ने हिम्मत दिखाई। हम हमारे जवानों को सलाम करते हैं और उनका अभिनंदन करते हैं। हम चाहते थे कि प्रधानमंत्री खुद आकर सारी बातें बताते, जिससे सभी को उसका लाभ मिलता। वे पिछली सर्वदलीय बैठक में भी नहीं आए थे, ये बड़े दुख की बात है।

(मल्लिकार्जुन खड़गे का 'एक्स' पर पोस्ट)

हेमंत सोरेन जी ने प्रतिवर्ष जेपीएससी परीक्षा कराने का वादा किया था, लेकिन स्थिति यह है कि मुख्य परीक्षा के 10 महीने बीत जाने के बाद भी आज तक रिजल्ट जारी नहीं किया गया। छात्रों द्वारा महीनों तक आंदोलन किए जाने के बाद जेपीएससी अध्यक्ष पद की नियुक्ति की गई, तो अभ्यर्थियों के बीच थोड़ी आस जगी लेकिन नवनियुक्त अध्यक्ष रिजल्ट निकालने की दिशा में एक कदम भी आगे नहीं बढ़ा पाए हैं। हेमंत जी ने जेपीएससी में भ्रष्ट अधिकारियों और अपने चाटुकारिता करने वाले नेताओं के परिजनों को नियुक्त कर इसे पंगु बना दिया है।

(बाबूलाल मरांडी का 'एक्स' पर पोस्ट)

जरूरी है मीडिया का भारतीयकरण

यह 'शब्द हिंसा' का समय है। बहुत आक्रमक, बहुत बेलगाम। ऐसा लगता है कि टीवी न्यूज मीडिया ने यह मान लिया है कि शब्द हिंसा में ही उसकी मुक्ति है। चीखते-चिल्लाते और दलों के प्रवक्ताओं को मुर्गो की तरह लड़ाते हमारे एंकर सब कुछ स्क्रीन पर ही तय कर लेना चाहते हैं। यहां संवाद नहीं है, बातचीत भी नहीं है। विवाद और वितंडावाद है। यह किसी निष्कर्ष पर पहुंचने का संवाद नहीं है, आक्रामकता का वीभत्स प्रदर्शन है। निजी जीवन में बेहद आत्मीय राजनेता, एक ही कार में साथ बैठकर चैनल के दफ्तर आए प्रवक्तागण स्क्रीन पर जो दृश्य रचते हैं, उससे लगता है कि हमारा सार्वजनिक जीवन कितनी कड़वाहटों और नफरतों से भरा है, किंतु स्क्रीन के पहले और बाद का सच अलग है। बावजूद इसके हिंदुस्तान का आम आदमी इस स्क्रीन के नाटक को ही सच मान लेता है। लड़ता-झगड़ता हिंदुस्तान हमारा सच बन जाता है। मीडिया के इस जाल को तोड़ने की भी कोशिशें नदारद हैं। वस्तुनिष्ठता से किनारा करती मीडिया बहुत खौफनाक हो जाती है। हमें सोचना होगा कि आखिर हमारी मीडिया प्रेरणाएं क्या हैं। हम कहां से शक्ति और ऊर्जा पा रहे हैं। हमारा संचार क्षेत्र किन मानकों पर खड़ा है। पश्चिमी मीडिया के मानकों के आधार पर खड़ी हमारी मीडिया के लिए नकारात्मकता, संघर्ष और विवाद के बिंदु खास हो जाते हैं। जबकि संवाद और संचार की परंपरा में संवाद से संकटों के हल खोजने का प्रयत्न होता है। हमारी परंपरा में सही प्रश्न करना भी एक पद्धति है। सवालों की मनाही नहीं, सवालों से ही बड़ी से बड़ी समस्या का हल खोजना है, चाहे वह समस्या मन, जीवन या समाज किसी की भी हो। इस तरह प्रश्न हमें सामान्य सूचना से ज्ञान तक की यात्रा कराते रहे हैं। आज सूचना और ज्ञान को पर्याय बनाने के जतन हो रहे हैं। सच यह है कि सूचना तो समाचार, खबर या न्यूज का भी पर्याय नहीं है। सूचना कोई भी दे सकता है। वह कहीं से भी आ सकती है। सोशल मीडिया आजकल सूचनाओं से भरा हुआ है, किंतु ध्यान रखें खबर, समाचार और न्यूज के साथ जिम्मेदारी जुड़ी है। संपादकीय प्रक्रिया से गुजर कर ही कोई सूचना समाचार बनती है। इसलिए संपादक और संवाददाता जैसी संस्थाएं साधारण नहीं हैं। यह कहना आजकल बहुत फैशन में है कि इस दौर में हर व्यक्ति पत्रकार है। हर व्यक्ति फोटोग्राफर है। हर व्यक्ति कम्युनिकेटर, सूचनादाता, मुखबिर हो सकता है, वह पत्रकार कैसे हो जाएगा। मेरे पास कैमरा है, मैं फोटोग्राफर कैसे हो जाऊंगा। विशेष दक्षता और प्रशिक्षण से जुड़ी विधाओं को हल्का बनाने के हमारे प्रयासों ने ही हमारी मीडिया या संवाद की दुनिया को बहुत बड़ा नुकसान पहुंचाया है। यह वैसा ही है जैसे कपड़े प्रेस करने वाले या प्रिंटिंग प्रेस वाले अपनी गाड़ियों पर प्रेस का स्टिकर लगाकर घूमने लगें। मीडिया में प्रशिक्षण प्राप्त और न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता के बिना आ रही भीड़ ने अराजकता का वातावरण खड़ा कर दिया है। लोकमान्य तिलक, महात्मा गांधी, सुभाष चंद्र बोस, बाबासाहेब अंबेडकर, पं. जवाहरलाल नेहरू, मदनमोहन मालवीय, माधवराव सप्रे जैसे उच्च शिक्षित लोगों द्वारा प्रारंभ और समाज के प्रति समर्पित पत्रकारिता वर्तमान में कहां खड़ी है। भारत सरकार के आग्रह पर प्रेस काउंसिल ऑफ इंडिया ने पत्रकारों की न्यूनतम शैक्षिक योग्यता के निर्धारण के लिए एक समिति भी बनाई थी, जिसके समक्ष मुझे भी अपनी बात रखने का अवसर मिला था। बाद में उस कवायद का क्या हुआ, पता नहीं। समाज की रुचि का परिष्कार और रुचि निर्माण भी मीडिया की जिम्मेदारी है। अपने पाठकों, दर्शकों को समय के ज्वलंत मुद्दों पर अपडेट रखना, उनकी बौद्धिक, नागरिक चेतना को जागृत रखना भी मीडिया का काम है, जबकि देखा यह जा रहा है कि पाठकों की पसंद के नाम पर कंटेंट में गिरावट लाने की स्पर्धा है। ऐसे कठिन समय में मीडिया के दायित्वबोध और सरोकारों पर बातचीत बहुत जरूरी है। प्रिंट मीडिया ने भी साहित्य, कलाओं, प्रदर्शन कलाओं और मनुष्य बनाने वाली सभी विधाओं को अखबारों से निर्वासन दे दिया है। मीडिया सिर्फ दर्शक बना रहे यह भी ठीक नहीं। उसे राष्ट्रीय भावना और जनपक्ष के साथ खड़े रहना चाहिए।

अहम किरदार

साल 1931 के बाद पहली बार जनगणना भारत के लोगों की जाति दर्ज करेगी, लेकिन इस बात को लेकर सवाल बने हुए हैं कि इन आंकड़ों का भारत की सकारात्मक कार्रवाई कार्यक्रमों पर किस हद तक असर होगा। अभी तक दशकीय जनगणनाओं ने नागरिकों को अनुसूचित जाति (एसएसी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) के रूप में और धर्म के अनुरूप श्रेणीबद्ध किया है। एससी, एसटी, और अन्य पिछड़े वर्गों (ओबीसी) के लिए आरक्षण के कई दशकों में इस बात को लेकर चिंता रही है कि इन समूहों के भीतर कौन से समुदाय और व्यक्ति फायदे ले पाने में सक्षम हैं। आर्थिक रूप से बेहतर तबकों को आरक्षण कोटे से हटाने के लिए क्रीमीलेयर की मांग, और यह सुनिश्चित करने के लिए छोटे या ज्यादा पिछड़े समुदाय वंचित न रह जाएं, उप-श्रेणीकरण की मांग को नैतिक व राजनीतिक वैधता हासिल हुई है। पिछले अगस्त में भारत के सुप्रीम कोर्ट ने एससी व एसटी के भीतर उप-श्रेणीकरण का रास्ता साफ कर दिया और न्यायमूर्ति जी. रोहिणी आयोग ने ओबीसी के भीतर उप-श्रेणीकरण को जांचने के लिए साल 2023 में अध्ययन पूरा किया। सुप्रीम कोर्ट के फैसले ने उप-श्रेणीकरण के मुद्दे पर एससी व एसटी समुदायों के बीच तुरंत तीखी विभाजन रेखा खींच दी और आयोग की रिपोर्ट में कुछ अप्रत्याशित सामने आने की संभावना ने सरकार को उसके निष्कर्षों को छुपाकर रखने पर मजबूर किया है। जातिगत समूह राजनीतिक और सामाजिक जीवन के निर्धारक बने हुए हैं और विकास की ज्यादा कारगर प्लानिंग के लिए इन पर तथ्यात्मक आंकड़े आवश्यक हैं। हालांकि, सामाजिक समूहों को विभाजित करने और उन्हें नया नाम देने के जरिए बढ़ी हुई प्रातिनिधिकता की तलाश एक अनंत प्रक्रिया हो सकती है और कोई न कोई समूह इससे हमेशा असंतुष्ट रह सकता है। दूसरी चुनौती संचालन को लेकर है कि एक ऐसे देश में जहां जाति आधारित दावे बेशुमार हैं, वहां जाति गणना किस तरह की जानी चाहिए।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

A call for collective sanity in these violent times

It is not easy to come out of the shock, pain and anger that the recent terrorist attack at Pahalgam in Jammu and Kashmir has caused to our collective consciousness. And, as many suspect the involvement of Pakistan in this brute act, the mass psychology of revenge seems to have affected the public sentiment. Yes, it is for the Indian state, and associated officials, foreign policy strategists and army personnel to decide the way the entire gang of terrorists and their sponsors are punished and eliminated.Yet, as a teacher/educator, I dare to be contemplative, and ask myself a difficult question: Can our 'legitimate' violence be necessarily appreciated as the most appropriate response to their illegitimate violence? Or, is there any other way to acknowledge the roots of this violence, and move towards a state of collective sanity through self-reflexive education and mass awakening?

As teachers, we have some responsibility to communicate with the young generation, urge them not to get carried away by the instinctive urge for revenge and problematise what these days we have almost normalised. In this context, let me make three observations.First, whenever a crisis of this kind erupts, the proponents of hyper-nationalism become super active. And as an emotion, hyper-nationalism is immensely addictive because it simplifies a complex phenomenon, creates binaries, popularises conspiracy theories, negates the possibility of authentic self-critique and demonises the 'enemies' of the nation for every problem it confronts. While the ruling regime loves the gospel of this ideology of binaries to hide its own failures, we, as ordinary citizens, are almost hypnotised to think that our 'enemies' — say, Pakistan, or 'separatists' in Kashmir, or the Muslim population in general — cause all sorts of problems; and if we succeed in eliminating these enemies, we would live in peace forever! No wonder, the stimulation of hyper-nationalism, far from restoring sanity and the spirit of dialogue, takes us to a never-ending chain of violence vs counter-violence.Second, the discourse of hyper-nationalism, as we are witnessing, is sustained by yet another dangerous practice of religious fundamentalism. In fact, the practice of religious fundamentalism robs religion of the religiosity of love and compassion, or the spiritual quest for the oceanic merger of the temporal and the eternal, form and formlessness, or the finite and the infinite. Instead, it blinds our visions, and makes us think that it is only our religion that is supreme, and all those who adhere to different faiths are necessarily our enemies and potential sources of cultural contamination. When the terrorists killed innocent people on the basis of their religious identities at Pahalgam, we could see a close link between terrorism and religious fundamentalism. But then, there is a great danger, if in order to cope with this sort of Islamic fundamentalism, we too are tempted to fall into the same trap. Is it, therefore, surprising that at this crucial moment, a group of militant Hindu nationalists are provoking us so that we begin to see every Muslim as a potential enemy of the nation? Likewise, when every Kashmiri Muslim is reduced to an object of perpetual surveillance or military gaze, we reproduce the same ideology of violence.Third, it is high time we began to interrogate militarism as an answer to terrorist violence. War is not fun; war is not a television spectacle; and war, far from solving a problem, intensifies it further. Yes, the wound it causes does not heal easily. Even if the narcissistic ego of a nation seeks to manifest itself through its military power, missiles, bombs and nuclear weapons, the celebration of militarism brutalises our consciousness and negates the possibility of dialogue, reconciliation and peace.

In recent times, we have witnessed the devastating effect of the Russia-Ukraine war, or, for that matter, the Israel-Palestine war. And despite a series of wars with Pakistan, Indo-Pak relationship remains tension-ridden. The 'victory' in a bloody war might help the power-hungry politicians to win another election.

The disastrous consequences of playing with rivers

Stopping the water flow of the Indus may be a smart diplomatic move, but playing with the river's course could prove hazardous in the long run.

THE painting, 'At the Water's Edge' (1890), by Paul Cézanne is a study of light and reflection where the composition threatens to dissolve into patches of colour. I am not sure what he had in mind when he gave the title, but Kashmir's Pahalgam massacre has pushed the two neighbouring and warring nations, India and Pakistan, at the water's edge over River Indus, that lends its name to India and the subcontinent from the original Tibetan and Sanskrit Sindhu.Rising in southwestern Tibet near Lake Mapam at 18,000 feet, the gorgeous Indus is one of the largest river systems that has flowed through millennia, often shifting its course, like rivers do.I haven't seen many paintings of the Indus river, except one by Singaporean artist Choo Keng Kwang and another of the 'Hyderabad Fort across Indus River' by RM Grindley (1808) at the Victoria and Albert Museum. But we have seen many photographs and it is a terrifyingly stunning landscape across glaciers and gorges that reach depths of 17,000 feet, flowing across mountain ranges and plains, entwining nation states and civilisations within its embrace.In recent years, there has been a lot of writing about rivers and their histories and what they mean to people. In one of my curatorial efforts around an edition of 'ArtEast', a festival around art and livelihood, we decided to explore the Ganga and the Brahmaputra. In one of the sessions, I recall a speaker referring to the book 'The Conquest of Nature' by the great British historian of Germany, David Blackbourn, who posits a question on the conquest of nature: When do you decide to conquer nature? "The very idea of conquering nature has, within it, a lot of assumptions about the power of technology, the power of humanity and a very different kind of attitude to the river as an entity."Now that India wants to weaponise the Indus, we could return to Blackbourn, who wrestles with this question: How can we pretend to know how a river thinks, even if we were to assume that the river is an entity?But we can surely attempt to find out what people think about rivers. The people who live along these rivers. That led us to begin a series of conversations, River Dialogues, to try and revive the river imagination not just through measuring cusecs of water, but through flora and fauna, music, invoking folklore and creation myths.

We know the disastrous consequences of playing with rivers. Over the last 200 years, attempts to transform the Nile have not worked. The building of the great dam of Aswan cut off the flow of silt which kept the delta of the Nile fertile. Not only that, it also led to the spread of Bilharzia or Schistosomiasis, a deadly disease spread by snails, and it helped in the growth of malaria.

A dammed river is no longer a river. And increasingly, a river, as ecologists continuously remind us, is a living entity and, as Blackbourn writes: The "conquest of water led to a decline in biodiversity and brought damaging invasive species…. Hydrological projects also wiped out human communities, and with them valuable forms of knowledge: carefully calibrated ways of living with and from the water."While the Pakistan army chief made a provocative statement a few days before the Pahalgam massacre, saying that Kashmir is the "jugular vein of Pakistan", in reality, it is the Indus that threatens to push the two nations to a war-like situation.In addition to the routine military posturing and tactical ground operations, India, the upper riparian state, has decided it would hold the Indus Waters Treaty (IWT), in place since 1960, "in abeyance." This is a first in many India-Pakistan face-offs.For decades, security experts have been apprehensive of water wars and this could well be a tester. However, suspending the treaty is not the same as saying water will not flow down the Indus river. Though the Jal Shakti Minister of India has used his right of political rhetoric to threaten Pakistan, saying not a drop of the Indus waters would be given, most of us know that it is not possible to suddenly stop the flow. In 2016, India warned that "blood and water cannot flow together" following a militant attack in Kashmir, but China reportedly came to Islamabad's rescue by blocking a tributary of the Tsangpo.

India has only run-of-the-river hydro-projects that cannot store such a large amount of water nor does the Indus Waters Treaty allow for that. This could well be a diplomatic bait to renegotiate the treaty and allow building of infrastructure for the storage of water. Currently, India can't utilise more than 20 per cent of the water of the Indus basin due to inadequate capacity. It also runs the risk of flooding its own geography.

Since 2022, India and Pakistan haven't convened any meetings to resolve the water disputes. In 2023, India proposed the treaty be renegotiated, with changing demographic and climate conditions.

Diverting rivers also means price of the water. To divert water is expensive and may not be feasible. Even China has been hesitant about diverting the Tsangpo water.

The Indus wasn't waiting for Pahalgam. Parineeta Dandekar from South Asia Network on Dams, Rivers and People (SANDRP) writes: "The war with climate change is already going on with massive changes in hydrology in Indus basin in general and Chenab basin in particular."

The Chenab basin has the largest number of completed, under-construction and planned hydropower projects among the western rivers of the Indus basin in India. Any hasty decisions to push for more reservoirs and dams without cumulative studies will push both India and Pakistan to the brink of a natural disaster.

Based on an extensive travel and fieldwork in 2024 from the origin of the Chenab to Akhnoor, where the river exits India, community interviews, review of government reports and scientific studies in the Chenab basin, Chenab headwaters and communities, the report by SANDRP cautions development of any large projects in a place that is seismically active and has been witnessing repeated climate disasters.Hydro engineering in this fragile terrain has irreversible geological and ecological consequences for the river and various entities that live within and around the rivers, and for the people who live along the river, downstreamand upstream.

People living in areas around the origin of the diversion will also suffer and millions could be displaced. Stopping the water flow may be a smart diplomatic move, but playing with the river's course could prove hazardous in the long run.

Keep it up, judiciary

SC stress on transparency is laudable

INCESSANT public scrutiny has prompted the higher judiciary to take proactive steps for ensuring greater transparency and accountability. Weeks after Vice-President Jagdeep Dhankhar expressed outrage over what he perceived to be judicial overreach and opacity, the Supreme Court has made public the entire process of appointments to the high courts and the apex court, uploading the details on its website. The names of judges recommended by the collegium, their relation to sitting or retired judges of the SC or high courts, the inputs received from the Central and state governments — it's all there in black and white, readily accessible to everyone. What's more, the SC has uploaded statements of its judges' assets, a month after a full-court decision was taken to publicly disclose the specifics.The exercise, carried out "for the knowledge and awareness" of the people, will go a long way towards boosting public confidence in the judiciary. This institution, a vital pillar of the State, has of late been targeted not only by Dhankhar but also by BJP MP Nishikant Dubey, who accused the Supreme Court of taking the country towards anarchy and blamed the Chief Justice of India for ongoing "civil wars". Even though the apex court has refused to entertain a plea seeking contempt action against Dubey, the blatant attempts to undermine the authority of the judiciary don't augur well for our democracy; they must be condemned in the strongest terms.The push for transparency is also aimed at warding off the detractors of the collegium system of judicial appointments. Allegations of nepotism have turned the spotlight back on the National Judicial Appointments Commission (NJAC) Act, which was struck down as "unconstitutional" by the SC in 2015. At stake is the independence of the judiciary, which is being criticised by the executive and the legislature to hide their own shortcomings. The Supreme Court is doing well by standing firm in the face of these challenges.

A bigger piece of the Apple pie

A window of opportunity for India to become a global hub of consumer electronics

A critical milestone is set to be reached in consumer electronics, with most of Apple's iPhones meant for the US to be sourced from India in the April-June quarter this year. This does not mean that China will cease to be the dominant player in the Apple ecosystem. But it does mean there is a window of opportunity for this country to develop into a consumer electronics hub for the world.

The rate of production and exports of iPhones has been rising exponentially in recent times. Latest data shows that exports of these devices have virtually doubled from Rs 28,500 crore in the January-March quarter of 2024 to Rs 48,000 crore during the same period this period. The aim is to source iPhones meant for the American market primarily from India, leaving China to supply to the rest of the world.The tech giant's anxiety to diversify the supply chain is a result of several unexpected developments over the past few years. The first was the altered environment in China during the pandemic as a fallout of the zero-Covid policy. Ties with the US had also become strained due to economic issues and tensions over Taiwan. Apple, which had placed its bets entirely on China till then, recognised the need to identify alternative investment sites in order to resume hassle-free operations. Like many other multinationals, it went ahead to implement a 'China Plus One' policy in the post-Covid era. The new strategy resulted in a spate of investments in India and Vietnam.

The second unforeseen event that brought about a renewed urgency in shifting operations is the tariff policy unleashed by Donald Trump after taking over as US President. As of now, it seems that countries other than China would have a tariff advantage in the American market. Apple CEO Tim Cook has categorically stated that most iPhones delivered to the US in future would come from India. Other devices like the iPad, Mac and AirPods would be supplied from Vietnam. Yet India looks set to become the tech leader's second major manufacturing hub, after China.

What is interesting is that till recently, Apple had little interest in investing in India or even exploiting the enormous domestic market for smartphones. The outlook is now diametrically opposite as production is not just for the export market but also for the Indian consumer. Sizeable investments have been made by the tech company's collaborators Foxconn, Pegatron and Tata Electronics in the southern states of Karnataka and Tamil Nadu. At the same time, sales volumes in the domestic market are crossing quarterly records.

These moves to expand the footprint of one of the biggest tech giants could turn out to be a tipping point for the Indian electronics industry. It merits a comparison with the sea change witnessed in the 1980s when Japan's Suzuki Motor Corporation ventured into car production here in the face of warnings from other auto majors. The gamble by the relative minnow in the global automobile sector paid off handsomely. Other foreign brands entered the market, but none could match the first-mover advantage that Suzuki gained and has retained till now in the Indian market.It was not just the entry of Suzuki that revolutionised the car industry in this country. It was the creation of the network of auto ancillary manufacturers that sprung up to provide components for the new Japanese-Indian joint venture, Maruti. These component enterprises laid the basis for an automobile industry that now has a commanding 50 per cent share in India's manufacturing sector.

Ultimately, it was the success of Maruti-Suzuki that gave an impetus to other global auto majors to invest here in the 1990s. This happened despite continuing concerns over complex regulatory systems even after the launch of the 1991 economic reforms. It was the viability and profitability of Suzuki that became a catalyst for others to make the leap of faith to enter the Indian market. The expansion of the auto ancillary sector also made it possible to make more components for the new foreign car ventures indigenously instead of merely importing them in CKD (completely knocked down) kits.Apple's newfound commitment to investments in smartphone production could be the trigger for a similar effect, making India an investment hub for consumer electronics. It could have an even greater impact since Apple is not a minnow, as Suzuki was, but a big fish in the global tech order. It is one of the Magnificent Seven that tower over American stock markets. Other tech companies are thus likely to follow its lead.

What must give even greater comfort to investors is the fact that Korean tech conglomerate Samsung has also invested heavily in India's electronics manufacturing industry. It ranks second only to Apple in terms of exports and is a much bigger player in the domestic market.The interest expressed by Big Tech comes amid the launch of a $2.7-billion production-linked incentive scheme for the consumer electronics industry. This is aimed at removing the biggest lacuna in this segment, the slow pace of making components indigenously. The unveiling of the scheme in April is timely as it comes just as Apple is expanding its presence in the Indian economy.India's role as an international hub for consumer electronics especially phones has remained at the level of mere potential for quite some time. Things may change now. Even so, one must make the usual caveats. China continues to be a world leader by many lengths, and smaller countries like Vietnam are also attracting new investments in this area. Yet it is possible for India to play catch-up over the next few years, especially given the pace at which Apple has been ramping up output and exports. The regulatory system will have to be simplified much more.

Pakistan's Karachi Stock Exchange crashes 7%, trading halted

According to the official notification from the exchange, trading was paused after the benchmark index plunged 6.3% in a short period. The sharp fall triggered automatic circuit breakers to stop further decline.

New Delhi Stock market trading was stopped for an hour at the Pakistan Stock Exchange (PSX) on Thursday after its main index fell sharply. The sudden drop came as panic spread in the market following reports that drones had been shot down in major cities, including Karachi and Lahore.According to the official notification from the exchange, trading was paused after the benchmark index plunged 6.3% in a short period. The sharp fall triggered automatic circuit breakers to stop further decline.Market experts said that selling pressure increased after reports emerged that Pakistani military had shot down 12 drones from India. The military claimed these drones had entered Pakistan's airspace a day after India carried out missile strikes on terror targets inside Pakistan and Pakistan-occupied Kashmir under "Operation Sindoor".

Adnan Sheikh, Head of Research at Pak Kuwait Investment Company, said, "Reports of drones being shot down in major cities including Karachi and Lahore pushed the market down more than 6% in a short span of time, triggering a halt."Pakistan's stock market had already been under pressure due to tensions with India. On Wednesday, the market had opened lower and later closed down by 3.1% after falling nearly 6% during the day. This marked one of the

biggest drops in recent months.Not just stocks, Pakistan's international bonds also came under stress. Trade data showed that the 2036 bond maturity fell by more than 1 cent, now trading at 73.8 cents on the dollar. Investors pulled back fearing a wider conflict between the two neighbouring countries, both of which have nuclear weapons.Jim Reid, global head of macro and thematic research at Deutsche Bank, said in a note, "The situation has raised fears about an escalation between the two countries. It also shows how the Global South is likely to become more important for the global backdrop."The Sensex was down by around 138 points on Thursday. However, analysts said the Indian market was relatively calm compared to Pakistan. The Indian markets did not face the same level of selling pressure, and analysts pointed out that investors are more focused on economic data and corporate results.India's recent military action came after a terror attack in Pahalgam, Jammu and Kashmir, that killed 26 civilians in late April. In response, India launched missile strikes on nine locations inside Pakistan and Pakistan-occupied Kashmir. The areas reportedly targeted included Bahawalpur, Kotli, Muzaffarabad, Muridke, Gulpur, Bhimber, Bagh, Chak Amru and Sialkot.The Indian government also held an all-party meeting on Thursday to brief leaders about the success of Operation Sindoor. Defence Minister Rajnath Singh told the leaders that at least 100 terrorists were eliminated. However, he said further details would be shared later as the operation was still ongoing.

India-Pak tensions lift Chinese jet maker's stock by 36% in 2 days

New Delhi The stock of Chinese jet maker Avic Chengdu Aircraft Co Ltd has gone up by over 36% in just two days. This sudden rise comes as tensions between India and Pakistan have increased following India's recent military action.Avic Chengdu Aircraft is a Chinese defence company. It makes fighter jets such as the JF-17 Thunder and the J-10C Vigorous Dragon, which are used by the Pakistan Air Force. As of Thursday, the company's share price rose by 16.37% to reach 80.68 yuan. This was after a 17% jump on Wednesday. In total, the stock has gained 36.21% in two days and has gone up 44% in the past one month.

This jump in the company's stock price comes at a time when there have been many reports following India's recent strikes. Some reports on social media claimed that Pakistan had shot down Indian fighter jets. However, these were later debunked by fact checkers. The Indian Embassy also warned the Chinese state-run Global Times not to share unverified news about India's military operations.

India carried out what it called Operation Sindoor, a missile attack on nine terror camps in Pakistan and Pakistan-occupied Kashmir (PoK) on May 7. These included targets in Bahawalpur, Kotli, Muzaffarabad, and Muridke, according to a statement from Pakistan's foreign ministry. Other places reportedly hit by Indian missiles included Gulpur, Bhimber, Bagh, Chak Amru, and Sialkot.

This was the first such missile operation by India since the 1971 war. It was a joint action by the Indian Army, Navy, and Air Force. Following the strikes, Pakistan's Karachi 100 stock index dropped by 3,559.48 points, or 3.13%, closing at 1,10,009.03 on Wednesday.Indian stock markets, however, remained steady. Both Sensex and Nifty ended the day in green. Market experts said that while the situation with Pakistan has become tense, it has not affected investor confidence in India so far.

A report from Emkay Global said India's strong reply after the Pahalgam terror attack has increased fears of further conflict. However, it believes markets will not be deeply affected unless the situation worsens.

It added that the market might see some pause or sideways movement in the short term, but still expects Nifty to grow by around 7% in FY26. Emkay also said small and mid-cap stocks may perform better.Pankaj Singh, Founder at SmartWealth.ai, said that short-term caution is normal, but Indian markets have shown strong recovery in the past after similar incidents. "Unless there is a larger economic or global shock, tensions between India and Pakistan have not caused long-term damage to markets. Investors should keep their focus on business fundamentals, not fear," he said.

Retirement age is moving from 60 to 45': An investment banker explains why

New Delhi. In India's fast-changing corporate world, the idea of working comfortably until 60 is slowly fading. These days, professionals are starting to feel the pressure much earlier, often by their mid-40s. Investment banker and advisor Sarthak Ahuja says this shift is real, and it's worrying.He said, "There's a very disturbing trend coming up in Indian corporates where the retirement age is moving from 60 to 45, and not in a good way."Unlike fields such as law or medicine, where age brings more respect and higher pay, corporate roles like sales, marketing, operations, product, and tech are seeing the opposite. "In functions like sales, marketing, operations, product management, and especially in tech, a lot of companies are realising that people in their mid-40s are now redundant," he mentioned.Ahuja explained, "They're not upskilled, they're not as agile as younger talent, which also comes at a fraction of their cost, which is why a lot of companies are not outrightly firing these people, but setting up new departments with a lot of younger people and giving them a lot of more attention resources."As a result, many of these mid-career professionals are preparing for life after corporate jobs. Ahuja says chartered accountant offices are seeing a rise in LLP registrations, as people in their 40s set up consulting firms not for passion projects, but as backup plans. These small firms are often created to offer consulting services once their regular jobs start drying up.

Uber CEO says it's OK if employees leave over new workplace policies

CHENNAI. Uber CEO Dara Khosrowshahi says he understands that some employees may choose to leave the company due to recent changes in workplace policies. Acknowledging that not everyone will agree with the newly updated work policy in the company in Wednesday interview with CNBC, he said these changes might lead some people to move on.Starting in June, Uber will require its corporate employees to work in the office at least three days a week. The company is also increasing the amount of time employees must work before they are eligible for a paid sabbatical."...but the good news is that the job market is strong, and Uber employees have lots of opportunities out there," Khosrowshahi said in the interview.

He emphasised that Uber wants its employees to stay and grow with the company. "We want them to take the opportunity to learn and advance here," he said.

Khosrowshahi added that the goal is to strike a balance between flexibility and in-person collaboration. "We want more people in the office. It's about finding the right mix to support teamwork," he said.

An Uber spokesperson, while talking to media said that these changes are not tied to layoffs or efforts to push people out.According to industry analysts, the Uber move mirrors a larger trend in the tech industry. Many companies are rethinking remote work and employee perks.

Why stock market investors shouldn't panic amid rising Indo-Pak tensions

New Delhi. Missile strikes and border escalations tend to send a chill down investors' spines. But in the case of the latest Indo-Pak flare-up, India's markets appear to be taking it in stride, and with good reason.While 'Operation Sindoor' led to worries about increased market volatility and losses, the main indices on Dalal Street actually managed to end in green in the previous session. Even today, the stock markets remained steady.

The quick rebound of the markets after initial jitters, strong domestic inflows, and muted foreign outflows all point to a market that has matured well beyond knee-jerk panic.Ram Medury, Founder and CEO at Maxiom Wealth, was among analysts who said that 'Operation Sindoor' was focused and non-escalatory. "The strikes were precise, targeting only terrorist infrastructure, and avoided Pakistani military facilities, signaling restraint and an intent to avoid a broader conflict," Medury said.He noted that the Defence Ministry's framing of the operation as "measured and non-escalatory" helped contain market nerves.BE CAUTIOUS, DON'T

PANIC

Looking ahead, he cautioned that investor sentiment hinges on Pakistan's response. "Market sentiment remains stable for now, but if Pakistan's response escalates significantly, especially beyond symbolic retaliation, foreign institutional investors (FII) could turn cautious, particularly given the rupee's recent appreciation and global risk aversion. However, if Pakistan's reaction is limited to face-saving measures, markets are unlikely to see a significant correction," he said.

Medury also flagged India's non-military moves as a potent signal to investors."India has intensified non-military pressure, including a total trade ban, suspension of the Indus Waters Treaty, closure of airspace and ports to Pakistani traffic, and blocking digital channels, aiming to further weaken Pakistan's already fragile economy," Medury said."India's economic exposure to Pakistan is negligible, and India's robust reserves and economic fundamentals provide stability, while Pakistan faces heightened risk of fiscal and external financing stress if tensions persist," he added.

He concluded that India would likely continue leveraging its economic strength: "India is expected to continue using economic and diplomatic levers to isolate Pakistan, regardless of the military situation."

WHY INVESTORS DON'T NEED TO WORRY

The bigger takeaway for investors, particularly Indian retail participants, is that this geopolitical storm hasn't spooked the markets, and for good reason. India's economy, which recently crossed the $4 trillion mark, has minimal direct trade with Pakistan.

Citi analysts point out that past conflicts haven't shaken financial markets for long.

ITR Filing 2025: What is ITR Form 3, check eligibility, documents and deadlines

New Delhi. The Income Tax Department has rolled out the ITR-3 form for the financial year 2024-25 (assessment year 2025–26) and is used for reporting income earned between April 1, 2024 and March 31, 2025.If you're an individual or part of a Hindu Undivided Family (HUF) running a business or working as a professional, say a doctor, lawyer, CA, or even a freelancer, this is the form you'll likely use to file your income tax return.This form covers those who earn from business or professional work and need to maintain proper books of accounts. You can also use it if you've got income from salary, house rent, capital gains, or other sources along with your business earnings.WHO CAN FILE ITR-3?

You should file ITR-3 if you run a business or work as a self-employed professional, regardless of whether a tax audit is needed. It also applies if you're earning a salary, rental income, capital gains, or any income from other sources along with your business or professional income.Even if you receive income as a partner in a firm, such as your share of profits or remuneration, this is the right form for you.WHO CANNOT FILE ITR-3?

You can't use the ITR-3 form if you're not an individual or a member of a Hindu Undivided Family.It's also not for those who don't have income from a business, profession, or partnership firm. If your earnings come only from salary, rent, or interest, this isn't the right form for you.

WHAT DOCUMENTS DO YOU NEED?

To file your ITR-3 smoothly, keep your PAN and Aadhaar cards ready, along with your bank account details.If you're salaried, you'll also need Form 16. For those who've made investments, having proof of those investments is important too.And if you're running a business or working professionally, make sure your books of accounts are up-to-date and available.

WHAT'S THE LAST DATE TO FILE ITR-3?

When it comes to ITR-3, the deadline varies. If you don't need an audit, the last date to file is July 31, 2025. If your accounts require auditing, you get time until October 31, 2025.In case you've had international dealings, your deadline goes further to November 30, 2025. And if you still miss it, you can file a late return by December 31, 2025.

Hostilities between India-Pakistan heighten credit risks for both nations: S&P

New Delhi. S&P Global Ratings on Thursday said the hostilities between India and Pakistan heighten risks to the credit metrics of both countries, and any escalation in clashes would put downward pressure on sovereign credit support. S&P, which rates India and Pakistan at 'BBB-' with a positive outlook and a 'CCC+' (outlook stable), said that in the current scenario, it does not see any immediate impact on sovereign credit rating and expects the tensions to remain high over the next two to three weeks, with significant further military actions on both sides possible."The outbreak of hostilities between India and Pakistan has increased regional credit risks, especially for the two sovereigns involved. Our base case is for the intense military actions to be temporary, which will give way to a longer period of contained and sporadic confrontations," S&P Global Ratings said in a statement. In a strong retaliation to the Pahalgam massacre, India's armed forces early on Wednesday destroyed nine terror sites including that of Jaish-e-Mohammad and Lashkar-e-Taiba in Pakistan and Pakistan-occupied Kashmir (PoK).15 days after the Pahalgam carnage in which terrorists killed 26 civilians, mostly tourists, in Pahalgam, India launched its military response codenamed 'Operation Sindoor' using deep strike missiles. Pakistan Prime Minister Shehbaz Sharif has said his country has every right to give a "befitting reply to this act of war imposed by India." Pakistani Defence Minister Khawaja Asif, however, said Islamabad is ready to "wrap up" tensions with New Delhi, if it de-escalates the situation.S&P said it expects India to maintain strong economic growth that allows gradual fiscal improvements to continue, and also the Pakistan government to remain focused on supporting the recovery of its economy and fiscal stability. Both countries have no incentive to allow current tensions to become prolonged, it said.

Return of Campa Cola is helping expand soft drink market: Varun Bev's Jaipuria

Coca Cola remains the market leader in the carbonated soft drink market in India.

NEW DELHI. The return of Campa Cola under Reliance Industries' umbrella would only help expand the carbonated soft drink (CSD) market, feels Ravi Jaipuria, chairman of Varun Beverages Ltd, PepsiCo's India franchisee.

"The good part is competition is making all of us put in more chilling equipment, more go-to-market (GTM) efforts. As a result, the overall market is growing faster than it has in recent years," Jaipuria said in an analyst call. He added that lower price-point entries like Campa Cola are helping broaden consumer access.According to Jaipuri, India remains significantly underpenetrated when it comes to soft drink distribution. Out of nearly 12 million FMCG outlets in the country, VBL currently reaches only about 4 million. "There is still so much room for everyone to add new outlets through increased GTM and by putting in more chilling equipment," he said. Moreover, due to logistical challenges, any serious player must build proximity

to market — transporting water over long distances is not viable, Jaipuria noted.Reliance Industries, in its recent investor presentation has noted in the perspective of its retail business that Campa Cola has gained double-digit market share in key markets in India. Coca Cola remains the market leader in the carbonated soft drink market.

Despite the heightened activity, Varun Beverages does not anticipate a major squeeze on margins. In Q1 of 2025, the company posted an EBITDA of ?12,639.6 million, up 27.8% year-on-year, broadly aligned with net revenue growth. Gross margins in India declined by 171 basis points to 54.6%, mainly due to a higher share of lower-margin carbonated drinks and smaller pack sizes. Yet, EBITDA margins in India actually improved by 111 basis points, thanks to operational efficiencies and volume growth.On the international front, South Africa — where VBL recently expanded — saw margins of 14.4%, a rise from around 10% before the acquisition, though still trailing India. "Margins remain lower due to a higher share of own brands," Jaipuria explained, adding that increasing the share of PepsiCo's portfolio will help improve profitability in that region.

VBL is also betting on backward integration and new Greenfield facilities to improve long-term margins, targeting an EBITDA margin of 21% or higher in India. "Our margin outlook is stable. We don't expect any major dips going forward," Jaipuria affirmed.As for marketing, VBL is not following competitors into big-ticket sponsorships like the IPL or Kumbh Mela. "We remain aligned with PepsiCo's ATL/BTL strategy. There's no need to match aggressive spending from new entrants," he said.Above the Line (ATL) marketing involves broad, untargeted campaigns designed to build brand awareness and reach a wide audience through mass media channels. In contrast, Below the Line (BTL) marketing focuses on highly targeted efforts aimed at specific individuals or segments, offering measurable returns on investment and clear audience engagement.Varun Beverages shares were trading at Rs 500 at 1:00 pm (IST) on Thursday. The shares are under pressure from intense competition in the market especially from re-entry of Campa Cola. The share prices have fallen by 22% since January this year.

Anti-money laundering law review: Supreme Court asks parties to frame issues

The Supreme Court has asked the government and petitioners to frame issues to be considered in the review pleas challenging its 2022 verdict that upheld the provisions of the Prevention of Money Laundering Act.

NEW DELHI. The Supreme Court on Wednesday asked the Centre and petitioners to frame issues to be considered in the review pleas challenging its 2022 verdict that upheld the provisions of the Prevention of Money Laundering Act (PMLA), including the Enforcement Directorate's powers to arrest and attach properties.A bench led by Justice Surya Kant directed both sides, including the Union government and the Enforcement Directorate, to formulate and circulate the issues, so that the court can determine the questions that need to be adjudicated. The court has scheduled the matter for listing on August 6, with a possible further hearing on August 7. It will also take up the case on July 16 to finalise the issues.

Notably, in February 2025, the Supreme Court said that the concept of PMLA cannot be used to ensure that a person remains in jail. The court made this remark while granting bail to an accused in a money laundering case in connection with the alleged Chhattisgarh liquor scam.

During Wednesday's hearing, Solicitor General Tushar Mehta submitted that the court had

issued notice on the review petitions only with respect to two limited aspects: the supply of a copy of the Enforcement Case Information Report (ECIR) to the accused, and the validity of the provision reversing the burden of proof. He contended that the respondents had opposed the filing of the review itself and argued that the issues framed by the petitioners were an attempt to reopen the entire judgment.Senior Advocate Kapil Sibal, appearing for the petitioners, objected to the Union filing an affidavit seeking modification of the earlier order passed in the review pleas. He said another connected matter had been fully heard by the court, where he had argued for a full day, and urged the court to proceed with the case. He also pointed out that a three-judge bench of the Supreme Court had already ruled that the ECIR must be provided.

The Supreme Court bench said, "Based on this matter and other matters, you can propose some issues. You also see comprehensively what the issues are, once and for all, that we can resolve. If you can all do that, it makes it easy for usalso."

In its July 2022 judgment in Vijay Madanlal Choudhary vs Union of India, the top court upheld key provisions of the PMLA, including those related to arrest, seizure, presumption against the accused and stringent bail conditions. It also said that the ECIR was an internal document and need not be supplied to the accused, as it was not equivalent to a First Information Report (FIR).

A notice on the review plea filed by Congress leader Karti Chidambaram was issued in August 2022 by a bench led by then-Chief Justice NV Ramana.

Peace, and the weight of memory

New Delhi. The night before the news broke, my husband and I had gone out for a modest date night—no occasion, no celebration. Just a gentle pause carved out of the everyday. We stepped into one of the finest restaurants in the country, tucked away in a quiet corner of Colaba.Now settled as journalists in Delhi—a city that, over the past decade, has become more than just a workplace or a postal address—we've built a life shaped by the rhythm of headlines and deadlines, late-night edits and early morning coffees. Delhi, with all its noise and nuance, has become a kind of chosen belonging. But Mumbai is different. In Mumbai, there are roots. There's family and friendship, and memories tucked into every lane.That evening, as we entered the restaurant, an old acquaintance spotted us. "A special occasion?" he asked, smiling. "No," we replied, smiling back. "Just the two of us. Just because."

He found the sentiment endearing—the idea of turning an ordinary night into something quietly meaningful. And in that moment, it struck me too: how far we've come, not just as individuals but as a country. Once, an evening like this—a leisurely dinner overlooking the Taj Mahal Palace—felt aspirational, almost cinematic. Now, it sits within reach. The extraordinary woven into the everyday.The evening ended with a soft rain, the kind Mumbai is known for. As we drove from the city's southern tip back to my parents' home in the suburbs, the streets shimmered with reflections. The moment stretched out like a sigh—unhurried, luminous, full.

But morning arrived heavy.I woke with a sinking feeling—something primal, something in my gut. News had broken of surgical strikes across the border, retaliation for a horrific attack on civilians in Pahalgam. The headlines were loud. But all I could feel was a quiet dread.They say the gut knows before the mind can make sense of things. Mine had already begun its silent protest. It wasn't just the horror of what had happened—it was the fear of what might still unfold.

For many who came of age in quieter decades, war is a story from another time. But for those of us who remember the early '90s—or the tension and breathlessness of the Kargil conflict in 1999—this unease is all too familiar. The tremor in the breath. The ache that settles deep in the bones. The knowledge that peace, however cherished, is never permanent. It is a thread—fragile, fraying, too easily forgotten.

In moments like this, everyday pleasures begin to feel strange.Can one still think of food—what to cook, what to serve, whether to invite friends over?Is it irreverent to talk of cake and celebration when grief hangs in the air?

Can we still gather, still laugh, still light candles for dinner, even as something inside us quietly unravels?I was seven when the Kargil War began. We were living in Dehradun then, a leafy, quiet town known for its boarding schools and military cantonments. Many of my classmates were army children.

I remember it was break time when Aditya was called out of class. We were busy unwrapping tiffins, licking jam off our fingers, arguing over who got first go on the swing. His departure was quiet. Later, we learnt his father had been martyred. That was the day I realised that war wasn't just on television, or confined to the sombre columns of the newspaper. It could enter your classroom. It could sit beside you at lunch.

To this day, I associate aloo ka paratha—one of my favourite comfort foods that I eat at home in Delhi—with that moment. With the confusion of a child, the silence that followed, and the realisation that not all stories have happy endings.

Security tightened, patrolling intensified at key locations in Delhi

NEW DELHI. In the aftermath of 'Operation Sindoor', security across the national capital has been significantly heightened.Additional forces, including paramilitary personnel, have been deployed at critical locations, and patrolling has been intensified to ensure increased vigilance and public safety.On Wednesday, the Indian Armed Forces conducted 'Operation Sindoor', a series of precision strikes on terrorist camps at nine locations in Pakistan and Pakistan-occupied Kashmir (PoK). In response to these developments, Delhi police has ramped up security measures, particularly at the city's borders.

A senior police officer confirmed that vehicle checks have been strengthened at the city's entry points, with all vehicles entering Delhi undergoing thorough inspections.Intensified foot patrolling has been carried out across several areas, including parks, bustling markets, residential colonies, malls, and airports, particularly during the evening and night hours. Additionally, strategic vehicle checkpoints have been set up at key locations to deter suspicious activities, the officials said.

Very clear message needed to be sent: Ex-Air Force chief on Operation Sindoor

After India launched strikes on terror camps in Pakistan and Pakistan-occupied Kashmir, Air Chief Marshal RKS Bhadauria (Retd.) said that a very clear message needed to be sent, and it has been sent.

New Delhi. After India launched strikes on terror camps in Pakistan and Pakistan-occupied Kashmir, Air Chief Marshal RKS Bhadauria (Retd.) told India Today TV that a very clear message needed to be sent, and it has been sent. He added that terrorism will not be tolerated.

Talking to India Today, on being asked if the Pakistani army and Pakistani army chief General Asim Munir is desperate for an escalatory retaliation after Operation Sindoor, RKS Bhadauria said that Pakistani army, in the aftermath of what happened, will be desperate enough and might not stop. "They would act irrationally in all probability," he added.RKS Bhadauria said that if the Pakistani army has "some sense of rationality", their response should "reasonably calibrated". He added that we must be prepared for any action and ensure that India must defend effectively. "I am sure our Armed forces are well prepared to do that," he said.

He further said that in the long run, the retaliation against Pakistan was an important action and a "very robust one". "The nature of the barbaric Pahalgam attack was such that it had to be responded," Bhadauria said. He added that internationally, Pakistani needs to be isolated and the world needs to ask them questions.

While the Indian Air Force (IAF) carried out air-to-surface missile strikes, the Indian Army simultaneously launched surface-to-surface missiles, sources told India Today TV. The coordinated precision attacks reportedly targeted terror infrastructure linked to banned outfits Jaish-e-Mohammed, Lashkar-e-Taiba, and Hizbul Mujahideen. The strikes were in retaliation to the April 22 terror attack in Pahalgam that claimed 26 lives. More than 80 terrorists were killed in the overnight operation.

Iranian foreign minister arrives in India to co-chair 20th Joint Commission Meeting

Iranian Foreign Minister Dr Abbas Araghchi arrived in India on Wednesday for a two-day official visit to co-chair the 20th Joint Commission Meeting between the two countries.

NEW DELHI. Dr Abbas Araghchi, Minister of Foreign Affairs of the Islamic Republic of Iran, arrived in India on Wednesday for a two-day official visit to co-chair the 20th Joint Commission Meeting between the two countries. This marks his first visit to India since taking office in August 2024.The high-level meeting, scheduled from May 7 to 8, is being held to commemorate the 75th anniversary of the signing of the India-Iran Friendship Treaty. It aims to review key bilateral matters and discuss ways to deepen cooperation across political, economic, and strategic domains.Dr Araghchi's visit comes at a sensitive time, as regional tensions escalate in the wake of a

deadly terror attack in Pahalgam. In a notable development earlier this week, the Iranian Foreign Minister met with Pakistan's Chief of Army Staff, General Syed Asim Munir, underscoring Tehran's diplomatic engagements in the subcontinent.The outcomes of the Joint Commission Meeting are expected to shape the trajectory of India-Iran ties in the coming months, with both sides emphasising shared interests and regional stability.

During his visit, Araghchi will hold a bilateral meeting with External Affairs Minister S Jaishankar at Hyderabad House on May 8. Later in the day, he will meet President Droupadi Murmu at Rashtrapati Bhavan.On April 25, the Iranian Foreign Minister had given a call for peace to prevail in the neighbourhood in a post on X. He had shared that Tehran stands "ready" to put its good offices in Islamabad and New Delhi to use for forging a "greater understanding at this difficult time".

Pak continues relentless shelling along LoC after Op Sindoor, jawan dies

New Delhi. Pakistani troops resorted to cross-border shelling along the Line of Control (LoC) for the 14th consecutive day on Thursday, escalating to heavy artillery fire and mortar shelling on forward villages in Kupwara, Baramulla, Uri, and Akhnoor, officials said.The Pakistani side targeted civilian areas in the Karnah area, firing shells and mortars after midnight, officials said. "There have been no reports of civilian casualties so far in the Karnah shelling," they added.

The Indian Army responded with proportionate force, targeting Pakistani positions responsible for the provocation.

The fresh wave of hostilities comes in the immediate aftermath of India's high-precision military offensive — Operation Sindoor — which struck nine terror camps in Pakistan and Pakistan-Occupied Kashmir (POK) early on Wednesday. The operation targeted infrastructure linked to Jaish-e-Mohammed, Lashkar-e-Taiba, and Hizbul Mujahideen.

In retaliation, Pakistan shelled civilian

areas in the Karnah sector of Kupwara late on Wednesday night. Mortar shells and artillery rounds landed near residential zones shortly after midnight, forcing residents to flee to safer locations. Most of the civilian population in Karnah had already relocated following earlier shelling on Wednesday and one jawan, Dinesh Kumar of 5 Fd Regt, was killed.

However, earlier on Tuesday night, Pakistan's indiscriminate shelling along both the LoC and International Border killed 15 Indian nationals and injured at least 43 in Poonch and Tangdhar regions. The worst-hit in the Pakistani shelling was Poonch district, which accounted for all the civilian deaths reporting from ground zero, captured the trail of destruction left by Pakistani shelling along the LoC and IB in Jammu and Kashmir. The visuals were stark, with houses razed to rubble, shattered glass littering the ground, and crumbling walls.

According to Defence sources, the Indian Army's immediate retaliation in the Kupwara and Rajouri-Poonch sectors inflicted "significant damage" on Pakistani military installations, with reports indicating substantial enemy casualties.

In a first, Union minister Manohar Lal Khattar holds meeting with CM Rekha Gupta in Delhi secretariat

The meeting between Delhi CM Rekha Gupta and Union minister Manohar Lal Khattar was to discuss several ongoing projects in Delhi, including cleaning the Yamuna river and improving city infrastructure.

NEW DELHI. In a first, Union Minister Housing and Urban Affairs Manohar Lal Khattar, along with secretary and other senior officers of the Ministry of Housing and Urban Affairs (MoHUA), Thursday held a meeting at the Delhi secretariat with Chief Minister Rekha Gupta. The meeting was to discuss a wide range of issues such as water, road, traffic congestion and other key infrastructure matters.

As the BJP government in Delhi approaches the end of its first 100 days, attention is focused on the party's leadership to deliver on its promise of transforming Delhi into a 'world-class' city. The BJP has successfully gained control of the Municipal Corporation of Delhi (MCD) after the Aam Aadmi Party (AAP) declined to participate in the mayoral elections.While several meetings with Prime Minister Narendra Modi and several Union ministers have been held over the past three months to discuss development work in Delhi, this is the first time such a meeting has been held in the Delhi Secretariat.

PM Narendra Modi in April held a review meeting to discuss issues related to the cleaning of the Yamuna river and Delhi's drinking water supply at 7, Lok Kalyan Marg, which was attended by CM Gupta, Union Home Minister Amit Shah, Jal Shakti Minister C R Patil, Principal Secretary to Prime Minister P K Mishra,

Principal Secretary-2 to Prime Minister Shaktikanta Das, and Additional Secretary to PM Atish Chandra.According to senior officials, the Delhi government made grand arrangements to welcome Khattar. The programme started at 10.50 am and will continue till 2 pm.

Some of the key topics for discussion this high-level meeting is status of flats for jhuggi inhabitants, environment and forest regarding tree cutting and afforestation issues, issues related to central vista and traffic management, discussion on water logging points and efforts made by the Delhi government to address them, water supply management during summer months and related issues, power related matters."Heads of the concerned departments will raise and discuss the issue and give presentations before the union minister and the officials. It will talk about the issues, what steps the government has taken and progress so far," said an official.

The meeting was to be attended by heads of 13 departments, including transport, urban development, Delhi Development Authority, New Delhi Municipal Council, MCD, Delhi Metro, and Delhi Traffic Police.

However, the meeting agenda schedule did not mention the Council of Ministers.During the Delhi Assembly elections, the BJP made several key promises, including cleaning the Yamuna river, improving and redeveloping roads, and making the city free from traffic jams, potholes, and waterlogging during the monsoon. It also pledged to provide 24-hour water supply and enhance cleanliness throughout the city.

NEWS BOX

Jaish chief's brother critically injured in strikes under Op Sindoor: Sources

world. Jaish-e-Mohammed (JeM) chief Masood Azhar's brother was critically injured in Indian airstrikes carried out under Operation Sindoor in Pakistan's Bahawalpur, according to intelligence sources.

Masood Azhar's brother, who is also the terror group's second-in-command, is currently undergoing treatment at a Pakistani military hospital, the sources added.The development follows a statement issued by the JeM chief in which he confirmed that 14 members of his family and four close aides were killed in the Indian strikes. According to a report by BBC Urdu, the dead include Azhar's elder sister, her husband, his nephew and his wife, another niece, and five children, along with Azhar's mother and three key aides.In a swift and coordinated blitz lasting just 25 minutes, India carried out its most expansive cross-border strikes since Balakot, targeting nine terror facilities in Pakistan and Pakistan-occupied Kashmir (PoK) early on Wednesday. The assault was launched in response to the Pahalgam terror attack, in which 26 civilians — mostly tourists — were killed by Pakistan-backed terrorists.

Bahawalpur, a key base for JeM, was one of the primary targets of Operation Sindoor. Indian missiles struck the Subhan Allah complex, home to JeM's Jamia Masjid and known locally as the Usman-o-Ali campus, reducing much of it to rubble. Visuals accessed by India Today confirmed widespread destruction at the site.

Israel revises advisory asking its nationals to 'leave immediately' Kashmir region

JERUSALEM. Amid escalating tensions between India and Pakistan, Israel has updated the existing travel advisory for its nationals urging those in the Kashmir region to "leave immediately."

The revised advisory came on Wednesday after the Indian military carried out strikes against terror targets in Pakistan-occupied Kashmir (PoK) and Pakistan's Punjab province earlier in the day.

Pakistan army carried out one of the most intense artillery and mortar shelling in years targeting forward villages along the LoC in Jammu and Kashmir.The Israeli Foreign Ministry called on Israelis to avoid visiting the Jammu and Kashmir region, with the exception of Ladakh.

Israelis currently in Kashmir should "leave immediately" and obey the instructions of local security forces, the ministry said.

This is in line with the existing travel advisory issued by the National Security Council, it added.

India launched Operation Sindoor early Wednesday hitting nine terror targets in Pakistan-occupied Kashmir (PoK) and Punjab province of Pakistan in retaliation for the April 22 terror attack that killed 26 people in Jammu and Kashmir's Pahalgam.

Pakistan army said 31 people were killed and 57 others injured in the Indian missile strikes launched shortly after midnight.Separately, at least 13 people, including four children and a soldier, were killed and 57 injured as the Pakistan army carried out one of the most intense artillery and mortar shelling in years targeting forward villages along the LoC in Jammu and Kashmir after the Indian missile strikes.

Blasts heard in Pakistan's Lahore day after Operation Sindoor: Report

world. A series of loud explosions were heard in Pakistan's Lahore on Thursday, a day after India struck terror targets in Pakistan in an operation code named Sindoor.

The blasts were heard in the Gopal Nagar and Naseerabad areas of Lahore near Walton Airport, reports quoting the local media and the Reuters said.

Police sources said the explosion might have been caused by a drone, measuring 5-6 feet. The drone was reportedly shot down by jamming the system.

No casualties or damage to civilian infrastructure have been reported so fa

In the aftermath of the Indian strikes, flight operations at airports in Karachi, Lahore, and Sialkot were temporarily suspended. According to Reuters, the Civil Aviation Authority of Pakistan announced that services would remain unavailable at Lahore and Sialkot airports until 12 noon local time (07:00 GMT). No additional details were provided about Karachi airport or the reasons behind the suspension.

The Indian military launched a coordinated attack on Wednesday, targeting terrorist training camps in Pakistan and Pakistan-occupied Jammu and Kashmir (PoJK). These strikes were part of what the Indian government described as a strategy of "precision, precaution and compassion," aimed at avoiding civilian casualties while destroying terror infrastructu

The Indian action was in response to the deadly terrorist attack in Pahalgam on April 22, in which at least 26 people—most of them tourists—were killed and several others injured. It was the deadliest such incident since the Pulwama attack in 2019.

Following the Indian strikes, Pakistani Prime Minister Shehbaz Sharif responded strongly, saying, "we will avenge the blood of our innocent martyrs," after at least 31 people were reported killed and dozens wounded in India's attack on Pakistan's Punjab province and Pakistan-administered Kashmir.

Black smoke pours from Sistine Chapel chimney, indicating no pope was elected as conclave opens

Black smoke pours from Sistine Chapel chimney, indicating no pope was elected as conclave opens

VATICAN CITY. Black smoke poured out of the Sistine Chapel chimney on Wednesday, signalling that no pope had been elected as 133 cardinals opened the secretive, centuries-old ritual to choose a new leader of the Catholic Church.The cardinals participating in the most geographically diverse conclave in the faith's 2,000-year history took just one round of voting Wednesday evening. After failing to find a winner on the first ballot, they retired for the night and will return to the Sistine Chapel on Thursday morning to try to find a successor to Pope Francis.They had opened the conclave Wednesday afternoon, participating in a rite more theatrical than even Hollywood could create, a wash of red-robed cardinals, Latin chants, incense and solemnity that underscored the seriousness of the moment.Outside in St. Peter's Square, th scene was festive, as thousands of people flocked to the piazza to watch the proceedings on giant video screens, applauding when the Sistine Chapel's doors slammed shut and the voting began. They waited for hours, watching screens that showed just a skinny chimney and occasional seagull. After the vote dragged on to dinnertime, some left in frustration, but those who stayed cheered when the smoke finally billowed out."My hope is that cardinals will choose a man who can be a peacemaker and could reunify the church," said Gabriel Capry, a 27-year-old from London.A diverse group of cardinalsHailing from 70 countries, the cardinals were sequestered Wednesday from the outside world, their cellphones surrendered and airwaves around the Vatican jammed to prevent all communications until they find a new pope.Francis named 108 of the 133 "princes of the church," choosing many

pastors in his image from far-flung countries like Mongolia, Sweden and Tonga that had never had a cardinal before.

His decision to surpass the usual limit of 120 cardinal electors and include younger ones from the "global south" — often marginalized countries with lower economic clout — has injected an unusual degree of uncertainty in a process that is always full of mystery and suspense.

Many cardinals hadn't met until last week and lamented they needed more time to get to know one another, raising questions about how long it might take for one man to secure the two-thirds majority, or 89 ballots, necessary to become the 267th pope.

"Wait and see, a little patience, wait and see," said Cardinal Mario Zenari, the Vatican's ambassador to Syria.

The oath and "Extra omnes"

The cardinals had entered the Sistine Chapel in pairs, chanting the meditative "Litany of the Saints" as Swiss Guards stood at attention. The hymn implores the saints to help the cardinals find a leader of the 1.4 billion-strong church.Cardinal Pietro Parolin, the 70-year-old secretary of state under Francis and himself a leading contender to succeed him as pope, assumed the leadership of the proceedings as the senior cardinal under age 80 eligible to participate.He stood before Michelangelo's vision of heaven and hell, "The Last Judgment," and led the other cardinals in a lengthy oath. Each one followed.

Cardinals return for Papal conclave's second day to elect a new pope

world. The largest and most geographically diverse conclave in history was due to resume on Thursday, with Roman Catholic cardinals returning to the Sistine Chapel to try to settle a wide-open papal election.The red-hatted "princes of the Church" started the heavily ritualised process of choosing a new leader for the world's 1.4 billion Catholics on Wednesday. In the evening, black smoke billowed from a specially-installed chimney visible from St Peter's Square to signal an inconclusive ballot.he largest and most geographically diverse conclave in history was due to resume on Thursday, with Roman Catholic cardinals returning to the Sistine Chapel to try to settle a wide-open papal election.The red-hatted "princes of the Church" started the heavily ritualised process of choosing a new leader for the world's 1.4 billion Catholics on Wednesday. In the evening, black smoke billowed from a specially-installed chimney visible from St Peter's Square to signal an inconclusive ballot.White smoke

would signal the election of a new Church leader.

There are no clear favourite, although Italian Cardinal Pietro Parolin, who served as the Vatican's number two under Francis and Filipino Cardinal Luis Antonio Tagle are considered the front-runners.If it becomes obvious that neither can obtain the necessary two-thirds majority, votes are expected to shift to other contenders, with the electors possibly coalescing around geography, doctrinal affinity or common languages.Other potential "papabili" - papal candidates in Italian - are France's Jean-Marc Aveline, Hungary's Peter Erdo, American Robert Prevost and Italy's Pierbattista Pizzaballa.During the conclave, cardinals are sequestered from the world and sworn to secrecy, their phones and computers confiscated, while they are shuttled between the Sistine Chapel for voting and two Vatican guesthouses to sleep and dine.

In recent days, they have offered different assessments of what they are looking for in the next pope, following a relatively liberal pontificate marked by bitter divisions between traditionalists and modernisers.

While some urged for continuity with Francis' vision of greater openness and reform, others longed to turn the clock back and embrace traditions. Many have indicated they want a more predictable, measured pontificate.

India has right to defend itself: UK MP calls out Pak in fiery Parliament speech

world. UK MP Priti Patel staunchly defended India's military strikes on terror camps in Pakistan while emphasising that terrorists based in Pakistan threaten both India and Western interests. In a fiery speech in Parliament, Patel called for more active involvement of the UK in working with India to tackle terrorist threats."We want to avoid a state-on-state military escalation. However, India has the right to take reasonable and proportionate steps to defend itself and to dismantle the vile terrorist infrastructure that has caused deaths and continues to threaten them," Patel said.In its most expansive cross-border strikes, Indian armed forces struck nine terrorist camps linked to groups like Jaish-e-Mohammad (JeM) and Lashkar-e-Taiba (LeT) deep inside Pakistan under 'Operation Sindoor' on Wednesday. The strikes were in response to the terror attack in Pahalgam, which left 25 tourists and a local dead.Pakistan has termed it an "act of war" and

promised to retaliate at a "time, place, and manner of its choosing".Urging de-escalation by both countries, Patel attacked Pakistan for "harbouring terrorists" while pointing to the history of terrorism that India has faced."This was an act of terrorism... Pahalgam has joined Mumbai, New Delhi and other places in India that will be forever scarred by an act of terror," Patel, who previously served as the UK's Home Secretary, said.

Citing the longstanding security cooperation agreements with India, the UK MP urged the Keir Starmer-led government to work with allies to dismantle terror networks. She also asked whether the UK had provided any security aid to India after the Pahalgam attack.

"The UK government should be at the forefront of working with our friends and allies to tackle the terrorist threats that we face collectively," she said.

Pakistan's propaganda machine in overdrive after Operation Sindoor

world. Following India's missile strikes under 'Operation Sindoor', Pakistan has launched a widespread disinformation campaign in an attempt to regain control of the narrative through digital manipulation and unverified claims.

What began as a targeted military operation by the Indian Armed Forces has quickly devolved into a chaotic online propaganda war, largely fuelled by pro-Pakistan social media accounts and influential political figures deliberately spreading fake news.A familiar pattern has emerged: state-affiliated accounts have resorted to recycling outdated images, misrepresenting old videos, and pushing baseless claims.The intent appears to be to flood online spaces with so much disinformation that it becomes increasingly difficult for observers to discern fact from fiction. While misinformation during conflicts is not new, the scale and coordination of recent efforts suggest a deliberate strategy to mislead the public and influence perception both at home and abroad.

OLD IMAGES, MISLEADING CLAIMS GO VIRAL

One of the most prominent examples is a viral image falsely claiming that the Pakistan Army had shot down an Indian Rafale jet near Bahawalpur. The image was debunked by PIB Fact Check, which confirmed that it was actually from a MiG-21 crash in Moga, Punjab, in 2021 — entirely unrelated to current events.Another misleading claim surfaced in the form of a video purportedly showing Indian troops surrendering under a flag at Chora Post. This fabricated narrative was amplified by Pakistan's Minister Attaullah Tarar, who publicly endorsed the claim without a shred of evidence.

By lending his voice to an unsubstantiated claim, Tarar contributed to spreading a narrative that lacked factual backing.UNRELATED FOOTAGE PASSED OFF AS COMBAT EVIDENCE

In another misleading post, a video was circulated with the claim that the Pakistan Air Force targeted the Srinagar airbase. The footage actually originated from sectarian clashes in Pakistan's Khyber Pakhtunkhwa earlier in 2024 and bore no connection to any military activity in Kashmir.

Two children drown to death as Indian family tries to enter US illegally

A 14-year-old Indian boy has been declared dead and his 10-year-old sister presumed dead as a boat their family was using to enter illegally into the US capsized off the coast of San Diego, California. Their father is in a state of coma. The Indian family was among other illegal immigrants on the boat, and five people have been booked in connection with the case.

world. Tragedy struck an Indian family of four trying to enter the US illegally as the boat they were travelling in capsized off the coast of San Diego, California. A 14-year-old boy from the family has been declared dead and his 10-year-old sister, still missing, is presumed dead. Though their parents were rescued by coast guard personnel, the father is in a comatose condition in hospital.The boat capsized on May 5, and the boy was declared dead on May 7 even as details emerged of the tragedy and the Indian family. The family was among other illegal immigrants, and three people have been confirmed dead in the boat tragedy.

Five people have been charged in the case.The 10-year-old girl from the Indian family still remains untraced, and thereby, presumed dead, according to a report by the Associated Press, citing the US Attorney's Office in San Diego's statement.

The children's father, who was one of the four people, including his wife, was rescued and taken to hospital and is in a coma. His wife remained hospitalised.Two others who were rescued were taken into custody and later arrested by the police.The other two killed were from Mexico, including an 18-year-old boy and another man, according to the Mexican consulate, AP reported.According to the consulate,

the 18-year-old's girlfriend,16, is being treated after water filled her lungs. The consulate is working with the families in Mexico to send the mortal remains of those who died.Two Mexican nationals were arrested at the beach near where the boat capsized early Monday morning (May 5). They were charged with human smuggling resulting in death, a crime that carries a maximum penalty of death or life in prison, according to the report.Initially, it was reported that nine people were missing following the accident.Later, Border Patrol agents on Monday night found eight of the missing illegal migrants alive as they managed to make it to shore.Three agents were seen earlier near the accident site. They were waiting for the migrants in their vehicles. They fled the scene with eight migrants who managed to swim to safety.Soon, the agents identified vehicles with drivers who were waiting to pick up the migrants as part of the smuggling scheme, according to court documents filed against 5 Mexicans in connection with the accident.The drivers of the vehicles — Melissa Jenelle Cota, 33, Gustavo Lara, 32, and Sergio Rojas-Fregoso, 31 — were arrested and charged with the transportation of undocumented immigrants, The Los Angeles Times reported.

ILLEGAL MIGRANTS TURNING RISKY ALTERNATIVE ROUTES

ADVERTISEMENT

The official described the vessel as a panga—an open fishing boat with one or two engines, often used by smugglers.

NEWS BOX

IPL 2025 | Brevis, Noor star as CSK clinch thrilling win over KKR

New Delhi. Dewald Brevis's explosive 25-ball 52 and a disciplined four-wicket burst from left-arm spinner Noor Ahmad virtually extinguished defending champions Kolkata Knight Riders' IPL play-off hopes, as Chennai Super Kings edged to a thrilling two-wicket win at Eden Gardens on Wednesday, a match that might have witnessed MS Dhoni's final flourish at the iconic venue.

The Afghan spinner exploited the turning conditions brilliantly, picking up 4/31 to restrict KKR to 179/6 after Ajinkya Rahane opted to bat first in their must-win clash.

For CSK, their spin trio dominated the middle overs, taking a combined 5/84 in 11 overs, a spell that ultimately proved decisive.Chasing 180 under tricky conditions, CSK were rocked early, losing half their side for just 60 inside 5.2 overs under the glowing Eden Gardens lights.But it was Dhoni who had the final say, possibly for the last time at this venue, finishing the chase with his trademark calm and power, as CSK completed the task with two balls to spare.This was the end of KKR's campaign at home. They now have 11 points from 12 matches. The three-time champions play their next two matches away against Sunrisers Hyderabad and Royal Challengers Bengaluru, and even if they win both, they will have to depend on other results.

With eight runs needed off the final over, Dhoni hammered Andre Russell's low full toss for a towering six over deep mid-wicket, triggering

wild celebrations. He then calmly took a single, passed on advice to debutant Anshul Kamboj, who sealed the chase with a boundary.As he walked off unbeaten on 17 from 18 balls, the Eden crowd rose one last time, savouring what could be a farewell flourish from their most beloved finisher.

Earlier, Vaibhav Arora and Moeen Ali struck in the first two overs, before Harshit Rana picked up wickets in back-to-back overs to leave CSK reeling at 56/4 inside five overs.

CSK's teenage prodigy Ayush Mhatre fell for a two-ball duck in the opening over of the chase. New signing Urvil Patel, a like-for-like replacement for the injured Vansh Bedi, launched a blistering counter-attack, smashing Moeen Ali for two sixes and a four off his first three balls.But Moeen hit back, dismissing Devon Conway for a duck in the same over.

Operation Sindoor impact: PBKS vs MI likely to be shifted from Dharamsala to Ahmedabad

New Delhi. The IPL 2025 match between Punjab Kings and Mumbai Indians, scheduled for May 11, is likely to be shifted from Dharamshala to Ahmedabad. The BCCI is exploring all options to ensure the fixture is not postponed or cancelled amid the crucial race to the play-offs.Logistical concerns have emerged around Sunday's match in Dharamshala. The city's airport was among those shut on Wednesday following Indian armed forces' strikes on nine terror sites in Pakistan and Pakistan-occupied Kashmir as part of Operation Sindoor. As part of its contingency plans, the BCCI approached the Gujarat Cricket Association (GCA) to host the game.

"We have accepted the BCCI's request to host the match in Ahmedabad. It is now up to the BCCI to confirm it," Anil Patel, secretary of the GCA, told India Today.Dharamshala will host Wednesday's game between Punjab Kings and Delhi Capitals. Sources told India Today that the BCCI secured clearance from the government to stage the match as

planned. There had been earlier concerns about hosting matches in Dharamshala amid rising tensions between India and Pakistan, given the city's proximity to the border.

Notably, Delhi Capitals reached Dharamshala before the airport closure. However, they will now have to return to Delhi via road, or use a combination of road and rail, as flight services remain suspended. Delhi Capitals are scheduled to face Gujarat Titans at the Arun Jaitley Stadium on May 11.Meanwhile, Mumbai Indians are awaiting a final decision from the BCCI before confirming their travel plans for their next game. The five-time champions last played against Gujarat Titans at the Wankhede Stadium on Monday.

The BCCI announced a musical tribute to the Indian armed forces with a performance by singer B Praak at the HPCA Stadium in Dharamshala on Thursday.

Bukayo Saka misses a sitter against PSG and Arsenal misses out again

PSG won the two-legged semifinal 3-1 on aggregate and will play Inter Milan in the final in Munich on May 31.

New Delhi. Bukayo Saka missed from a near-unmissable position and Arsenal missed out again.A 2-1 loss to Paris Saint-Germain on Wednesday ended Arsenal's hopes of winning the Champions League and halting a barren trophy run that now stretches five years.PSG won the two-legged semifinal 3-1 on aggregate and will play Inter Milan in the final in Munich on May 31.Arsenal will wonder how another season of promise has ended up empty-handed."We have to learn from this. We did a lot of good things, but it's not enough," captain Martin Odegaard said after the match in Paris.It might have been different had Saka not fired over the bar with an open net to aim at in the 79th — but Arsenal had already given itself a mountain to climb at that point, having gone 2-0 down. Saka reduced the deficit and could have leveled the score on the night if not for his wayward finish."Inside the boxes, over the two games, we weren't good enough," Odegaard said.

A top class center forward is likely top of Mikel Arteta's wanted list when the transfer window opens — and his failure to strengthen his forward line in January has undermined Arsenal's campaign.

A challenge for the Premier League title fizzled out and it is only Arsenal's form in Europe that has disguised its failings since the turn of the year.Arsenal's Bukayo Saka reacts during the Champions League semifinal, second leg soccer match between Paris Saint-Germain and Arsenal at the Parc des Princes in Paris, Wednesday, May 7, 2025. Arsenal's Bukayo Saka reacts during the Champions League semifinal, second leg soccer match between Paris Saint-Germain and Arsenal at the Parc des Princes in Paris, Wednesday, May 7, 2025. (Photo | AP)

Arteta's team has won only three of its last 10 league games and just one of the last five. Blowing the lead against Bournemouth last weekend was the fourth time in five league games that it has dropped points from a winning position.Arsenal has saved its biggest performances for the Champions League — beating holder Real Madrid home and away in the quarterfinals. But its hopes of a first final appearance since 2006 were ended by a PSG team that finally looks ready to conquer Europe after more than decade of lavish spending from its Qatari backers.

What next for Arsenal after this latest near miss?Injuries to forwards Kai Havertz and Gabriel Jesus have not helped, but Arsenal's trophy wait goes on.

Arteta's only major trophy with the club was in his first year when they won the FA Cup in 2020.Since then he has restored Arsenal to one of the biggest forces in English soccer and returned it to the Champions League.

There were back-to-back runner-up spots in the Premier League over the past two seasons and it is currently second to champion Liverpool this year.A Champions League quarterfinal last year was followed by a semifinal this time around. But still no trophy.There have been two Community Shields since the FA Cup triumph, but they are not widely considered major trophies, rather a curtain raiser to the season that is often described as a glorified friendly match.

"Sometimes you have to lose a few in order to win and you have to overcome some of these setbacks and mentally grow as a person and as a player and as a group," Arsenal midfielder Declan Rice said. "We're going through that at the moment, a few losses, in terms of losing out in the league and coming close in the Champions League in back-to-back years."PSG have gone through tonight and we're absolutely gutted but this doesn't define us for sure."

Varun Chakaravarthy fined 25 per cent of his match fees for code of conduct breach

Chakravarthy, who bagged two wickets, gestured to Dewald Brewis to leave the field after dismissing him on 52.

KOLKATA. Kolkata Knight Riders spinner Varun Chakaravarthy has been fined 25 per cent of his match fees and handed one demerit point for breaching the IPL Code of Conduct during the match against Chennai Super Kings.CSK, who are out of the playoffs race, defeated the home team by two wickets at the Eden Gardens on Wednesday to also effectively end Ajinkya Rahane's side's hopes of making the top four."Varun Chakaravarthy admitted to the Level 1 offence under Article 2.5 and

accepted the Match Referee's sanction. For Level 1 breaches of the Code of Conduct, the Match Referee's decision is final and binding," said the IPL statement, without specifying the incident.Article 2.5 pertains to any "language, action or gesture used by a player and directed towards a batter upon his dismissal, which has the potential to provoke an aggressive reaction from the dismissed batter".Chakravarthy, who bagged two wickets, gestured to Dewald Brewis to leave the field after dismissing him on 52.The South African's half-century played a vital role on CSK winning the contest.KKR will play their remaining two league matches, against Sunrisers Hyderabad (SRH) on May 10 and against Royal Challengers Bengaluru on May 17, away from home.

Skipper Rahane still hopeful of KKR's playoff qualification despite loss to CSK

KOLKATA. Kolkata Knight Riders stand on the brink of elimination from Indian Premier League after the loss to Chennai Super Kings but captain Ajinkya Rahane remains hopeful.

With just two matches remaining, the maximum KKR can finish with is 15 points while a safe number for play-off qualification is 18."I think on 15 points, we can still qualify. We still got to think positive. We have two games left, one against Hyderabad and then Bangalore," Rahane said at the post-match press conference on Wednesday."So as a team, we have to be positive, think about how can we win the next two games. We are playing very good cricket.""Last three games were really good. This one didn't go to our plan, but again, as a team, we are coming back."KKR's qualification hopes would also depend on Mumbai Indians losing both their remaining matches to stay on 14 points.

Since one of MI's fixtures is against Delhi Capitals (currently on 13), that result would lift DC to 15 as well, setting up a potential Net Run Rate battle for the final playoff spot between KKR and DC.An alternative

scenario could see Punjab Kings losing all three of their remaining games.

In that case, MI could move beyond 15, while DC, PBKS, and KKR could all finish on 15, leading to a three-way NRR showdown.

KKR's bowlers had CSK struggling at 60/5 in the powerplay on a turning Eden pitch, but they could not bundle them out.Backing the bowling unit Rahane felt they weren't at fault and believed they were short by about 15 runs with the bat."Dube and Dewald (Brevis) they were brave, they took their chances and that paid off."I thought we still came back into the game really well. We picked up five wickets initially and they had a very good partnership. But after that, we knew that couple of wickets, we can still come back into the game and that was the plan."As a bowling unit, we did that pretty well. Six balls, eight runs.

Rohit calls it a day as Test cricketer

CHENNAI. In many ways, the writing was on the wall. The signs were there on January 2, 2025 on the eve of the fifth and final Test against Australia in Sydney. After head coach Gautam Gambhir refused to confirm Rohit Sharma's place in the playing XI, the Indian captain was detached and did little during the training session ahead of a must-win game. He stood with deputy Jasprit Bumrah and watched the rest train before having a short stint with the reserve batters.

Three days earlier, when he addressed the media after losing in Melbourne, Rohit wore a resigning look like never before. He spoke about looking within himself, after a horror run with the bat and how disturbing it has been. If that was the first sign of Rohit playing his last Test in Melbourne, the proceedings in Sydney only reaffirmed it.

While Rohit said he had dropped himself and is not retiring anytime soon on day two of the Sydney Test which India went on to lose, it all came to an end on Wednesday evening as the Indian captain announced that he is calling it a day as Test cricketer. "Hello everyone, I would just like to share that I am retiring from Test cricket. It's been an absolute honour to represent my country in

whites. Thank you for all the love and support over the years. I will continue to represent India in the ODI format," Rohit wrote on Instagram alongside a picture of faded Test cap.

Rohit's announcement comes after reports of the selectors conveying the BCCI about moving on from the captain for the upcoming tour of England. His place and captaincy had been under the scanner in the second half of 2024 when India lost a home Test series for the first time in 12 years. His poor form in batting and captaincy continued in Australia where India lost in Adelaide, held on to a draw in Brisbane before crumbling in the Boxing Day Test. That it happened after Bumrah had led India to victory in Perth only added pressure as Rohit did not take part in the fifth and final Test of the series. And it ended up being his last Test series as an India cricketer.

For someone who was always looked at as 'unfulfilled potential' in Test cricket, Rohit came to his own six years after making his debut during Sachin Tendulkar's farewell series against West Indies in 2013. For the better part of the decade, he would be moved up and down the order before being made a

Red-hot RCB aim to seal play-off spot against under-pressure LSG

Pant, who became the highest-paid player at the IPL auction, has had a season to forget thus far.

LUCKNOW. Royal Challengers Bengaluru would look to secure play-off qualification while the struggling Lucknow Super Giants will aim to stay alive in the tournament when the two sides clash in the Indian Premier League here on Friday.Pressure is mounting on LSG skipper Rishabh Pant with every passing game, with his lack of runs coinciding with the team's slide in the business end of the tournament.

LSG have lost four of their last five games and can only reach 16 points if they win their remaining three games.

18 is a much safer number in the play-offs race and RCB would back themselves to get there after winning five of their last six games.

Pant, who became the highest-paid player at the IPL auction, has had a season to forget thus far. He has tried batting at different positions but consistency has eluded him.

His strike rate of 99.92 sums up his struggles this season. LSG have relied heavily on their top three, including Mitchell Marsh, Aiden Markram and Nicholas Pooran, but that will have to change if they are to go deep in the tournament."The dream is still alive. If we are going to win the next three matches, we definitely can turn it around. It makes sense when your top order is batting really well. Every match you can't hope they will come off nicely," said Pant following the loss to Punjab Kings in Dharamsala.

On the bowling front as well, they can improve a lot. Injury-prone pace sensation Mayank Yadav has proved expensive since his comeback.The fielding and catching of the team has also left a lot to be desired.

Chasing an elusive title, RCB, on the other hand, have enjoyed one of their most professional campaigns in IPL history. Virat Kohli continues to pile on the runs with ridiculous consistency, having collected seven fifties in 11 innings.He provides the platform and the likes of Rajat Patidar and more recently Romario Shepherd flex their muscle in the death overs.

Mayank Agarwal has joined the squad as a replacement for injured Devdutt Padikkal, who had reinvented himself this season.

The spin duo of Krunal Pandya and Suyash Sharma have been very effective while Josh Hazlewood and Yash Dayal have bowled the difficult overs with ease in the pace department.LSG will need to come up with something special to halt the RCB juggernaut.Squads: LSG: Nicholas Pooran, Ravi Bishnoi, Mayank Yadav, Ayush Badoni, Rishabh Pant (c & wk), David Miller, Aiden Markram, Mitchell Marsh, Avesh Khan, Abdul Samad, Aryan Juyal, Akash Deep, Himmat Singh, Manimaran Siddharth, Digvesh Singh, Shahbaz Ahmed, Akash Singh, Shamar Joseph, Prince Yadav, Yuvraj Chaudhary, RS Hangargekar, Arshin Kulkarni, Matthew Breetzke, Mohsin Khan.

RCB: Virat Kohli, Rajat Patidar (c), Swastik Chikara, Mayank Agarwal, Jitesh Sharma, Philip Salt, Manoj Bhandage, Tim David, Krunal Pandya, Liam Livingstone, Romario Shepherd, Jacob Bethell, Swapnil Singh, Bhuvneshwar Kumar, Josh Hazlewood, Nuwan Thushara, Lungi Ngidi, Yash Dayal, Rasikh Dar Salam, Suyash Sharma, Mohit Rathee, Abhinandan Singh.

Wamiqa Gabbi

Channels Her Inner 'Titli' For Bhul Chukk Maaf Promotions

Wamiqa Gabbi has been all over social media for some time now promoting her new film Bhool Chuk Maaf. In addition to her noteworthy appearances on, she is making an effort to share captivating posts on social media. Recently, the actress shared another set of images flaunting yet another look in a pastel-hued outfit. The photos feature the actress in an oh-so-gorgeous and glam appearance in a multicoloured lehenga and we surely can't take our eyes off her.Wamiqa was seen in a heavily embroidered lehenga, which had a mix of blue, green and pink fabric with intricate white threadwork. The matching blouse featured strappy sleeves and a symbolic butterfly motif in the centre. Wamiqa's character in Bhool Chuk Maaf is called Titli and the actress's promotional outfits so far have featured elements related to it. In the caption, she wrote, "Watch Titli fly away in 'Bhool Chuk Maaf' on 9th May in cinemas near you."

Earlier this week, the actress attended another promotional event in town and was seen dressed in a pastel pink saree. In the video, she briefly interacts with paparazzi before stepping inside with the other team members. She wore a beautiful, lightweight saree. The drape was decorated with various colours of pink and beautiful floral motifs on the pallu. She styled it with a strappy blouse and simple accessories.

Wamiqa is set to star opposite Rajkummar Rao in Bhool Chuk Maaf. The film is set in Varanasi and follows Rajkummar's character, Ranjan, as he attempts to get the approval of Titli and her entire family for marriage by acquiring a government job. Even though the wedding date has been set and he wants to begin work as soon as possible, something is wrong. On the day of their wedding, Ranjan discovers that he is locked in an endless time loop. He recognises it, but everyone else, including Titli, is ignorant. The plot revolves around Ranjan's efforts to break out of this pattern.

Dinesh Vijan produced Bhool Chuk Maaf in collaboration with Amazon and MGM Studios. Karan Sharma directed and authored the romantic comedy, which will be released in theatres on May 9. The film also includes Sanjay Mishra, Seema Bhargava Pahwa, Raghubir Yadav, Ishtiyak Khan, Anubha Fateh Puria, Jay Thakkar and Pragati Mishra in key roles.

Farida Jalal Grooves To 'Koi Shehri Babu' In Viral Video, Fans Say 'Cute'

Veteran actress Farida Jalal has proved that age is just a number after a video of her dancing went viral. She captured the hearts of fans with a delightful dance to the classic Bollywood song "Koi Shehri Babu Dil Lehri Babu." A video of her gracefully moving to the iconic tune has gone viral on social media. Fans are calling her cute.In the video, shared by a fan on X handle, we can see Farida Jalal swaying to the rhythm of the song, reminiscent of her performance in the 1973 film Loafer, where she originally featured alongside Mumtaz. The song, sung by Asha Bhosle and composed by Laxmikant–Pyarelal, remains a beloved classic in Hindi cinema. One of the fans wrote, 'Kitne din baad dikhi the legend actress." Another wrote, "cutieee she is."

Veteran actress Farida Jalal recently recalled working with Shah Rukh Khan in several films, and said that she was always very motherly towards him. She said that she genuinely felt the mother-son bond when working with King Khan, and since he didn't have a mother in his life, she would always feel like she should give him more 'mamta'.

In a conversation with Galatta Plus, Farida Jalal spoke about Shah Rukh Khan and said, "I had the opportunity of being with him in so many films. He was so full of life. I have never seen this kind of energy in anyone. I have enjoyed every moment of my journey with him." Speaking about her motherly affection for King Khan, she said, "I have done so many films with him, played his mother. I really feel that feeling of a mother-son relationship with Shah Rukh. I really feel that and since he didn't have a mother in his life so I used to always feel that I should give him more and more of all the 'mamta' I can. It would come naturally to me."

She also recalled meeting Shah Rukh Khan for the first time on the set of the 1992 film 'Dil Aashna Hai', which was among the first films he had signed. She said that he was a shy person, and kept to himself. She further added that she met a different version of him when shooting for DDLJ.

Shraddha Kapoor's 'Then Vs Now' Post Proves Her Bangs Were Always Meant To Be

Bollywood actress Shraddha Kapoor is the brand ambassador of cuteness. Fans, do you agree? The Stree star never fails to leave her fans in awe of her adorable antics and impeccable charm. Yet again, she treated her fans to a dose of nostalgia by sharing adorable 'then and now' photos on social media. The actress took a trip down memory lane and dropped some throwback pictures on Instagram. In the heartwarming post, the star revealed that her current stylish look, featuring bangs, has been planned ever since her childhood.Shared on May 6, the post showcased the present-day Shraddha looking chic in a red top, complemented by multiple gold chains, hoop earrings, statement rings, and bracelets adorned with evil-eye charms from her brand Palmonas.

The last photo is a picture of her younger self holding a rabbit, sporting the same fringe she rocks today. What's even more interesting is the uncanny resemblance and how little her face has changed over the years.Hinting that her signature hairstyle has been a long-term plan, the actress playfully captioned the post, "Swipe to see iss look ki planning kis umr se chal rahi hai >>>."

This glimpse into Shraddha's personal style evolution has resonated with her InstaFam, who are showering the actress with love and appreciation for the charming throwback."Ayeeee soo cute the last picture," a fan wrote. Another expressed, "That little girl is still the same." "That nazar bracelet is necessary, Itne khubsurat ho roz hi nazar lagti hogi," said a user. An account remarked, "Beautiful as always miss @shraddhakapoor." "Such a cute throwback pic hehe," an individual wrote.On the cinematic front, Shraddha Kapoor was last seen in Stree 2. The horror-comedy, released in 2024, starred her alongside Rajkummar Rao, Abhishek Banerjee, Aparshakti Khurana and Pankaj Tripathi. The Amar Kaushik's directorial took the box office by storm and emerged as the highest-grossing Hindi film of the year. Up next, she has not yet officially announced her next project.

The actress previously talked about why she did only a handful of films in the last few years. In a conversation with Elle, she said that she is just following her heart. "I do what I want to do. I'm not in a rush to sign films back-to-back… Following my heart is what keeps me grounded."

Dhanashree Verma

Rajkummar Rao's Bhool Chuk Maaf BTS Pics Are Fire

The makers of the upcoming comedy entertainer, Bhool Chuk Maaf, recently released a new track from the film – Ting Ling Sajna. Sung by Madhubanti Bagchi and Tanishk Bagchi, the song features Rajkummar Rao and Dhanashree Verma. A while ago, Dhanashree took to social media and shared a series of behind-the-scenes pictures from the sets of the song, leaving fans excited.

The carousel post begins with a close-up picture of Dhanashree and Rajkummar, where she is seen sitting on the actor's lap, dressed in a red traditional outfit. The next photo is a long shot with several dancers in the background. In another image, the Trapped actor is seen holding Dhanashree close to him.In one of the snapshots, Rajkummar is looking at Dhanashree with an adoring expression while she is lying on a cot bed. The next few posts depicted a candid moment between the two as they flaunted their adorable smiles. Lastly, she dropped a picture featuring both of them holding a prop in their hands and standing beside each other.Sharing the pictures on Instagram, Dhanashree wrote in the caption, "Are you coming for Ranjan's bachelor party at your nearby theatres on 9th of May? Cuz We got the moves, pure energy and the charm. #bhoolchukmaaf."

The music video for Ting Ling Sajna begins with Rajkummar's character arriving blindfolded at a surprise bachelor party hosted by his close friends. Dhanashree Verma then makes a stunning entry, bringing a vibrant spark to the screen with her killer dancing skills and confidence. Later on, the actor also joins her on the dance floor and the two set the stage on fire with their sizzling moves.

Backed by Dinesh Vijan's Maddock Films and helmed by Karan Sharma, it features Rajkummar Rao and Wamiqa Gabbi in the lead roles. Bhool Chuk Maaf is all set to hit the big screens on May 9. Set in Varanasi, the film follows the story of Ranjan, a small-town groom, who gets stuck in a time loop on the day before his wedding ceremony.